हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

बिलासपुर, शनिवार 6 जून 2026

खपत छह हजार मेगावाट के करीब, सेंट्रल सेक्टर से ले रहे चार हजार मेगावाट बिजली

उम्मीद से 25 हजार एसी और एक लाख कूलर कम बिके

गर्मी ने निकाला बिजली संयंत्रों का दम, तीसरी यूनिट बैठी, 630 मेगावाट का उत्पादन प्रभावित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खास खबर

भीषण गर्मी के कारण लोगों को भारी परेशानी झेलनी पड़ रही है। गर्मी के कारण जहां एक तरफ आम इंसान परेशान हैं, वहीं बिजली के संयंत्र भी हांफ रहे हैं। कोरबा के 210 मेगावाट के तीन संयंत्र बंद होने से 630 मेगावाट का उत्पादन प्रभावित हो रहा है। इसके कारण बिजली ▶▶|शेष पेज 8 पर

कटौती की नौबत नहीं

बीते साल संयंत्रों के बंद होने के कारण बिजली कटौती करनी पड़ी थी। बीते माह बिजली की खपत 73 सौ मेगावाट तक गई थी। इस समय में बिजली की खपत छह हजार मेगावाट के आस-पास है। जहां तक अपने उत्पादन का सवाल है तो इस समय अपना उत्पादन महज 15 सौ मेगावाट हो रहा है। खपत की पूर्ति करने के लिए करीब चार हजार मेगावाट बिजली सेंट्रल सेक्टर से लेनी पड़ रही है।

एसी-कूलर का धंधा ठंडा, युद्ध से भड़की महंगाई इसलिए खरीदी कम, 200 करोड़ का झटका

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

एसी और कूलरों के दामों पर भी युद्ध की आग का इस बार सीजन में बड़ा असर दिखा। जहां एक तरफ धीरे-धीरे करके एसी के दाम में 20 फीसदी तक का इजाफा हो गया, वहीं कूलरों के दाम भी करीब 15 से 20 फीसदी बढ़ गए। एसी और कूलरों में महंगाई ▶▶|शेष पेज 8 पर

दाम बढ़ने से कम बिके एसी

युद्ध की वजह से रॉ मटेरियल के कारण एसी के दाम बढ़े हैं। इसी के साथ मई में मौसम की भी मार रही। ऐसे में 20 फीसदी कारोबार प्रभावित हुआ है।

-राजेश वासवानी
एसी कारोबारी

25 हजार कम बिके एसी

एसी का कारोबार बड़ा होता है। ब्रांडेड एसी 30 हजार से एक लाख तक के आते हैं। पहले एसी कम बिकते थे, लेकिन बीते तीन सालों से एसी की डिमांड बढ़ गई है। हर साल 15 से 20 हजार एसी ज्यादा बिक रहे हैं। इस बार करीब डेढ़ लाख एसी बिकने का अनुमान था। लेकिन एक तरफ जहां इसके दाम बढ़ गए, वहीं बीते माह मौसम की भी मार पड़ गई। ऐसा होने से करीब 25 हजार एसी कम बिके हैं। अगर डेढ़ लाख एसी बिकते तो करीब सात सौ करोड़ का कारोबार हो जाता। लेकिन 25 हजार एसी कम बिकने के कारण करीब डेढ़ सौ करोड़ का कारोबार कम हुआ। कारोबारी तो उम्मीद कर रहे हैं कि जून में अगर गर्मी पड़ी तो 10-15 हजार एसी और बिक सकते हैं।

सोने का सच्चा भाव
आनंद का सच्चा भाव*

18 कैरेट रेट* (75.00%)	₹114621/-
22 कैरेट रेट* (91.60%)	₹139990/-
24 कैरेट रेट* (99.99%)	₹152813/-

सोने का भाव* प्रति 10 ग्राम | GST Extra

*Conditions apply

anand Jewels
Pandri, Raipur

खबर संक्षेप

रास चुनाव : खड़गे ने भरा नामांकन

बेंगलुरू। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने शुक्रवार को कर्नाटक से राज्यसभा चुनाव के लिए अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। बंगलुरू स्थित विधान सौधा में उन्होंने विधानसभा सचिव एमके विशालाक्षी के समक्ष नामांकन पत्र जमा किया। नामांकन दाखिल करने के बाद खड़गे ने कहा कि आज मैंने अपना नामांकन पत्र दाखिल कर दिया है।

मौसम विभाग ने जारी की चेतावनी, 70 से 80 किलोमीटर की रफ्तार से चलेंगी तूफानी हवाएं

19 राज्यों में बारिश, छत्तीसगढ़ के कुछ जिलों के लिए अलर्ट

केरलम में गुरुवार को मानसून की आमद हो चुकी है। जल्द ही पूरे देश को यह कवर कर लेगा। इस बीच मौसम विभाग ने देश के 19 राज्यों में बारिश और आंधी का अलर्ट जारी किया है। इस दौरान 70 से 80 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तूफानी हवाएं चल सकती हैं। छत्तीसगढ़ के कुछ जिलों के लिए भी चेतावनी जारी की गई है।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

केरलम में मॉनसून की दस्तक के साथ ही भीषण बारिश का दौर शुरू हो गया है। मानसून की केरलमम में 4 जून को एंट्री हुई। इसके साथ ही इसने पूरे प्रदेश को कवर कर लिया। मानसूनी हवाएं कर्नाटक और तमिलनाडु के कुछ हिस्सों में भी पहुंच गई हैं। देशभर में मौसम में बदलाव आ गया है। दिल्ली-एनसीआर समेत देश के कई राज्यों में आएं आंधी तूफान और झमाझम बारिश के बाद एक ओर गर्मी से राहत मिली ▶▶|शेष पेज 8 पर

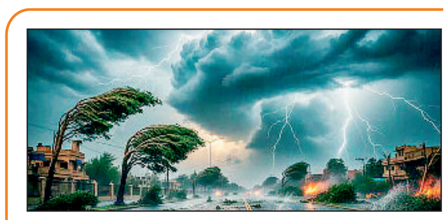

इन राज्यों के लिए एलर्ट जारी: देश के 19 राज्यों दिल्ली, यूपी, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, मध्य प्रदेश, बिहार, झारखंड, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल, उत्तराखंड, हिमाचल, जम्मू-कश्मीर, केरलम, ओडिशा, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और असम में आंधी-तूफान और बारिश का एलर्ट जारी हुआ है।

यहां भारी बारिश की चेतावनी

मौसम विभाग ने कहा है कि दक्षिण और पूर्वोत्तर भारत में मॉनसून के सक्रिय होने के कारण केरलम, कर्नाटक और पूर्वोत्तर भारत में अगले 5-7 दिनों तक भारी बारिश हो सकती है। मौसम विभाग के मुताबिक, विशेष रूप से 5 जून को उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में छिटपुट स्थानों पर बहुत भारी वर्षा होने की प्रबल संभावना है।

मानसून आगे बढ़ रहा, पर छग में समय पर ही पहुंचेगा

रायपुर। प्रदेश में प्री-मानसून की व्यापक गतिविधि के लिए थोड़ा इंतजार करना पड़ सकता है। अगले तीन से चार दिनों तक छिटपुट क्षेत्र में ही बारिश होने का अनुमान है। हवा के साथ अरब सागर से नमी का आना जारी है जिसे मानसून के आगे बढ़ने की अनुकूल स्थिति मानी जा रही है। संभावना है कि केरल में 4 दिन लेट से आने वाला मानसून अपनी सामान्य तारीख के आसपास ही दस्तक दे सकता है। राज्य में अधिकतम तापमान 41-42 डिग्री के आसपास दर्ज किया जा रहा है। यह अपनी सामान्य स्थिति में है, मगर वातावरण में मौजूद चिपचिपाहट गर्मी के प्रभाव को दोगुना कर रही है। पिछले चौबीस घंटे में प्री-मानसून बारिश का प्रभाव सीमित इलाकों में रहा। इसका असर बस्तर के कुछ हिस्सों तक सीमित रहा और सर्वाधिक वर्षा 5 सेमी. ओडगी में दर्ज की गई। अभी रायपुर समेत मध्य और अंबिकापुर समेत उत्तरी इलाका बारिश की गतिविधि ▶▶|शेष पेज 8 पर

बीसीए-एलएलबी की पढ़ाई शैक्षणिक सत्र 2026-27 से

कंप्यूटर साइंस के साथ कानून की पढ़ाई कराएगा रविवि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

ऐसा करने वाला तमिलनाडु के बाद देश का दूसरा विवि

खास खबर

पं.रविशंकर शुक्ल विवि शैक्षणिक सत्र छात्रों को कंप्यूटर साइंस और लॉ की पढ़ाई एक साथ कराएगा। ऐसा करने वाला रविवि तमिलनाडु विवि के बाद देश का दूसरा विवि होगा। रविवि में अब तक बीए-एलएलबी की पढ़ाई होती रही है, लेकिन शैक्षणिक सत्र 2026-27 से बीसीए-एलएलबी की भी पढ़ाई होगी। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत यह प्रयोग किए जा रहे हैं। तमिलनाडु के डॉ.आंबेडकर लॉ यूनिवर्सिटी देश का पहला विवि है, जहां बीसीए-एलएलबी पाठ्यक्रम की शुरुआत हुई थी। इस पाठ्यक्रम के लिए बार ▶▶|शेष पेज 8 पर

बीसीआई दे चुका है अनुमति

हमें बार काउंसिल ऑफ इंडिया से अनुमति मिल गई है। यह पाठ्यक्रम विशेष रुप से कॉरपोरेट सेक्टर में मददगार साबित होगा।

- प्रो.राजीव चौधरी, विधि विभागाध्यक्ष, रविवि

पांच वर्षीय पाठ्यक्रम 60 सीटें

रविवि सहित प्रदेश के अन्य विश्वविद्यालयों में भी बीएएलएलबी पाठ्यक्रम ही संचालित है। यह पांच वर्षीय पाठ्यक्रम होता है। इसके शुरुआती दो वर्षों में बीए की पढ़ाई करवाई जाती है। इसके बाद तीन वर्षों में छात्र लॉ की पढ़ाई करते हैं। बीसीए में शुरुआती दो वर्षों में कंप्यूटर एप्लिकेशन की पढ़ाई कराई ▶▶|शेष पेज 8 पर

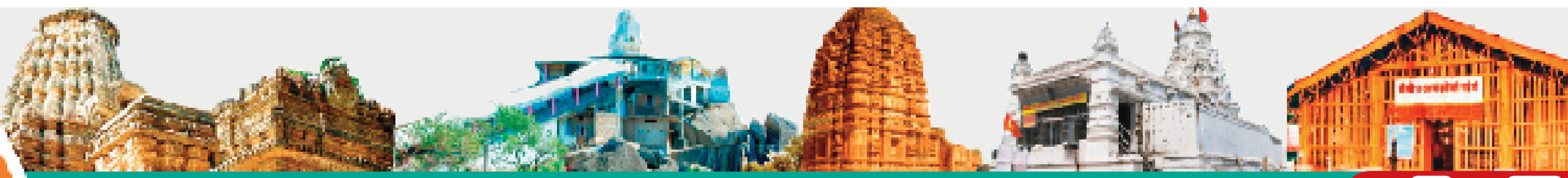

अब घर बैठे बनेगा राशन कार्ड, ई-डिस्ट्रिक्ट पोर्टल से ऑनलाइन आवेदन की सुविधा शुरू

अब ऑनलाइन नाम जोड़ और हटा सकते हैं, फीस लगेगी 30 रुपए, मिलेगी रसीद, च्वाइस सेंटर से नागरिक कर सकते हैं आवेदन

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

छत्तीसगढ़ सरकार ने राशन कार्ड से जुड़ी सेवाओं को पूरी तरह ऑनलाइन करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण संचालनालय ने सभी कलेक्टरों को निर्देश जारी कर कहा है कि नए राशन कार्ड जारी करने, राशन कार्ड में सदस्य जोड़ने और सदस्य विलोपन (नाम हटाने) के लिए अब सेवा-सेतु (ई-डिस्ट्रिक्ट) पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन लिए जाएं। यह सुविधा राज्यभर में लागू की गई है।

इस व्यवस्था के तहत नागरिकों को अब सरकारी दफ्तरों के चक्कर कम लगाने पड़ेंगे। राज्य सरकार का दावा है कि ऑनलाइन प्रक्रिया से आवेदन, सत्यापन और कार्ड जारी करने की पूरी प्रणाली अधिक पारदर्शी और समयबद्ध बनेगी।

राज्य में राशन कार्ड ऑनलाइन बनाने की शुरुआत पहली बार हुई है। इससे पहले शहरों में पार्षदों व गांवों में ग्राम पंचायतों के माध्यम से राशन कार्ड बनाने की मैन्युअल प्रक्रिया थी। यह भी जारी रहेगी। आदेश में कहा गया है कि नए राशन कार्ड जारी करने, सदस्य जोड़ने और नाम हटाने की सुविधा लोक सेवा केंद्रों के साथ-साथ स्थानीय निकायों तथा आम नागरिकों के लिए भी सेवा-सेतु (ई-डिस्ट्रिक्ट) पोर्टल पर उपलब्ध कराई गई है। इसके लिए सभी नगरीय निकायों और विकास खंडों को निर्देशित किया गया है कि वे पोर्टल के माध्यम से आवेदन प्राप्त करें।

लोक सेवा केंद्र के माध्यम से आवेदन करने पर हितग्राही को 30 रुपये का निर्धारित शुल्क देना होगा। वहीं स्वयं ऑनलाइन आवेदन करने वाले नागरिकों को आवश्यक दस्तावेज अपलोड करने के बाद आवेदन रसीद क्रमांक उपलब्ध कराया जाएगा। नई व्यवस्था में आवेदन प्राप्त होने के बाद अधिकृत सत्यापनकर्ता अधिकारी दस्तावेजों और पात्रता की जांच करेंगे। इसके बाद आवश्यक जानकारी और अनुशंसा पोर्टल पर दर्ज कर डिजिटल हस्ताक्षर के साथ स्वीकृतकर्ता अधिकारी को भेजी जाएगी। स्वीकृति मिलने पर निर्धारित मानदंडों के अनुसार नया राशन कार्ड जारी किया जाएगा। राशन कार्ड भी अब ऑनलाइन जनरेट होगा। संबंधित अधिकारी के डिजिटल हस्ताक्षर के बाद राशन कार्ड का पीडीएफ तैयार किया जाएगा, जिसे कार्यालय, लोक सेवा केंद्र या स्वयं हितग्राही पोर्टल से डाउनलोड कर सकेंगे। सरकार ने निर्देश दिया है कि राशन कार्ड मिलने के बाद मुखिया और दर्ज सदस्यों को उचित मूल्य दुकान में जाकर ई-केवाईसी कराना होगा। यह प्रक्रिया ई-पॉस मशीन या फेस ई-केवाईसी के माध्यम से पूरी की जाएगी।

पारदर्शिता और सुविधा बढ़ाने की कोशिश

खाद्य विभाग का यह निर्णय ऐसे समय आया है जब राशन कार्ड बनवाने, नाम जोड़ने और हटाने जैसी प्रक्रियाओं में लोगों को अक्सर लंबी प्रशासनिक प्रक्रिया का सामना करना पड़ता था। अब ऑनलाइन आवेदन, डिजिटल सत्यापन और डाउनलोड योग्य राशन कार्ड की व्यवस्था से प्रक्रिया को सरल बनाने की कोशिश की गई है।

अप्रैल की खपत पर जून के बिल में लगेगा करीब साढ़े 9 फीसदी शुल्क

प्रदेश में बिजली महंगी होने से पहले एफपीपीएएस शुल्क बढ़ने का झटका

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

प्रदेशभर के 65 लाख बिजली उपभोक्ताओं को इस माह बिजली का नया टैरिफ जारी होने पर इसी माह से या फिर अगले माह से महंगी बिजली का तगड़ा झटका लगने वाला है। वैसे अभी नया टैरिफ तय नहीं हुआ है, लेकिन इसके पहले एफपीपीएएस शुल्क का जरूर जून के बिल में तगड़ा झटका लग गया है। इस बार जून में जो मई का बिल आएगा, उसमें अप्रैल की खपत पर एफपीपीएएस शुल्क करीब साढ़े 9 फीसदी लिया जाएगा। बीते माह एफपीपीएएस शुल्क चार फीसदी से कम था, लेकिन इस बार यह डबल से भी ज्यादा हो गया है।

बिजली में हर माह अब एफपीपीएएस शुल्क तय होने के कारण हर माह बिजली के दाम बदल जाते हैं। इस साल के पहले माह जनवरी में जो दिसंबर का बिल आया था।

उसमें 13.64 फीसदी एफपीपीएएस शुल्क लिया गया। इसमें जहां 5.43 फीसदी पुराना शुल्क था, वहीं दिसंबर का 8.21 फीसदी शुल्क शामिल था। दिसंबर में एफपीपीएएस शुल्क 16.42 फीसदी तय हुआ था। इसमें से आधा दिसंबर के बिल के साथ लिया गया। इसके बाद बचा आधा 8.21 फीसदी शुल्क जनवरी के बिल में लिया गया। फरवरी में जब जनवरी का बिल आया तो उसमें पुराना 8.21 फीसदी शुल्क और जनवरी का नया शुल्क 4.14 फीसदी भी लिया गया। ऐसे में इस माह भी डबल झटका लगा था। लेकिन मार्च में जब फरवरी का बिल आया तो इसमें एफपीपीएएस शुल्क 5.91 फीसदी लगा। इसके बाद अप्रैल में मार्च का बिल आया तो इसमें एफपीपीएएस शुल्क और कम होकर 4.24 फीसदी लगा। मई में जब अप्रैल का बिल आया था इसमें 3.98 फीसदी एफपीपीएएस शुल्क लगा था। अब जून में जब मई का बिल आएगा तो इसमें करीब साढ़े 9 फीसदी के आस-पास शुल्क लगेगा।

बीते साल कई माह लगा डबल झटका

बिजली का नया टैरिफ बीते साल जुलाई से लागू होने के कारण वैसे ही बिजली महंगी हो गई थी। ऐसे में जब बीते साल अगस्त के बिल के समय एफपीपीएएस शुल्क तय हुआ तो यह 14.20 प्रतिशत आया। ऐसे में उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कंपनी ने इसका आधा 7.10 फीसदी ही अगस्त के बिल में वसूली करने का फैसला किया। ऐसे में जब सितंबर में अगस्त का बिल आया तो इसमें टैरिफ के साथ ही 7.10 फीसदी के हिसाब से एफपीपीएएस शुल्क लगा। इस माह तो राहत मिल गई लेकिन सितंबर में फिर से एफपीपीएएस तय किया गया तो 9.46 फीसदी आया। ऐसे में इसका 2.46 फीसदी ही सितंबर के बिल के साथ वसूला गया, लेकिन इसी के साथ अगस्त का पुराना सात फीसदी शुल्क भी लिया गया। अक्टूबर में जो सितंबर का बिल आया, उसमें एक तरफ जहां 2.46 फीसदी एफपीपीएएस शुल्क लिया गया, वहीं पुराना सात फीसदी शुल्क एडजस्टमेंट कास्ट के रूप में लिया गया। इसके बाद दिसंबर में जो नवंबर का बिल आया इसमें 12 फीसदी एफपीपीएएस शुल्क का झटका लगा। नवंबर में अक्टूबर का 9.59 फीसदी और नवंबर का 2.41 फीसदी शुल्क दिसंबर के बिल में लिया गया।

सीएम हेल्पलाइन शुरू होगी 9 से

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

छत्तीसगढ़ में सीएम हेल्पलाइन की सुविधा 9 जून से शुरू होगी। इससे पहले मुख्य सचिव विकासशील ने शुक्रवार को मंत्रालय महानदी भवन में सीएम हेल्पलाइन के संबंध में अधिकारियों की एक उच्च स्तरीय बैठक ली। उन्होंने अधिकारियों को सीएम हेल्पलाइन के जरिये प्राप्त होने वाली शिकायतों का त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए हैं। मुख्य सचिव ने सामान्य प्रशासन विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि सीएम हेल्पलाइन 9 जून से प्रारंभ की जा रही है। सभी विभागों के सचिवों, विभागाध्यक्षों, संभागायुक्तों और जिला कलेक्टरों को सीएम हेल्पलाइन के क्रियान्वयन के संबंध में दिशा-निर्देशों के तहत आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के लिए पत्र जारी किया जाए। मुख्य सचिव ने कहा कि सीएम हेल्पलाइन के माध्यम से आमजनों की शिकायतों का निराकरण निर्धारित समय-सीमा में हो, यह सुनिश्चित होना चाहिए। इसमें किसी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मुख्यमंत्री एवं सुशासन एवं अभिसरण विभाग के सचिव राहुल भगत ने सीएम हेल्पलाइन के तहत आधुनिक शिकायत प्रबंधन प्रणाली के संबंध में प्रस्तुतिकरण के जरिये विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने सीएम हेल्पलाइन हेतु विभिन्न विभागों के नोडल अधिकारियों को समय-सीमा के भीतर गुणवत्ता पूर्ण शिकायतों का निराकरण सुनिश्चित करने के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। शिकायतों के निराकरण के लिए एल-1 से एल-4 स्तर के अधिकारियों तक स्वचालित रूप से ट्रांसफर करने की प्रक्रिया को समझाया। उन्होंने नागरिकों से उनकी शिकायतों के संबंधों में उनकी संतुष्टि का फीडबैक लेने की पारदर्शी प्रक्रिया के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि आगामी दिनों में सीएम हेल्पलाइन लॉन्चिंग के बाद नागरिक टोल-फ्री नंबर 1076 पर कॉल करके, वेब पोर्टल, समर्पित मोबाइल ऐप और व्हाट्सएप के माध्यम से अपनी शिकायतें सीधे तौर पर दर्ज करा सकेंगे। बैठक में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की अपर मुख्य सचिव ऋचा शर्मा, विधि एवं विधायी विभाग की प्रमुख सचिव सुषमा सावंत, आदिम जाति विकास विभाग के प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा, महिला एवं बाल विकास विभाग की प्रमुख सचिव शहला निगार, मुख्यमंत्री एवं खनिज विभाग के सचिव पी.दयानंद, कौशल विकास एवं तकनीकी विभाग के सचिव बसवराजु एस., सामान्य प्रशासन, उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के सचिव रजत कुमार, परिवहन विभाग के सचिव एस.प्रकाश, स्वास्थ्य विभाग के सचिव अमित कटारिया, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के सचिव मोहम्मद कैंसर अब्दुल हक, ऊर्जा विभाग के सचिव सारांश मित्तर और वित्त विभाग की विशेष सचिव शीतल शाश्वत वर्मा सहित मंत्रालय में पदस्थ विभिन्न विभागों के अधिकारी शामिल हुए।

ट्रांसपोर्टर पर चाकू से हमला कर बदमाशों ने की लूट

हरिभूमि न्यूजःरायपुर

राजधानी के साथ ग्रामीण थाना क्षेत्र में बदमाश लगातार आपराधिक घटना कर रहे हैं। इसी कड़ी में गुरुवार देर रात दो बदमाशों ने एक ट्रांसपोर्टर पर पत्थर तथा चाकू से हमला कर नकदी पांच हजार रुपए, मोबाइल तथा हाथ में पहना चांदी का ब्रेसलेट लूट कर फरार हो गए। ट्रांसपोर्टर के साथी ने टोल प्लाजा जाकर अपनी जान बचाई। टोल प्लाजा के कर्मचारियों को आता देख बदमाश मौके से भागे। टोल प्लाजा के कर्मचारियों के नहीं आने पर बदमाश कोई और बड़ी घटना को अंजाम दे सकते थे। सांकरा निवासी मानस कश्यप ने अज्ञात बदमाशों के खिलाफ लूट की शिकायत दर्ज कराई है। मानस ने पुलिस को बताया है कि घटना दिनांक को रात 12.30 बजे वह अपने साथी योगेश वर्मा के साथ बाइक से खाना लेने ढाबा जा रहा था। ग्राम देवरी स्थित एक होटल के आगे एनएच-30 पर पहुंचे थे। इसी दौरान मानस बाथरूम करने के लिए सड़क किनारे रुका। पीड़ित का आरोप है कि जब वह बाथरूम करने के लिए रुका, तभी देवरी के रहने वाले दो बदमाश उसके पास पहुंचे और पकड़कर उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। एक बदमाश ने पत्थर से उसके सिर पर वार किया, जबकि दूसरे ने चाकू से हमला कर दिया। बदमाशों के हमला से उसके गाल, सिर और शरीर के अन्य हिस्सों में चोटें आई हैं। मानस पर अचानक दो बदमाशों के हमला से उसका साथी बुरी तरह से डर गया और वह अपनी जान बचाने टोल प्लाजा की ओर भागा। टोल प्लाजा पहुंचने के बाद योगेश ने टोल कर्मियों को अपने साथी के साथ घटित घटना की जानकारी दी। इसके बाद टोल प्लाजा के कर्मचारी मौके पर पहुंचे। लोगों को अपनी ओर आता देख बदमाश मानस को छोड़ कर उससे लूटे गए मोबाइल, नकदी और चांदी का ब्रेसलेट लेकर भाग निकले।

ईबोला वायरस पर अलर्ट, सूडान से आया एक और यात्री निगरानी में

हरिभूमि न्यूजः रायपुर।

चमगादड़ों और जंगली जानवरों से शुरू होने वाले ईबोला वायरस की रोकथाम लिए स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह अलर्ट है। इसके लिए एयरपोर्ट पर विदेशों से आने वाले यात्रियों की स्क्रीनिंग की जा रही है और प्रभावित देशों से आने वालों को जांच के दायरे में लाया जा रहा है। दुर्ग जिले में सूडान से आए एक यात्री को एहितयातन होम आइसोलेशन में रखा गया है। इसके पहले ही वहां तीन अन्य यात्री 21 दिन की निगरानी में दिन बिता रहे हैं। ईबोला वायरस की पुष्टि अभी छत्तीसगढ़ में नहीं हुई है, मगर विदेशों से आने वाले यात्रियों पर विशेष नजर रखी जा रही है। इसके लिए एयरपोर्ट पर स्क्रीनिंग काउंटर बनाए गए हैं। जिला सीएमएचओ को विदेश यात्रियों की पूरी खबर रखने निर्देशित किया गया है। इस प्रक्रिया में दुर्ग जिले में एक नये ट्रैवलर की ट्रेसिंग की गयी जो सूडान से आया है। संबंधित यात्री में कोई लक्षण, संपर्क का कोई इतिहास नहीं होने के कारण होम आइसोलेशन में रखा गया है। दुर्ग जिले में इसके पूर्व 1 कांगो से 1 इथोपिया से एवं 1 युगांडा से आए यात्री को भी होम आइसोलेशन में रखा गया है। दुर्ग सीएमएचओ ने बताया कि चारों अंतर्राष्ट्रीय यात्रियों को होम आइसोलेशन में 21 दिन के लिए रखा गया हैं। उनका प्रति दिवस सुबह एवं शाम टेलीफोन के माध्यम से स्वास्थ्य संबंधित जानकारी ली जा रही है। वर्तमान में चारों यात्री स्पर्शोन्मुख एवं पूर्णतः स्वस्थ हैं। किसी प्रकार की तकलीफ होने से ट्रेसिंग टीम / स्वास्थ्य विभाग / कंट्रोल रूम एवं कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी दुर्ग को जानकारी देने कहा गया है। चिकित्सकों के मुताबिक ईबोला बुखार, उल्टी, पेट दर्द, जोड़ों में दर्द, अत्यधिक थकान, सिर दर्द अधिक वाटरी डायरिया के लक्षण पाये जाते हैं।

राशिफल

मेष – किसी अज्ञात भय से परेशान हो सकते हैं। कारोबार के विस्तार में किसी मित्र का सहयोग मिल सकता है। स्वास्थ्य को लेकर परेशानी बनी रहेंगी।

वृष – मन में उतार-चढ़ाव रहेगा। नौकरी के परीक्षा एवं साक्षात्कारादि कार्यों में सफलता मिलेगी। आय में वृद्धि मिलेगी। सुस्वादु खानपान में रुचि रहेगी।

मिथुन – पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। लाभ के अवसर मिलेंगे। परिश्रम अधिक रहेगा। रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा। सुखद समाचार की प्राप्ति होगी।

कर्क – आत्मविश्वास तो बहुत रहेगा, परन्तु अति उत्साही होने से बचें। बातचीत में सन्तुलित रहें। कारोबार पर ध्यान दें। कठिनाइयां आ सकती है। संतान को कष्ट

सिंह – व्यर्थ के क्रोध से बचें। सम्पत्ति में वृद्धि हो सकती है। माता का साथ मिलेगा। पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। अज्ञात भय से परेशान रहेंगे।

कन्या – पठन-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक एवं बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी। बौद्धिक कार्यों से आय में वृद्धि हो सकती है। लाभ के अवसर मिलेंगे।

तुला – मन में आशा-निराशा के भाव हो सकते हैं। पिता का सानिध्य मिलेगा। कारोबार में परिवर्तन की सम्भावना बन रही है। धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी।

वृश्चिक – परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान पर जा सकते हैं। यात्रा सुखद रहेगी। खर्च अधिक रहेंगे। सेहत का का ध्यान रखें। क्रोध की अधिकता रहेगी।

धनु – मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे। किसी विशेष कार्य के लिए विदेश यात्रा के योग बन रहे हैं। व्यर्थ की चिंता रहेंगी।

मकर – क्रोध से बचें। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी। आय में वृद्धि होगी। किसी सम्पत्ति से भी धन मिल सकता है। मित्रों से भेंट हो सकती है।

कुंभ – रहन-सहन कष्टमय हो सकता है। कारोबार में सुधार होगा। परिवार का साथ मिलेगा। परिवार की किसी महिला से धन की प्राप्ति होगी।

मीन – पठन-पाठन में रुचि रहेगी। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्च अधिक रहेंगे। भाइयों से मनमुटाव की स्थिति रहेगी।

मेडिकल कालेजों में फैकल्टी की कमी दूर करने कवायद, आदर्श भर्ती नियम पर फंस रहा पेंच

वर्ष 2019 में राजपत्र में प्रकाशन पर मेडिकल कालेज स्तर पर अब तक अमल नहीं, 00 कालेज स्तर पर संविदा डाक्टरों को नियमित करने का अधिकार, खत्म हो सकता है संकट

हरिभूमि न्यूजः रायपुर।

शासकीय चिकित्सा महाविद्यालयों में फैकल्टी का संकट खत्म करने पूरी की जा रही भर्ती प्रक्रिया पर आदर्श भर्ती नियम का पेंच फंस रहा है। भविष्य पर चिंतित डाक्टर संविदा भर्ती में दिलचस्पी नहीं दिखा रहे हैं। यह नियम वर्ष 2019 से लागू तो है, मगर मेडिकल कालेज स्तर पर इसे अमल में लाया नहीं जा सका है। नियम में संविदा डाक्टरों को एक निश्चित अवधि के बाद कालेज स्तर पर नियमित करने का अधिकार है। इसका पालन नहीं होने की वजह से डाक्टर नौकरी छोड़ देते हैं और संकट हमेशा बना रहता है।

जानकारों के मुतबिक मध्यप्रदेश में वर्ष 2018 से यह आदर्श भर्ती नियम लागू है जिसमें संविदा डाक्टरों को प्रोबेशन पीरियड पूरा होने के बाद कालेज अथवा डीएमई स्तर पर नियमित कर दिया जाता है। इस नियम को वर्ष 2019 में छत्तीसगढ़ में अंगीकृत कर गजट नोटिफिकेशन

किया गया था। राज्य शासन द्वारा समस्याओं को ध्यान में रखते हुए इसे लागू करने के निर्देश भी दिए गए थे मगर राज्य के कालेज स्तर पर इसे अमल में नहीं लाया जा सका।नतीजा कालेजों में भर्ती की कई कोशिशों के बाद भी फैकल्टी की कमी दूर होने का नाम नहीं ले रही है। यहां संविदा में काम करने वाले डाक्टरों सालों की सेवा के बाद भी नियमित नहीं हो रहे हैं इसकी वजह आमतौर पर डाक्टर एक निश्चित अवधि के बाद प्रायवेट अस्पताल अथवा दूसरे राज्यों का रुख करते हैं। हाल ही चिकित्सा शिक्षा विभाग राज्य में खोले जाने वाले पांच मेडिकल कालेजों में चिकित्सा शिक्षकों की संविदा भर्ती की कवायद कर रहा है।लगातार कोशिशों के बाद भी इसके लिए पर्याप्त संख्या में आवेदन नहीं आ रहे हैं जो इन कालेजों की मान्यता पर खतरा बन सकता है।

जेआर के 17, एसआर के लिए 1 आवेदन

कालेजों में भर्ती के लिए पहले दौर में मई में 175 पदों के लिए भर्ती प्रक्रिया पूरी की गई। इसमें प्राध्यापक, सह प्राध्यापक और सहायक प्राध्यापक के लिए एक भी योग्य उम्मीदवार नहीं मिले। सीनियर रेसीडेंट के 25 पदों के लिए एकमात्र और जूनियर रेसीडेंट के 25 पदों के लिए 17 लोगों की मेरिट लिस्ट जारी की गई है। जेआर और एसआर के पदों को छोड़कर शेष में भर्ती के लिए फिर से आवेदन मंगाने का काम शुरू किया गया है जिसमें भी बड़ी संख्या में लोगों सामने आने की संभावना काफी कम है।

बैठक में भी आया मसला

गुरुवार को स्वास्थ्य सचिव अमित कटारिया के साथ डीन और सुपरस्पेशलिटी हास्पिटलों के कामकाज की समीक्षा बैठक के दौरान फैकल्टी की कमी का मसला भी सामने आया था। इस दौरान आदर्श भर्ती नियम को जमीनी स्तर पर लागू करने पर भी जोर दिया गया था। चिकित्सा शिक्षा विभाग से जुड़े अधिकारियों का कहना है कि इस नियम को लागू करने के बाद मेडिकल कालेजों में नौकरी छोड़ने और नई भर्ती की रुकावट की समस्या आसानी से दूर हो जाएगी।

शब्द पहेली - 6248

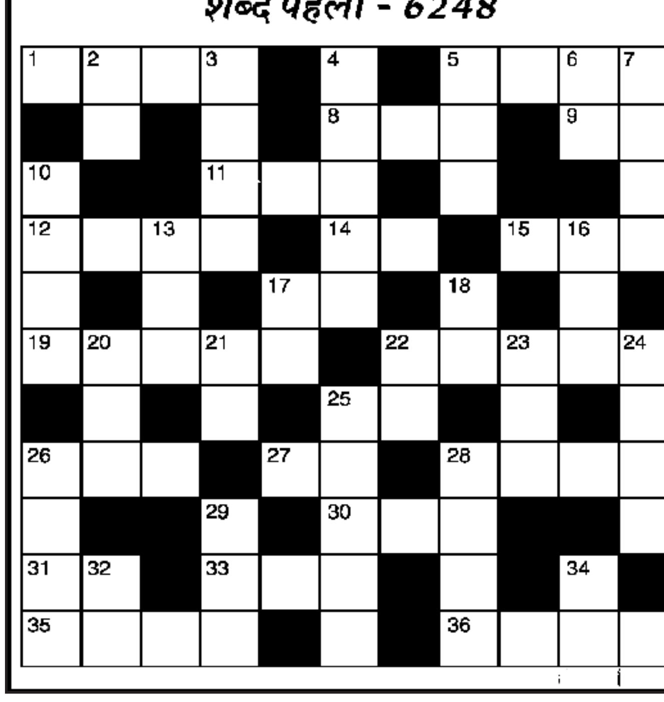

बाएँ से दाए

1. चिकित्सा, इलाज-4
5. पैतृक संपत्ति-4
8. बलवा, क्रांति-3
9. निम्न-2
11. सुअर, शूकर-3
12. चौबीसवें तीर्थंकर-4
14. केश-2
15. मुनाफा, अर्जित-3
17. मैदे की रोटी-2
19. मनोहर, आकर्षक-5
22. अनासक्ति, निर्विकारता-5
25. पानी, नीर-2
26. सूखा, दुष्काल-3
27. कांटा, कंटक-2
28. शांति, ध्वनिहीनता-4
30. तीक्ष्ण, तेजस्वी-3
31. लाख, गोंद-2
33. मधुक, महुआ-3
35. हृदयगति, स्पंदन-4
36. अनुक्रम, निरंतरता लयबद्ध-4

ऊपर से नीचे

2. पंख, पराया-2
3. राम का एक नाम-4
4. संरक्षक, देखरेख करने वाला, मुहाफिज-5
5. वियोग, जुदाई-3
6. गलत का विलोम-2
7. एकांतता, अकेलापन-4
10. मरियल, निर्बल-4
13. 'क्योंकि सास भी कभी बहु थी' में तुलसी इस परिवार की बहु है-3
16. मक्खन-3
17. रिश्ता-2
18. लाश-3
20. माला का मोती-3
21. यमराज-2
22. ललाट-2
23. ताप वर्धक-3
24. विदिर्ण-2.2
25. पानी का बहना-5
26. जुर्म, गुनाह-4
28. रसहीनता-4
29. प्रणाम, नमस्कार-3
32. लड़ी, श्रृंखला-2
34. दोस्त, सखा-2

शब्द पहेली- 6247 का हल

■	बि	ज	ली	घ	र	■	मा	न	सि	क
दि	ल	■	ड	■	ख	न	न	■	ना	रा
ल	■	था	र	दा	र	■	क	ली	■	मा
दु	ला	र	■	■	खा	स	■	ख	प	त
ख	■	था	■	ना	थ	■	ग	■	र	■
ना	म	र	ख	ना	■	ब	म	क	दा	र
■	यू	■	त	■	स	र	■	ट	■	वा
ह	र	म	■	आ	म	■	■	पी	स	ना
ड़	■	ध	श	■	का	रा	वा	स	■	हो
ता	न	■	प	ग	ली	■	न	■	म	ना
ल	थ	प	थ	■	न	ग	र	ब	धु	■

सूडोकू नवताल - 6258

★★★★★ कठिनतम

				6	8	5		
	1						2	
		2						8
			4					9
6				5				1
2					3			
5						3		
	8						6	
		4	9	1				

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकू नवताल - 6257 का हल

2	4	6	7	9	3	5	8	1
3	1	5	2	8	6	4	7	9
7	8	6	1	5	4	2	3	6
6	5	7	9	3	8	1	4	2
9	3	1	4	7	2	8	6	5
4	2	8	6	1	5	7	9	3
1	9	2	3	4	7	6	5	8
5	7	3	8	6	1	9	2	4
8	6	4	5	2	9	3	1	7

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

प्री मानसून की बारिश हो सकती है कभी भी अकेले धमतरी में छह लाख क्विंटल धान नहीं उठा

सिर पर मानसून, अब चिंता 10 जिलों में खुले पड़े 400 करोड़ के धान की, उठाव कम, तनाव ज्यादा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर, धमतरी, भिलाई, राजनांदगांव, जगदलपुर

हरिभूमि सरोकार

छत्तीसगढ़ में प्री मानसून की बारिश शुरू होने वाली है, लेकिन लाखों क्विंटल धान खुले में पड़ा है। अकेले धमतरी जिले में छह लाख क्विंटल से ज्यादा धान का उठाव नहीं हुआ है। बस्तर संभाग के सात जिले और दुर्ग – राजनांदगांव को शामिल करें तो 10 जिलों में करीब पौने चार सौ करोड़ रुपए का धान संग्रहण केंद्रों में रखा हुआ है। हालांकि संबंधित अधिकारियों का दावा है कि धान को ढंककर रखा गया है, ▶▶| शेष पेज 8 पर

दुर्ग जिले के संग्रहण केंद्रों में 17 हजार मीट्रिक टन धान खुले में

भिलाई। दुर्ग जिले के संग्रहण केंद्रों में 17 हजार मीट्रिक टन धान का उठाव नहीं हो पाया है। सेलूद, अरसनारा, कोड़िया और जेवरा सिरसा संग्रहण केंद्रों में ये धान रखे हुए हैं। मानसून आने को है और अब तक धान संग्रहण केंद्रों से धान का उठाव नहीं किया गया है। धान खरीदी के बाद फरवरी तक धान संग्रहण केंद्रों से धान का उठाव हो जाना चाहिए था लेकिन रफ्तार बेहद सुस्त है। विपणन संघ ▶▶| शेष पेज 8 पर

धमतरी के संग्रहण केंद्रों में 6.20 लाख क्विंटल धान

प्री-मानसून गतिविधियां शुरू हो गई हैं। मौसम विभाग रोज आंधी-बारिश की संभावना जता रहा है। ऐसे में जिले के संग्रहण केन्द्रों का इस संवाददाता ने जायजा लिया जहां लाखों क्विंटल धान का संग्रहण है। ट्रकों से धान का उठाव जारी है। धान को सुरक्षित रखने के भी उपाय किए गए हैं। डीएमओ सुनील सिंह राजपूत ने बताया कि जिले में 4 धान संग्रहण केन्द्र हैं। जहां 6 लाख 20 हजार 127 क्विंटल धान शेष है। 15 लाख 66 हजार ▶▶| शेष पेज 8 पर

बस्तर में 42 हजार टन से ज्यादा धान

जगदलपुर। मानसून आने को है लेकिन धान संग्रहण केन्द्रों में अभी भी 42 हजार टन धान का उठाव नहीं होने से असुरक्षित पड़े हैं। खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 में समर्थन मूल्य पर धान खरीदी का अभियान समाप्त हुए लगभग छह माह बीत चुके हैं, लेकिन धान का उठाव नहीं हुआ है। बस्तर संभाग में खरीदे गए धान का लगभग 79 प्रतिशत उठाव हुआ है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार सातों जिलों में 15 लाख 18 हजार 521 टन की धान खरीदी गई, जिसमें से 13 लाख 32 हजार 325.26 टन धान का उठाव हुआ। यदि उठाव नहीं हुआ तो करोड़ों रुपए का धान खराब होने की आशंका है। विभागीय सूत्रों के मुताबिक शासन ने धान खरीदी के बाद 31 मार्च ▶▶| शेष पेज 8 पर

मार्च में ही उठ गया धान

राजनांदगांव। खरीफ वर्ष 2025-26 के तहत राजनांदगांव जिले में करीबन 62 लाख क्विंटल धान की खरीदी की गई थी। सवा लाख से अधिक किसानों से खरीदे गए इस धान का उठाव भी युद्ध स्तर पर शुरू कर दिया गया था। जिसका असर रहा कि जिले में मार्च महीने के अंतिम सप्ताह तक शत-प्रतिशत धान का उठाव कर लिया गया था। उठाव के लिए जिले के ही 81 से अधिक राइस मिलर्स से अनुबंध किया गया था।

खबर संक्षेप

मोदी अच्छे मित्र, जल्द होगा व्यापार समझौता : ट्रंप

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी उनके अच्छे मित्र हैं और उन्हें विश्वास है कि अमेरिका तथा भारत के बीच व्यापार समझौता हो जाएगा। ट्रंप ने बृहस्पतिवार को 'ओवल ऑफिस' में पत्रकारों से कहा, 'हम समझौते तक पहुंच जाएंगे क्योंकि मैं प्रधानमंत्री (नरेन्द्र मोदी) को बहुत पसंद करता हूं।

बेंगलुरु-मुंबई इंडिगो विमान से पक्षी टकराया

मुंबई। बेंगलुरु से मुंबई जाने वाले इंडिगो के एक विमान को शुक्रवार को रनवे पर ले जाते समय उससे एक पक्षी टकरा गया, जिसके बाद पायलट को विमान वापस पार्किंग क्षेत्र में ले जाना पड़ा। सूत्रों ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि दोनों इंजनों के निरीक्षण सहित आवश्यक जांच के बाद, एयरबस ए321नियो विमान को सुरक्षित घोषित कर दिया गया और एक घंटे से अधिक देरी के बाद उसने उड़ान भरी। विमान में सवार यात्रियों की संख्या के बारे में तत्काल जानकारी नहीं मिल सकी है।

'भारत-चीन के नाजुक संबंधों में हस्तक्षेप नहीं'

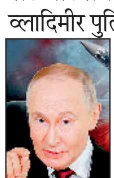

सेंट पीटर्सबर्ग। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत और चीन के 'नाजुक' द्विपक्षीय संबंधों में रूस हस्तक्षेप नहीं करेगा। पुतिन ने साथ ही विश्वास जताया कि भारत और चीन काफी समय से लंबित अपने सीमा विवादों को सौहार्दपूर्ण तरीके से सुलझाने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

टीएमसी पूर्व विधायक मोल्ला गिरफ्तार

कोलकाता। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने भांगर विस्फोट मामले के मुख्य संदिग्ध एवं तृणमूल कांग्रेस के पूर्व विधायक शौकत मोल्ला को पश्चिम बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले से शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया। एनआईए ने मोल्ला को 'फरार' घोषित किए जाने के कुछ घंटों बाद यह कार्रवाई की। दक्षिण 24 परगना जिले के दक्षिण बामुनिया गांव में 19 मार्च को हुए एक बम विस्फोट में एक व्यक्ति की मौत हो गई थी।

असम : 12 विधायकों ने ली मंत्री पद की शपथ

गुवाहटी। असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने शुक्रवार को अपनी कैबिनेट का विस्तार किया। इसमें 12 विधायकों ने मंत्री पद की शपथ ली। नई कैबिनेट में भाजपा विधायक अश्विनी राय सरकार, नीलिमा देवी और सुशांत बरगोहाईं को शामिल किया गया है। वहीं, एजीपी के नेता केशव महंत को भी मंत्री बनाया गया है। बिस्वजीत दैमारी भी नई मंत्री परिषद में शामिल हुए हैं।

बस्तर और सरगुजा में लागू है होम स्टे, पर्यटन को मिलेगा बढ़ावा

छत्तीसगढ़ में होम स्टे की राह आसान, अब नौ कमरे और 18 बिस्तर की होगी अनुमति

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खास खबर

छत्तीसगढ़ में पर्यटन को बढ़ावा देने के इरादे से लागू की गई होम स्टे नीति में अब महत्वपूर्ण बदलाव किया गया है। नई व्यवस्था के अनुसार अब एक होम स्टे इकाई में न्यूनतम एक कमरे से लेकर अधिकतम नौ कमरों और 18 बिस्तरों तक की अनुमति होगी। इससे संचालकों को अपनी क्षमता बढ़ाने और अधिक पर्यटकों को ठहराने का अवसर मिलेगा। पर्यटन

छत्तीसगढ़ सरकार ने राज्य में पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से होम स्टे नीति 2025-30 में कई महत्वपूर्ण संशोधन किए हैं। संशोधनों के तहत होम स्टे संचालकों को राहत देते हुए पंजीकरण प्रक्रिया को सरल बनाया गया है। पुलिस प्राधिकरण से अनुमोदन की अनिवार्यता समाप्त कर दी गई है और निवेशकों के लिए सब्सिडी संबंधी प्रावधानों को भी अधिक आकर्षक बनाया गया है। सरकार का मानना है कि नए बदलावों से ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में स्थानीय लोगों की पर्यटन गतिविधियों में भागीदारी बढ़ेगी तथा राज्य में वैकल्पिक आवास सुविधाओं का विस्तार होगा। संशोधित नीति का सबसे महत्वपूर्ण प्रावधान पंजीकरण की वैधता से जुड़ा है। पहले होम स्टे का पंजीकरण तीन वर्ष के लिए मान्य होता था, लेकिन अब इसे आजीवन वैधता प्रदान की गई है। इससे संचालकों को बार-बार नवीनीकरण की प्रक्रिया से नहीं गुजरना पड़ेगा और प्रशासनिक बोझ भी कम होगा।

ऑनलाइन होगी पूरी प्रक्रिया

राज्य सरकार ने पंजीकरण और प्रोत्साहन संबंधी आवेदनों की प्रक्रिया को भी डिजिटल बनाया है। अब होम स्टे संचालक छत्तीसगढ़ पर्यटन बोर्ड के अधिकृत पोर्टल, वेबसाइट अथवा मोबाइल एप के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। इससे दूरस्थ क्षेत्रों के संचालकों को भी सुविधा मिलने की उम्मीद है।

छत्तीसगढ़ में होम स्टे योजना कहां-कहां लागू है

बस्तर संभाग- जगदलपुर और आसपास के दूरदराज के क्षेत्रों में पर्यटकों को स्थानीय आदिवासी संस्कृति, कला और ग्रामीण जीवनशैली का अनुभव कराने के लिए यह योजना लागू है। सरगुजा संभाग- अपनी प्राकृतिक सुंदरता और जैव विविधता के लिए प्रसिद्ध इस क्षेत्र में होमस्टे को बढ़ावा दिया जा रहा है। जशपुरः जशपुर जिले में पर्यटन को विकसित करने के लिए 'होमस्टेज ऑफ इंडिया' के सहयोग से विशेष समझौते किए गए हैं, जिसके तहत ग्राम केरे को आदर्श होमस्टे ग्राम बनाया गया है। मैनपाट- 'मिनी तिब्बत' के रूप में मशहूर मैनपाट में स्थानीय निवासियों को होमस्टे के लिए घर बनाने व कमरों के निर्माण हेतु राज्य सरकार द्वारा अनुदान व वित्तीय सहायता भी प्रदान की जा रही है।

अब पुलिस अनुमोदन की जरूरत नहीं

संशोधित नीति के तहत होम स्टे संचालकों को अब पुलिस प्राधिकरण से पूर्व अनुमोदन प्राप्त करने की आवश्यकता नहीं होगी। इससे पंजीकरण प्रक्रिया में लगने वाला समय कम होगा और नए उद्यमियों के लिए व्यवसाय शुरू करना आसान हो सकेगा। पर्यटन क्षेत्र से जुड़े लोगों का मानना है कि यह बदलाव लंबे समय से लंबित मांगों में शामिल था।

निवेशकों को मिलेगी सब्सिडी की सुविधा

सरकार ने नीति में संशोधन करते हुए पात्र होम स्टे इकाइयों को पूंजी निवेश सब्सिडी अथवा ब्याज सब्सिडी में से किसी एक का लाभ लेने का विकल्प दिया है। इससे विशेष रूप से छोटे और मध्यम निवेशकों को वित्तीय सहायता मिल सकेगी तथा नए होम स्टे स्थापित करने के लिए प्रोत्साहन मिलेगा।

नीट : मुख्य सचिव ने कलेक्टर को दिए दिशा-निर्देश, कई स्तर पर पहरा

पहली बार छग में एयरफोर्स प्लेन से आएंगे प्रश्नपत्र 19 शहरों में 127 केंद्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खास खबर

देशभर में दोबारा आयोजित होने जा रहे मेडिकल एंट्रेस टेस्ट अर्थात नीट के लिए छग में भी तैयारियां प्रारंभ कर दी गई हैं। पहली बार छत्तीसगढ़ में एयरफोर्स के विमान से प्रश्नपत्र आएंगे। इसके लिए मुख्य सचिव ने सभी जिलों के कलेक्टर को दिशा-निर्देश दिए हैं। मुख्य सचिव विकासशील की अध्यक्षता में शुक्रवार को मंत्रालय महानदी भवन में बैठक आयोजित की गई। वीडियो कॉन्फ्रेंस से आयोजित इस बैठक में मुख्य सचिव ने जिला कलेक्टरों को परीक्षा के दौरान केन्द्र सरकार एवं राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) द्वारा जारी दिशा- निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित करने कहा है। कलेक्टरों एवं पुलिस अधीक्षकों को परीक्षा के पहले ही परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण करने और परीक्षा के लिए की गई तमाम तैयारियों के ▶▶| शेष पेज 8 पर

स्वास्थ्य टीम करेगी बच्चों की काउंसिलिंग

जिला शिक्षा अधिकारी सहितमुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी की संयुक्त टीम बच्चों की काउंसलिंग करेगी ताकि उन्हें किसी भी तरह परीक्षा से घबराहट ना हो। परीक्षा के एक दिन पहले 20 जून को परीक्षा संचालन के लिए तमाम व्यवस्थाओं के लिए माकड्रिल एक्सरसाइज की जाएगी। माकड्रिल की तैयारी भी पहले से की जाएगी। परीक्षा केन्द्रों पर पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने सभी आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित कहा गया है। परीक्षा के प्रश्न-पत्र एवं ओएमआर शीट एयर फोर्स के माध्यम से मूव होंगे। इन्हें सुरक्षा के साथ रखने कलेक्टर, एसपी को पहले से ही पर्याप्त तैयारी करने कहा गया है। प्रत्येक जिले में नियंत्रण कक्ष की स्थापना करने एवं परीक्षा दिवस पर सक्रिय रखने कहा गया है, जिससे परीक्षा संचालन का प्रभावी निगरानी की जा सकें।

छत्तीसगढ़ के 19 शहरों में आयोजन

वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिये बैठक में शामिल हुए राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) के महानिदेशक अभिषेक सिंह ने बताया कि छत्तीसगढ़ प्रदेश में नीट पुनः परीक्षा 2026 के लिए 19 शहरों में होगी। परीक्षा के लिए 127 परीक्षा केन्द्र बनाए गए हैं। सभी जिला प्रशासन के अधिकारियों से परीक्षा के सुचारू संचालन के लिए आवश्यक तैयारियां करने एवं सहयोग और समन्वय करने का अनुरोध एनटीए ने किया है।

चुनौतियों, अनिश्चितताओं के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था का कमाल, 7.7% जीडीपी ग्रोथ

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

दुनियाभर में जारी आर्थिक अनिश्चितताओं और तमाम वैश्विक चुनौतियों के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था ने एक बार फिर अपनी ताकत का लोहा मनवाया है। वित्त वर्ष 2025-26 (एफवाय26) में भारत की आर्थिक विकास दर (जीडीपी ग्रोथ) के जो आंकड़े सामने आए हैं, उन्होंने बड़े-बड़े एक्सपर्ट्स और बाजारों के अनुमानों को पीछे छोड़ दिया है। सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (एमओएसपीआई) द्वारा जारी ताजा आंकड़ों के मुताबिक, पूरे फाइनेंशियल ईयर में देश की रियल जीडीपी ग्रोथ 7.7 फीसदी दर्ज की गई है। जनवरी से मार्च तिमाही के भारत की जीडीपी ग्रोथ का डाटा जारी हो चुका है।

सरकार ने जारी किए जीडीपी के आंकड़े, अनुमान से आए बेहतर

आरबीआई ने रेपो दर को रखा बरकरार, घर खरीदने वालों को राहत

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को उम्मीद के मुताबिक प्रमुख नीतिगत दर रेपो को 5.25 प्रतिशत पर बरकरार रखा। घर खरीदने वालों, होम लोन लेने वालों और प्रॉपर्टी इन्वेस्टर्स के लिए यह फैसला राहत भरा है। रेपो वह ब्याज दर है, जिस पर वाणिज्यिक बैंक अपनी तात्कालिक जरूरतों को पूरा करने के लिये केंद्रीय बैंक से कर्ज लेते हैं। आरबीआई के रेपो दर को यथावत रखने के फैसले से आवास, वाहन और वाणिज्यिक कर्ज की मासिक किस्त में बदलाव की संभावना नहीं है। इसका मतलब यह हुआ कि फिलहाल होम लोन की ईएमआई कम नहीं होगी। लेकिन ब्याज दर बढ़ने की वजह से ईएमआई बढ़ने का भी कोई खतरा नहीं है। इससे लोग अपने वित्तीय फैसले ज्यादा आसानी से प्लान कर सकेंगे।

बैंक डूबा... तो अब पांच लाख नहीं, मिलेंगे 7.50 लाख रुपए

केंद्र सरकार बैंकिंग सिस्टम में आम जनता का भरोसा मजबूत करने के लिए एक बड़ा कदम उठाने जा रही है। सरकार बैंक डिपॉजिट पर मिलने वाली इंश्योरेंस लिमिट को 5 लाख से बढ़ाकर 7.5 लाख करने पर विचार कर रही है। हाल के दिनों में पंजाब एंड महाराष्ट्र को-ऑपरेटिव (पीएमसी) और यस बैंक जैसे बड़े बैंकिंग संकटों ने आम जनता की चिंता बढ़ा दी थी। हाल ही में आरबीआई द्वारा सर्वोदय को-ऑपरेटिव बैंक और कार्वार अर्बन को-ऑपरेटिव बैंक के लाइसेंस रद्द किए जाने के बाद खाताधारकों के मन में अपने पैसे की सुरक्षा को लेकर सवाल उठने लगे थे।

'एक पेड़ मां के नाम' अभियान का शुभारंभ

सीएमसाय ने राजीव स्मृति वन में लगाया बरगद का पौधा

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर राजधानी रायपुर स्थित राजीव स्मृति वन में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान 2026-27 का शुभारंभ किया। उन्होंने कृष्ण वट (बरगद) का पौधा रोपित कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर वन मंत्री केदार कश्यप ने भी बेल का पौधा लगाकर अभियान में सहभागिता निभाई। कार्यक्रम में साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रारंभ किया गया 'एक पेड़ माँ के नाम' अभियान पर्यावरण संरक्षण को जनआंदोलन बनाने की दिशा में एक प्रेरक पहल है।

कलेक्टर कार्यालय में किया गया संलग्न

विधायक संग विवाद में हटाए गए तहसीलदार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| अम्बिकापुर

सीतापुर विधायक एवं राजापुर के नायब तहसीलदार के बीच चल रहे विवाद के थमते ही कलेक्टर ने आदेश जारी कर नायब तहसीलदार को स्थानांतरित कर दिया है। कलेक्टर ने राजापुर नायब तहसीलदार तुषार मानिक को 3 जून को आदेश जारी कर कलेक्टर कार्यालय में संलग्न किया है। विवाद में नायब ▶▶| शेष पेज 8 पर

ठप हो गए थे कामकाज

कनिष्ठ सेवा के अधिकारियों सहित राजस्व पटवारी एवं राजस्व निरीक्षकों के 1 जून से 3 जून तक हड़ताल पर रहने के कारण राजस्व कार्यालयों के कामकाज पूरी तरह से ठप हो गए थे। विधायक के दो समर्थकों द्वारा समर्पण करने के बाद हड़ताल का समापन किया गया।

अमरनाथ यात्रा के लिए लॉन्च किया गया 'पहचान ऐप'

क्यूआर कोड से होगी अब श्रद्धालुओं की पहचान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

अमरनाथ यात्रा 2026 के दौरान श्रद्धालुओं और पर्यटकों की सुरक्षा को और मजबूत बनाने के लिए अनंतनाग पुलिस ने 'पहचान ऐप' लॉन्च किया है। यह एक क्यूआर आधारित मोबाइल एप्लिकेशन है, जिसे यात्रा मार्ग और प्रमुख पर्यटन स्थलों पर काम करने वाले सेवा प्रदाताओं के पंजीकरण और सत्यापन के लिए विकसित किया गया है। पुलिस के अनुसार, यह ऐप मौके पर ही सेवा प्रदाताओं की पहचान और सत्यापन की सुविधा उपलब्ध कराएगा। इसके जरिए यह आसानी से पता लगाया जा सकेगा कि कोई व्यक्ति अधिकृत और सत्यापित सेवा प्रदाता है या नहीं. इससे यात्रा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को और प्रभावी बनाने में मदद मिलेगी।

सुरक्षा के मद्देनजर अनंतनाग पुलिस की बड़ी पहल

सुरक्षा व्यवस्था को मिलेगा सहारा

पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, पहचान ऐप के जरिए सभी अधिकृत सेवा प्रदाताओं का डिजिटल रिकॉर्ड तैयार किया जाएगा। इससे यात्रा मार्ग पर काम करने वाले व्यक्तियों की पूरी जानकारी प्रशासन के पास उपलब्ध रहेगी और जरूरत पड़ने पर तत्काल सत्यापन किया जा सकेगा। यह प्रणाली यात्रा के दौरान पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाने का भी काम करेगी। सेवा प्रदाताओं की पहचान स्पष्ट होने से यात्रियों को भरोसेमंद सेवाएं मिल सकेंगी और अनधिकृत गतिविधियों पर प्रभावी नियंत्रण रखा जा सकेगा।

पहल का मुख्य उद्देश्य

पुलिस का कहना है कि इस पहल का मुख्य उद्देश्य यात्रा अवधि के दौरान सुरक्षा तंत्र को मजबूत करना है। खासतौर पर ऐसे लोगों की पहचान और रोकथाम करना, जो सेवा प्रदाता के रूप में खुद को प्रस्तुत कर यात्रियों या प्रशासन को गुमराह करने की कोशिश कर सकते हैं।

भीड़ प्रबंधन को भी मिलेगी मजबूती

डिजिटल सत्यापन व्यवस्था से यात्रा मार्ग पर भीड़ प्रबंधन को भी मजबूती मिलेगी। व्यवस्थित और नियंत्रित सेवा वितरण से विवाद, अव्यवस्था, अधिक शुल्क वसूली और भीड़भाड़ जैसी समस्याओं को कम करने में सहायता मिलेगी। अनंतनाग पुलिस का कहना है कि इस पहल का सकारात्मक प्रभाव आम जनता पर भी पड़ेगा। यात्रा पर आने वाले श्रद्धालु, पर्यटक और स्थानीय नागरिक अधिक सुरक्षित महसूस करेंगे क्योंकि उन्हें केवल सत्यापित और पंजीकृत सेवा प्रदाताओं से ही संपर्क करना होगा।

चिंतन

अर्थव्यवस्था पर संकट नहीं, चुनौतियां बरकरार

भारतीय अर्थव्यवस्था ने एक बार फिर अपनी मजबूती और लचीलापन साबित किया है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार जनवरी-मार्च तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर 7.8 प्रतिशत रही, जिसके परिणामस्वरूप पूरे वित्त वर्ष 2025-26 में आर्थिक विकास दर 7.7 प्रतिशत तक पहुंच गई। वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं, भू-राजनीतिक तनावों, खाड़ी संकट और व्यापारिक चुनौतियों के बीच यह प्रदर्शन न केवल उत्साहवर्धक है, बल्कि भारत को दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में भी बनाए रखता है। भारत का घरेलू उपभोग मजबूत हुआ है। बता दें कि 2025-26 वह साल रहा है, जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारतीय अर्थव्यवस्था को चोट पहुंचाने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी। 50 फीसदी टैरिफ तक ट्रंप ने भारत पर लगाया, लेकिन तमाम बाधाओं को पार करते हुए भारतीय अर्थव्यवस्था ने बेहतरीन प्रदर्शन किया है। इन आंकड़ों से संतोष का भाव अवश्य पैदा होता है, लेकिन इसके साथ कुछ महत्वपूर्ण संकेतों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। चौथी तिमाही में मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र की वृद्धि दर का 12.8 प्रतिशत से घटकर 7.3 प्रतिशत पर आना बताता है कि उत्पादन गतिविधियों में अपेक्षित गति नहीं बनी हुई है। यह स्थिति इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि रोजगार सृजन, निर्यात वृद्धि और औद्योगिक विस्तार का आधार यही क्षेत्र माना जाता है। यदि विनिर्माण क्षेत्र की रफ्तार कमजोर पड़ती है तो दीर्घकाल में इसका असर रोजगार और आय वृद्धि पर भी दिखाई दे सकता है। वर्ष 2026 की चुनौतियां और बड़ी हैं। तेल की बढ़ती कीमतें और इस बार कमजोर मानसून किसानों और लोगों की जेब पर असर डाल रहा है। इससे जहां उत्पादन प्रभावित हो सकता है, वहीं सरकारी खजाने पर भी दबाव बढ़ सकता है। ऐसे में सरकार के लिए कई गंभीर चुनौतियां खड़ी हो सकती हैं। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने इस वित्त वर्ष में जीडीपी पूर्वानुमान में 30 बीपीएस की कटौती कर 6.9% से घटाकर 6.6% तक कर दिया है। यदि खाड़ी संकट जल्द हल नहीं हुआ तो आने वाले समय में यह अनुमान और भी कम हो सकता है। इससे सरकार के सामने रोजगार सृजन, निवेश और विनिर्माण क्षेत्र में संकट पैदा हो सकता है। हालांकि आरबीआई ने अपनी मौद्रिक नीति समीक्षा में नीतिगत दर रेपो को 5.25 प्रतिशत पर बरकरार रखकर संकेत दिया है कि सरकार पैनिक नहीं है और अर्थव्यवस्था दबाव में नहीं है, लेकिन कमजोर मानसून और अर्थव्यवस्था के लिए कई चुनौतियां बरकरार हैं। दूसरी ओर, भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा अगले वित्त वर्ष में विकास दर 6.6 प्रतिशत रहने का अनुमान यह संकेत देता है कि आगे का रास्ता पूरी तरह आसान नहीं है। वैश्विक बाजारों में अनिश्चितता, मांग में उतार-चढ़ाव और निवेश संबंधी चुनौतियां अभी भी मौजूद हैं। ऐसे में सरकार और उद्योग जगत दोनों को विकास की गति बनाए रखने के लिए अतिरिक्त प्रयास करने होंगे। कुल मिलाकर मौजूदा आंकड़े यह स्पष्ट करते हैं कि भारतीय अर्थव्यवस्था किसी संकट में नहीं है और उसकी बुनियाद मजबूत बनी हुई है, लेकिन केवल ऊंची विकास दर ही पर्याप्त नहीं है। वास्तविक सफलता तब मानी जाएगी, जब आर्थिक वृद्धि के साथ रोजगार, आय, निवेश और जीवन स्तर में भी व्यापक सुधार दिखाई दे। इसलिए उपलब्धियों का स्वागत करते हुए चुनौतियों के प्रति सजग रहना ही समय की मांग है।

आर्थिकी
सतीश सिंह

मुश्किलों के बीच सुधार के भी संकेत

सेवा क्षेत्र की गतिविधियों में तेजी, औद्योगिक उत्पादन में सुधार, पूंजीगत वस्तुओं की मांग में वृद्धि, जीएसटी संग्रह में स्थिरता और कंपनियों के बेहतर मुनाफे इस बात की ओर संकेत करते हैं कि अर्थव्यवस्था में मांग और उत्पादन दोनों स्तरों पर गति बनी हुई है। फिर भी यह सुधार पूरी तरह जोखिम-मुक्त नहीं है। घरेलू और बाहरी दोनों मोर्चों पर मौजूद चुनौतियां ताकीद करती हैं कि विकास की मौजूदा रफ्तार को स्थायी बनाने के लिए सतर्क नीति, संतुलित खर्च और लागत नियंत्रण जरूरी है। मई में भारत के सेवा क्षेत्र ने उल्लेखनीय प्रदर्शन किया। एचएसबीसी इंडिया सर्विसेज पीएमआई बिजनेस एक्टिविटी इंडेक्स अप्रैल के 58.8 से बढ़कर मई में 59.8 पर पहुंच गया, जो पिछले 6 महीनों का उच्चतम स्तर है।

वैश्विक अनिश्चितताओं, महंगाई के दबाव, आपूर्ति श्रृंखला की बाधाओं और भू-राजनीतिक तनावों के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था से कुछ उत्साहजनक संकेत मिल रहे हैं। सेवा क्षेत्र की गतिविधियों में तेजी, औद्योगिक उत्पादन में सुधार, पूंजीगत वस्तुओं की मांग में वृद्धि, जीएसटी संग्रह में स्थिरता और कंपनियों के बेहतर मुनाफे इस बात की ओर संकेत करते हैं कि अर्थव्यवस्था में मांग और उत्पादन दोनों स्तरों पर गति बनी हुई है। फिर भी यह सुधार पूरी तरह जोखिम-मुक्त नहीं है।

घरेलू और बाहरी दोनों मोर्चों पर मौजूद चुनौतियां ताकीद करती हैं कि विकास की मौजूदा रफ्तार को स्थायी बनाने के लिए सतर्क नीति, संतुलित खर्च और लागत नियंत्रण जरूरी है। मई में भारत के सेवा क्षेत्र ने उल्लेखनीय प्रदर्शन किया। एचएसबीसी इंडिया सर्विसेज पीएमआई बिजनेस एक्टिविटी इंडेक्स अप्रैल के 58.8 से बढ़कर मई में 59.8 पर पहुंच गया, जो पिछले 6 महीनों का उच्चतम स्तर है। पीएमआई में 50 से ऊपर का स्तर विस्तार का संकेत है। यह आंकड़ा बताता है कि सेवा क्षेत्र में कारोबार, मांग और उत्पादन की गतिविधियां मजबूत बनी हुई हैं। यह वृद्धि केवल घरेलू मांग तक सीमित नहीं रही, बल्कि भारत से उपलब्ध कराई जाने वाली सेवाओं की विदेशी मांग में भी सुधार दिखा। अप्रैल में आई गिरावट के बाद अंतरराष्ट्रीय ऑर्डरों में फिर से बढ़ोतरी दर्ज होना सकारात्मक संकेत है। सेवा क्षेत्र की मजबूती कई कारणों से महत्वपूर्ण है। भारत की अर्थव्यवस्था में सेवा क्षेत्र का बड़ा योगदान है और रोजगार सृजन से लेकर निर्यात आय तक इसके असर व्यापक हैं। मई में माल ढुलाई, डिजिटल समाधान, ई-कॉमर्स, मनोरंजन और सूचना प्रौद्योगिकी जैसी सेवाओं की मांग बढ़ी। इसका सीधा असर कंपनियों की कारोबारी गतिविधियों पर पड़ा और कई कंपनियों ने कर्मचारियों की संख्या में वृद्धि भी की। रोजगार के मोर्चे पर यह संकेत आश्वस्त करने वाला है, क्योंकि विकास तभी व्यापक माना जाता है जब उसका लाभ रोज़गार और आय वृद्धि के रूप में आम लोगों तक पहुंचे। हालांकि, रोजगार वृद्धि में मामूली वृद्धि देखी गई है, क्योंकि 7 प्रतिशत से कम कंपनियों ने नई भर्ती की सूचना दी, जबकि अधिकांश कंपनियों ने अपने कर्मचारियों की संख्या में कोई बदलाव नहीं किया। इसका अर्थ यह है कि रोजगार सृजन का रुझान सकारात्मक जरूर है, पर उसे संतोषजनक नहीं माना सकता। भारत जैसे बड़े श्रम-प्रधान देश में केवल सेवा क्षेत्र की चुनिंदा कंपनियों की भर्ती पर्याप्त नहीं है। रोजगार वृद्धि को टिकाऊ बनाने के लिए विनिर्माण, निर्माण, कृषि-आधारित उद्योगों और छोटे उद्यमों में भी मांग और निवेश का विस्तार जरूरी है। औद्योगिक मोर्चे पर भी कुछ बेहतर संकेत दिखाई दे रहे हैं। अप्रैल में औद्योगिक उत्पादन सूचकांक यानी आईआईपी की वृद्धि दर 4.9 प्रतिशत रही, जबकि मार्च में यह 3.2 प्रतिशत थी। इस सुधार में सबसे बड़ा योगदान विनिर्माण क्षेत्र का रहा, जिसकी वृद्धि दर अप्रैल में 6.2 प्रतिशत तक पहुंच गई। बिजली और गैस क्षेत्र में भी वृद्धि दर्ज की गई। यह संकेत देता है कि उत्पादन गतिविधियां धीरे-धीरे रफ्तार पकड़ रही हैं। उपभोक्ता वस्तुओं की मांग में सुधार और पूंजीगत वस्तुओं की वृद्धि दर का 16 प्रतिशत तक पहुंचना खास तौर पर महत्वपूर्ण है। पूंजीगत वस्तुओं की

मांग बढ़ना इस बात का संकेत है कि कंपनियां भविष्य की मांग को लेकर कुछ हद तक आश्वस्त हैं और वे विस्तार की तैयारी कर रही हैं। फिर भी, मौजूदा सकारात्मक संकेत को स्थायी नहीं माना जा सकता है। एक-दो महीनों के बेहतर आंकड़े से किसी बड़े निष्कर्ष पर नहीं पहुंचा जा सकता। राजकोषीय मोर्चे पर भी कुछ सकारात्मक संकेत हैं। वित्त वर्ष 2026 में कई मंत्रालयों और विभागों का खर्च संशोधित अनुमान से कम रहा, जिससे कुल व्यय में कमी आई और राजकोषीय घाटा संशोधित अनुमान से घट गया। वित्तीय अनुशासन की दृष्टि से यह अच्छा संकेत है, क्योंकि नियंत्रित घाटा सरकार को भविष्य में विकासोन्मुख खर्च के लिए अधिक गुंजाइश दे सकता है। जीएसटी संग्रह में वृद्धि भी मांग और आर्थिक गतिविधियों की स्थिरता का संकेत देती है। जीएसटी संग्रह का बढ़ना यह बताता है कि खपत और लेन-देन का दायरा बना हुआ है। लेकिन जीएसटी संग्रह की वृद्धि दर को भी महंगाई और अनुपालन सुधार के संदर्भ में देखना चाहिए। अगर संग्रह में वृद्धि वास्तविक खपत और उत्पादन वृद्धि से आ रही है, तो यह अर्थव्यवस्था के लिए स्वस्थ संकेत है; पर यदि इसका बड़ा हिस्सा कीमतों की वृद्धि से जुड़ा है, तो आम उपभोक्ता पर दबाव भी बढ़ सकता है। कॉर्पोरेट जगत के नतीजे भी अर्थव्यवस्था की मिश्रित लेकिन आशावादी तस्वीर पेश करते हैं। बैंकों ने मजबूत ऋण वृद्धि और बेहतर मार्जिन के सहारे अच्छे परिणाम दिए। ऑटोमोबाइल कंपनियों को मांग और वॉल्यूम का लाभ मिला। वहीं तेल, धातु और कुछ सरकारी कंपनियों का प्रदर्शन मिश्रित रहा। इससे स्पष्ट है कि अर्थव्यवस्था में सुधार का स्वरूप समान नहीं है। कुछ क्षेत्र तेज बढ़ रहे हैं, जबकि कुछ क्षेत्र लागत, कीमत और वैश्विक परिस्थितियों से प्रभावित हैं। सबसे बड़ी चुनौती महंगाई और लागत दबाव की है। सेवा क्षेत्र की कंपनियों ने खाद्य पदार्थों, ईंधन, गैस, मजदूरी और कच्चे माल पर अधिक खर्च की बात कही है। पश्चिम एशिया में तनाव, कच्चे तेल की कीमतों की अनिश्चितता, वैश्विक व्यापार नीतियों में उतार-चढ़ाव और मौसम संबंधी जोखिम से महंगाई में और भी इजाफ़ा हो सकता है। खाद्य महंगाई का सीधा असर आम परिवारों की रसोई और उपभोग क्षमता पर पड़ता है। यदि मानसून कमजोर रहता है या अल नीनो जैसी जलवायु परिस्थितियां कृषि उत्पादन को प्रभावित करती हैं, तो खाद्य कीमतों पर दबाव बढ़ सकता है। निर्यात क्षेत्र भी चिंता का विषय है। रुपये में कमजोरी के बावजूद भारत का माल निर्यात अपेक्षित गति नहीं पकड़ पा रहा। सामान्यतः कमजोर रुपया निर्यात को प्रतिस्पर्धी बनाता है, लेकिन जब वैश्विक मांग ही कमजोर हो तो इसका लाभ सीमित रह जाता है।

विकसित अर्थव्यवस्थाओं में सुस्ती, व्यापारिक संरक्षणवाद और भू-राजनीतिक तनाव भारतीय निर्यातकों के लिए बाधा बन सकते हैं। ऐसे में केवल मुद्रा विनिमय दर पर निर्भर रहने के बजाय उत्पादकता, गुणवत्ता, लॉजिस्टिक्स और बाजार विविधीकरण पर अधिक ध्यान देने की जरूरत है। निष्कर्षतः भारतीय अर्थव्यवस्था फिलहाल कठिनाइयों के बीच सुधार के संकेत दे रही है। सेवा क्षेत्र की मजबूती, औद्योगिक उत्पादन में सुधार, पूंजीगत वस्तुओं की मांग, बेहतर कॉर्पोरेट नतीजे और राजकोषीय घाटे में कमी सकारात्मक संकेत हैं, लेकिन इन संकेतों को आत्मसंतोष का आधार नहीं बनाया जा सकता। महंगाई, कमजोर वैश्विक मांग, निर्यात की सुस्ती, मौसम संबंधी जोखिम और लागत दबाव अभी भी गंभीर चुनौतियां हैं। ऐसे में सरकार को चाहिए कि वह विकास की गति को बनाए रखते हुए महंगाई पर नियंत्रण रखे, निवेश को प्रोत्साहित करे, रोजगार को व्यापक बनाए और बाहरी झटकों से अर्थव्यवस्था को बचाने की क्षमता बढ़ाने पर ज़ोर दे।

(लेखक वरिष्ठ आर्थिक स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **haribhoomi@gmail.com** पर दे सकते हैं।

मुद्दा
रवि शंकर

पेट्रोल और डीजल जीएसटी से बाहर क्यों

देश में पेट्रोल और डीजल की लगातार बढ़ती कीमतों ने आम लोगों की चिंता बढ़ा दी है। खासकर मध्यम वर्ग और रोज कमाने-खाने वाले लोगों में इसे लेकर चिंता बढ़ती जा रही है। बताया जा रहा है कि पश्चिम एशिया में जारी तनाव और युद्ध जैसे हालात के कारण कच्चे तेल के आयात पर असर पड़ा है। इसी वजह से तेल कंपनियां बढ़ी हुई लागत का बोझ धीरे-धीरे उपभोक्ताओं पर डाल रही हैं। बता दें कि पिछले 15 दिनों में यह चौथी बार है जब पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी की गई। कीमतों में बढ़ोतरी से आम लोगों, यात्रियों और परिवहन क्षेत्र पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ बढ़ गया है। पेट्रोल और डीजल के दाम बढ़ने से सिर्फ वाहन चालकों की ही नहीं, बल्कि रोजमर्रा की जरूरत की चीजों की कीमतों पर भी असर पड़ रहा है। वही देश के कई हिस्सों में इस समय कृषि कार्य, फसल परिवहन और आगामी बुवाई की तैयारियां चल रही हैं, जहां डीजल का व्यापक उपयोग होता है। ऐसे समय में डीजल की कीमतों में लगातार वृद्धि किसानों के लिए गंभीर संकट पैदा कर रही है। खेती की लागत बढ़ने से पहले से आर्थिक दबाव झेल रहा किसान और अधिक कर्ज के बोझ तले दबेगा। वर्तमान में देश के कई राज्यों और शहरों में पेट्रोल का दाम 100 रुपये प्रति लीटर के आंकड़े को पार कर चुका है। ऐसे में एक बार फिर पेट्रोल और डीजल को जीएसटी के दायरे में लाने की मांग तेज हो गई है। माना जा रहा है कि अगर ऐसा होता है तो ईंधन की कीमतों में बड़ी गिरावट देखने को मिल सकती है और लोगों को सीधी राहत मिलेगी। दरअसल, पेट्रोल की असल कीमत और उपभोक्ता द्वारा चुकाई जाने वाली कीमत में बड़ा अंतर टैक्स की वजह से है। मौजूदा समय में दिल्ली में बिकने वाले पेट्रोल की असली (बेस) कीमत सिर्फ 66.29 रुपये प्रति लीटर है। लेकिन इस पर केंद्र सरकार 11.90 रुपये प्रति लीटर का भारी-भरकम उत्पाद शुल्क वसूलती है। इसके बाद राज्य सरकार (दिल्ली सरकार) इस पर 16.03 रुपये का वैट लगा देती है। इसके अलावा, पेट्रोल पंप डीलर को प्रति लीटर 4.42 रुपये का कमीशन मिलता है। इन सभी शुल्कों को मिलाकर एक लीटर पेट्रोल के लिए उपभोक्ता को 100 रुपये से ज्यादा चुकाने पड़ते हैं। यानी, लगभग 28 से 30 रुपये सिर्फ टैक्स के रूप में जनता की जेब से जा रहे हैं। वर्तमान समय में पेट्रोल पर वास्तविक मूल्य के मुकाबले करीब 42 प्रतिशत और डीजल पर लगभग 32 प्रतिशत तक टैक्स लगाया जा रहा है। अलग-अलग राज्यों में वैट की दरें अलग होने के कारण पेट्रोल-डीजल की कीमतों में बड़ा अंतर देखने को मिलता है। तेलंगाना में पेट्रोल सबसे महंगा है क्योंकि वहां पेट्रोल पर करीब 35.2 प्रतिशत वैट लगाया जाता है। वहीं अंडमान-निकोबार में पेट्रोल और डीजल पर केवल एक प्रतिशत वैट होने के कारण वहां ईंधन सबसे सस्ता बताया गया है। अगर केंद्र और राज्य सरकारें अपने मौजूदा टैक्स (एक्साइज और वैट) को हटाकर ईंधन को जीएसटी के तहत लाती हैं, तो कीमतों में ऐतिहासिक कटौती हो सकती है। मान लीजिए कि डीलर का कमीशन जस का तस रहता है और तेल पर 18 फीसदी की दर से जीएसटी लगाया जाता है, तो 66.29 रुपये के मूल दाम पर केवल 11.93 रुपये का टैक्स बनेगा। इस नए गणित के हिसाब से दिल्ली में पेट्रोल की कीमत घटकर 78.22 रुपये प्रति लीटर रह जाएगी। इसका सीधा अर्थ है कि ग्राहकों को प्रति लीटर लगभग 22 रुपये की भारी बचत होगी। गौरतलब है कि 2017 में जब जीएसटी लागू किया गया था, तो वन नेशन वन टैक्स की बात कही गई थी और कहा गया था कि देश में हर चीज पर एक समान टैक्स होगा और एक समान रेट होगा, लेकिन पेट्रोल-डीजल पर सभी राज्य मनमानी करते हुए अपने अपने हिसाब से वैट वसूल रहे हैं। इसके कारण हर राज्य में पेट्रोल-डीजल की दरें अलग-अलग हैं। इससे वन नेशन वन टैक्स की अवधारणा पर भी कुठाराघात हो रहा है। ये उत्पाद केंद्र और राज्य सरकारों के लिए राजस्व का प्रमुख स्रोत हैं। राज्यों को डर है कि जीएसटी के तहत इन उत्पादों को लाने से उनकी कर नीति, मूल्य निर्धारण और खपत को प्रभावित करने की क्षमता पर असर पड़ेगा। कई राज्यों का मानना है कि पेट्रोल और डीजल पर वैट उनकी आर्थिक स्थिरता के लिए महत्वपूर्ण है। जीएसटी में शामिल होने पर वे इस स्वायत्तता को खो सकते हैं। पेट्रोल और डीजल को जीएसटी के दायरे में लाने के लिए राज्यों की सहमति और कर दर पर एकरूपता जरूरी है। हालांकि पेट्रोल और डीजल को जीएसटी के तहत लाने का फैसला केंद्र और राज्य सरकारों की सहमति पर निर्भर करेगा, क्योंकि इससे राज्यों की टैक्स आय पर बड़ा असर पड़ सकता है, क्योंकि इससे टैक्स से होने वाली बड़ी कमाई प्रभावित होगी।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

सत्य के प्रति जागने में ही है 'जीवन की महत्ता'

संकलित
दर्शन

प्रत्येक व्यक्ति का इस जगत में आना एक संयोग है और यह संयोग परमात्मा की कृपा की देन है, लेकिन संसार में सभी के आने का संयोग कुछ पाने के लिए है, खोने के लिए नहीं। इसलिए कि खोना आसान है, परंतु पाना बहुत ही कठिन है। संसार में प्रायः लोग सोने वाले हैं, जागने वाले कम। जागने वाले ही कुछ पाते हैं और सोने वाले सब कुछ खो देते हैं। जागने वाले ही इस संसार में जीवित हैं और सोने वाले मृत। सच्चाई के लिए जागना ही है, जड़ता का त्याग। जड़ता के त्याग के बिना पशुता की स्थिति से उबरना संभव नहीं है। जड़ता सुषुप्ति की अवस्था है और जड़ता का त्याग जागृतावस्था। जागृतावस्था में जीवन के उत्थान, विकास, महानता प्राप्ति का संयोग है और सुषुप्तावस्था में मृत्यु, पतन, अवनति, निंदा, दुखभरी स्थिति है। जागने में भलाई है और सोने में बुराई है। यह पतन की ओर ले जाने वाला है। व्यक्ति जन्म के समय न कुछ लेकर आता और न ही मृत्यु के समय कुछ लेकर जाता है। झूठ बोलकर की गई सारी कमाई यहीं रह जाती हैं, लेकिन सत्य की कमाई सदा साथ रहती है। त्याग, प्रेम, सत्य, जिम्मेदारी के प्रति जागना ही जीवन में सत्कर्म है और यह सत्कर्म ही पुण्य की कमाई है, जो कभी नष्ट नहीं हो सकती। परमात्मा तो सिर्फ सत्य मार्ग पर चलने वाले का साथ देता है और कुमार्गगामी को दंड भी देता है। सत्य के प्रति सजगता ही चेतना का ऊर्ध्वमुखी होना होता है। इसके विपरीत असत्य के प्रति चेतना की जागृति विनाश, पतन का मूल है।

ईश्वर ने मेरे भाग्य में क्या लिखा है

संकलित
प्रेरणा

एक बार स्वामी विवेकानद जी अपने आश्रम में एक छोटे पालतू कुत्ते के साथ टहल रहे थे। तभी अचानक एक युवक उनके आश्रम में आया और उनके पैरों में झुक गया और कहने लगा- स्वामीजी मैं अपनी जिंदगी से बड़ा परेशान हूँ। मैं प्रतिदिन पुरुषार्थ करता हूँ लेकिन आज तक मैं सफलता प्राप्त नहीं कर पाया। पता नहीं ईश्वर ने मेरे भाग्य में क्या लिखा है, जो इतना पढ़ा-लिखा होने के बावजूद भी मैं नाकामयाब हूँ। युवक की परेशानी को स्वामीजी ने तुरंत समझ लिया। उन्होंने युवक से कहा- भाई! थोड़ा मेरे इस कुत्ते को कहीं दूर तक सैर करा दो। उसके बाद मैं तुम्हारे प्रश्नों का उत्तर दूंगा। उनकी इस बात पर युवक को थोड़ा अजीब लगा लेकिन दोबारा उसने कोई प्रश्न नहीं किया और कुत्ते को दौड़ाते हुए आगे निकल पड़ा। कुत्ते को सैर कराने के बाद, जब एक युवक आश्रम में पहुंचा तो वह देखा कि युवक का चेहरा तेज है लेकिन उसका छोटा कुत्ता थक के जोर-जोर से हांफ रहा था। स्वामीजी ने पूछा- भाई, मेरा कुत्ता इतना कैसे थक गया? तुम तो बड़े शांत दिख रहे हो। क्या तुम्हें थकावट नहीं हुई? युवक ने कहा- स्वामीजी, मैं धीरे-धीरे आराम से चल रहा था, लेकिन मेरा कुत्ता अशांत था। सभी जानवरों के पीछे दौड़ता था, इसीलिए बहुत थक गया था। तब विवेकानंद ने कहा- भाई, तुम्हारे प्रश्नों का उत्तर तो यही है! तुम्हारा लक्ष्य तुम्हारे आसपास है, लेकिन तुम उससे दूर चलते हो। अन्य लोगों के पीछे दौड़ते रहते हो और तुम जो चाहते हो वह दूर हो जाता है। युवक ने विवेकानंद के उत्तर से संतुष्ट होकर अपनी गलती को सुधारने का निर्णय लिया। अतः अपने लक्ष्य पर ध्यान रखो और भटकाने वाली सोच से दूरी बनाओ।

अंतर्मन

आज की पाती

पर्यावरण संरक्षण : आज का संकल्प, कल का भविष्य

धरती केवल मिट्टी, जल, वायु और पेड़ों का समूह नहीं है। यह मानव सभ्यता की जननी है, जीवन की धड़कन है और आने वाली पीढ़ियों की सबसे बड़ी धरोहर है। जब भी सुबह का सूरज पर्वतों की चोटियों को सुनहरी आभा से भर देता है, जब नदियों का निर्मल जल कल-कल करता हुआ बहता है, जब खेतों में हरियाली लहराती है और पक्षियों का मधुर कलरव वातावरण में संगीत घोल देता है, तब प्रकृति अपनी सुंदरता का परिचय देती है। किंतु आज यही प्रकृति मानव की अंधाधुंध महत्वाकांक्षाओं और स्वार्थपूर्ण गतिविधियों के कारण कराह रही है। बढ़ता प्रदूषण, कटते जंगल, सूखती नदियां, पिघलते हिमनद, बढ़ता तापमान और असंतुलित मौसम मानव को चेतावनी दे रहे हैं कि यदि अभी नहीं संभले, तो आने वाला भविष्य अत्यंत भयावह हो सकता है। - **चेतन वर्मा**, धमतरी

ट्रेंड

विकास गति मजबूत

भारत की डिजिटल अवसंरचना यात्रा उल्लेखनीय गति पकड़ रही है। एयरट्रंक ने भारत में लगभग 3 लाख करोड़ रुपये का निवेश करने और 5 गीगावाट डेटा सेंटर क्षमता विकसित करने की घोषणा की है।
- **नरेंद्र मोदी,** प्रधानमंत्री

नमो ऑक्सीजन पार्क

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर, केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव की गरिमामयी उपस्थिति में, मेगा वृक्षारोपण अभियान का उद्घाटन किया गया और दिल्लीवासियों को 18 नमो ऑक्सीजन पार्क समर्पित किए गए।दिल्ली के सभी निवासियों से आग्रह है कि वे 'मां के नाम एक पेड़' अभियान में शामिल हों।
- **रेखा गुप्ता,** सीएम, नई दिल्ली

ड्रग्स के खिलाफ लड़ाई

अगर ड्रग माफिया ने अपनी हरकतें नहीं सुधारीं, तो वे धूल में मिल जाएंगे। हमारी सरकार पिछले साढ़े तीन वर्षों से ड्रग्स के खिलाफ निर्णायक लड़ाई लड़ रही है। पीआईटी-एनडीपीएस अधिनियम को सख्ती से लागू करके ड्रग तस्करों के नेटवर्क पर लगातार प्रहार किए जा रहे हैं।
-**सुखविंदर सिंह सुखु,** सीएम, हिमाचल प्रदेश

सड़कों पर उतरें

अखबारों में खबरें लीक करना अरबों-खरबों का कारोबार है। इस रैकेट में बड़े लोग शामिल हैं। जब तक आप सड़कों पर उतर कर सरकार को कार्रवाई करने के लिए मजबूर नहीं करेंगे, यह रैकेट नहीं रुकेगा।
-**अरविंद केजरीवाल,** पूर्व सीएम, नई दिल्ली

करंट अफेयर

पूर्व प्रिंस एंड्रयू ने तीन कॉटेज किराए पर देकर पैसा कमाया

ब्रिटेन की सार्वजनिक व्यय पर निगरानी रखने वाली संस्था की शुक्रवार को जारी शाही परिवार की संपत्तियों की एक रिपोर्ट के मुताबिक, पूर्व प्रिंस एंड्रयू ने शाही संपदा में तीन कॉटेज किराये पर देकर पैसा कमाया, जहां वह दो दशक तक बिना किराए के रहे थे। इसमें यह भी बताया गया है कि उनकी बेटिया, प्रिंसेस बीट्राइस और प्रिंसेस यूजनी, किराए वाली महल की संपत्ति में रहती हैं, जिसका भुगतान उनके पिता के बड़े भाई महाराजा चार्ल्स तृतीय करते हैं। 'नेशनल ऑडिट ऑफिस' की रिपोर्ट में कहा गया है कि एंड्रयू माउंटबेटन-विंडसर को विंडसर कैसल के पास अपने घर, रॉयल लॉज एस्टेट में कॉटेज को 20 साल से अधिक समय तक किराए पर देने से आय प्राप्त हुई। साल 2003 में किए गए रॉयल लॉज के एक पट्टे से पता चलता है कि उन्होंने संपत्ति के लिए सिर्फ एक मामूली रकम अदा दी, जिसे /"पेपरकॉर्न रेंट/" के नाम से जाना जाता है। इस परिसर में 30 कमरों वाली एक हवेली और आठ कॉटेज शामिल हैं जिनमें से तीन को किसी और को किराये पर देने की अनुमति थी। रिपोर्ट में आय की रिपोर्ट शामिल नहीं की गई थी। संसद की लोक लेखा समिति की पूर्व प्रमुख और हाउस ऑफ लॉर्ड्स में लेबर पार्टी की सदस्य मारग्रेट होज ने इस चूक को चिंताजनक बताया।

ऑफ बीट

एआई में अत्यधिक पानी का इस्तेमाल हो सकता है

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के बढ़ते उपयोग से ऊर्जा और प्राकृतिक संसाधनों पर पड़ने वाले दबाव को लेकर संयुक्त राष्ट्र (यूएन) की एक नई रिपोर्ट ने गंभीर चेतावनी जारी की गई है। रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2030 तक एआई से जुड़ी प्रणालियां दुनिया की कुल बिजली खपत का लगभग तीन प्रतिशत हिस्सा उपयोग कर सकती हैं, जबकि डेटा केंद्रों की शीतलन जरूरतों के लिए इस्तेमाल होने वाला पानी वैश्विक आबादी की वार्षिक पेयजल आवश्यकता से भी अधिक हो सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि एआई की बढ़ती क्षमता और लोकप्रियता के साथ उसके पर्यावरणीय प्रभाव भी तेजी से बढ़ रहे हैं। अक्सर यह तर्क दिया जाता है कि एआई मॉडल समय के साथ अधिक दक्ष और कम ऊर्जा खपत वाले हो जाएंगे, जिससे उनकी पर्यावरणीय लागत घटेगी। हालांकि, रिपोर्ट का निष्कर्ष है कि यह धारणा भ्रामक हो सकती है। रिपोर्ट में 'जेवॉन्स पैराडॉक्स' का उल्लेख किया गया है, जिसके अनुसार किसी तकनीक की दक्षता बढ़ने पर संसाधनों की कुल खपत कम होने के बजाय बढ़ सकती है। यह सिद्धांत 19वीं सदी के अर्थशास्त्री विलियम स्टेनली जेवॉन्स के अवलोकन पर आधारित है, जिन्होंने पाया था कि कोयले के उपयोग की दक्षता बढ़ने के बावजूद उसकी कुल मांग और खपत में वृद्धि हुई थी।

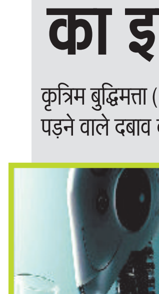

हमारा पता
हरिभूमि कार्यालय
रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर
फोन: 401050,271016,फैक्स-271018
ई-मेल: haribhoomibsp@gmail.com
वेब-साइट: www.haribhoomi.com

खबर संक्षेप

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 93.8 करोड़ डॉलर बढ़ा

मुंबई। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 28 मई को समाप्त सप्ताह में 93.8 करोड़ डॉलर बढ़कर 682.32 अरब डॉलर हो गया। आरबीआई ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। इसके एक सप्ताह पहले यह भंडार 7.51 अरब डॉलर घटकर 681.38 अरब डॉलर रह गया था। इस वर्ष 27 फरवरी को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 728.49 अरब डॉलर के अपने उच्चतम स्तर पर पहुंच गया था। पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने और डॉलर के मुकाबले रुपये के दबाव में आने से इस भंडार में कई सप्ताह तक गिरावट दर्ज की गई।

रुपया 81 पैसे के उछाल से 94.93 प्रति डॉलर पर

मुंबई। रुपया शुक्रवार को 81 पैसे के उछाल के साथ 94.93 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर रहा। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक के विदेशी पूंजी प्रवाह को समर्थन देने और विदेशी मुद्रा प्रवाह मजबूत करने के लिए कदम उठाने के बाद घरेलू मुद्रा को समर्थन मिला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.72 प्रति डॉलर पर खुला। कारोबार के दौरान 94.89 के उच्च स्तर तक पहुंचा और अंततः 94.93 (अस्थायी) पर बंद हुआ जो पिछले बंद स्तर से 81 पैसे की मजबूती है।

इवोनिथ स्टील ने इंद्रजीत पावर का किया अधिग्रहण

नई दिल्ली। इस्पात विनिर्माता कंपनी इवोनिथ स्टील ने दिवाला एवं ऋणशोधन अक्षमता संहिता (आईबीसी) के तहत इंद्रजीत पावर प्राइवेट लिमिटेड (आईपीपीएल) का 232 करोड़ में अधिग्रहण पूरा कर लिया है। इवोनिथ स्टील ने शुक्रवार को बयान में बताया कि 85 मेगावाट की ताप विद्युत संपत्ति का यह अधिग्रहण उसकी ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने में मदद करेगा। कंपनी ने कहा कि उसे 20 अप्रैल को राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) द्वारा सफल समाधान आवेदक के रूप में मंजूरी दी गई थी।

एमजी मोटर इंडिया ने 1,000 ईवी चार्जर लगाए

मुंबई। जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने 'एमजी चार्ज' पहल के तहत देशभर में 470 से अधिक स्थानों पर 1,000 सामुदायिक चार्जर स्थापित किए हैं। कंपनी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। कंपनी का दावा है कि इसके साथ ही वह इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) सामुदायिक चार्जिंग अवसंरचना विकसित करने वाली देश की पहली मूल उपकरण विनिर्माता बन गई है।

कोल इंडिया ने आपूर्ति बढ़ाने के लिए कदम उठाए

नई दिल्ली। कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) ने गैर-विनियमित क्षेत्र (एनआरएस) के उपभोक्ताओं के लिए कोयले की उपलब्धता बढ़ाने और कार्य संचालन में लचीलापन लाने के लिए कई कदमों की घोषणा की है। कंपनी का उद्देश्य आयात पर निर्भरता कम करना और बढ़ती औद्योगिक मांग को पूरा करना है। सार्वजनिक क्षेत्र की इस कंपनी ने शुक्रवार को जारी बयान में कहा कि वह 12 जून को होने वाली अपनी आपूर्ति से संबंधित नीलामी में रिकॉर्ड 3.5 करोड़ टन कोयला उपलब्ध कराएगी। यह कोयला विशेष रूप से स्पॉन्ज आयरन जैसे उच्च गुणवत्ता वाले उपभोक्ताओं के लिए होगा।

पॉलिमर नोटों पर प्रस्ताव शुरुआती चरण में, अभी कोई फैसला नहीं

एजेंसी ▶▶। मुंबई

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने शुक्रवार को कहा कि पॉलिमर से बने नोट लाने का प्रस्ताव केंद्रीय बैंक के समक्ष विचाराधीन है और फिलहाल यह विचार अभी प्रारंभिक चरण में है। मल्होत्रा ने द्विमासिक मौद्रिक नीति की घोषणा के बाद आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा कि पॉलिमर नोट लाने के संबंध में अभी कोई निर्णय नहीं लिया गया है और आरबीआई इसकी व्यवहार्यता का आकलन कर रहा है। उन्होंने कहा, पॉलिमर नोटों को लेकर प्रस्ताव विचाराधीन है। इस पर जैसे ही कोई निर्णय होता है, उसकी जानकारी दी जाएगी।

आरबीआई गवर्नर ने कहा, अभी इसके व्यवहार्यता का आकलन जारी है

फायदे और नुकसान का अध्ययन किया जा रहा

गवर्नर ने कहा कि इस संबंध में प्रकाशित खबरों में कुछ हद तक सच्चाई है, लेकिन अभी इस बारे में कोई अंतिम फैसला नहीं हुआ है। उन्होंने कहा, ।''केंद्रीय बैंक इसके फायदे और नुकसान का अध्ययन कर रहा है और यह देख रहा है कि इसे लागू करना कितना व्यावहारिक होगा।

नोट खास प्लास्टिक पॉलिमर से बनाए जाते हैं

गवर्नर ने बताया कि पॉलिमर नोटों के लाभ एवं चुनौतियों का मूल्यांकन किया जा रहा है और यह प्रक्रिया अभी शुरुआती स्तर पर है। पॉलिमर नोट ऐसे मुद्रा नोट होते हैं जो कागज की जगह खास प्लास्टिक 'पॉलिमर' से बनाए जाते हैं। ये सामान्य नोटों से ज्यादा मजबूत एवं टिकाऊ होते हैं, पानी से खराब नहीं होते और इनमें बेहतर सुरक्षा फीचर होने से नकली नोट बना पाना मुश्किल होता है।

वित्तीय प्रणाली में पर्याप्त नकदी

इस बीच, आरबीआई ने कहा कि वित्तीय प्रणाली में पर्याप्त मात्रा में नकदी उपलब्ध है और एटीएम में नकदी की किसी भी तरह की किल्लत को जल्द ही पूरा किया जाएगा। गवर्नर ने कहा कि केंद्रीय बैंक के पास एटीएम एवं बैंक शाखाओं में नकदी उपलब्ध कराने के लिए पर्याप्त भंडार है और जरूरत पड़ने पर तेजी से आपूर्ति की जाएगी।

10 रुपए के पॉलिमर नोट पहले जारी होने वाले थे

इससे पहले फरवरी 2014 में सरकार ने संसद को बताया था कि 10 रुपये मूल्यवर्ग के एक अरब पॉलिमर नोटों को देश के पांच शहरों में परीक्षण के तौर पर जारी किया जाएगा। इस परीक्षण के लिए कोच्चि, मैसूर, जयपुर, शिमला और भुवनेश्वर का चयन किया गया था। हालांकि तकनीकी एवं परिचालन संबंधी समस्याओं के कारण इस पहल को बाद में रोक दिया गया था।

आयकर अधिनियम में संशोधन करने के लिए अध्यादेश किया जारी

विदेशी निवेशकों के लिए सरकारी बांड से होने वाली कमाई होगी टैक्स -फ्री

एजेंसी ▶▶। नई दिल्ली

सरकार ने रुपये पर दबाव को कम करने और विदेशी पूंजी आकर्षित करने के उद्देश्य से सरकारी प्रतिभूतियों (जी-सेक) में विदेशी निवेशकों को ब्याज आय और पूंजीगत लाभ पर आयकर से छूट दे दी है। सरकार की पांच जून की राजपत्र अधिसूचना के अनुसार, आयकर अधिनियम में संशोधन करने के लिए अध्यादेश जारी किया है।

सरकार रुपए पर दबाव कम करने व विदेशी पूंजी आकर्षित करना चाह रही

इसके तहत एक अप्रैल से सरकारी प्रतिभूतियों की बिक्री, विनिमय या हस्तांतरण से होने वाली ब्याज आय एवं पूंजीगत लाभ पर कर छूट प्रदान की गई है। वित्त मंत्रालय ने बयान में कहा कि यह छूट एक अप्रैल से प्रभावी होगी। इसका मतलब है कि यह छूट सरकारी प्रतिभूतियों में निवेश के संबंध में एक अप्रैल को या उसके बाद एफपीआई (विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों) को प्राप्त होने वाले किसी भी ब्याज या पूंजीगत लाभ पर लागू होगी।

विदेशी निवेशकों को ब्याज आय व पूंजीगत लाभ पर आयकर छूट दी

छूट विदेशी संस्थागत निवेशक व बीआईएस पर लागू होगी

यह छूट विदेशी संस्थागत निवेशकों और बैंक फॉर इंटरनेशनल सेटलमेंट्स (बीआईएस) पर लागू होगी। बशर्ते वे निर्धारित सूचना-खुलासा आवश्यकताओं का पालन करें। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा हस्ताक्षरित इस अध्यादेश में बीआईएस को 1930 में स्थापित एवं स्विट्जरलैंड के बासेल स्थित एक अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्था के रूप में परिभाषित किया गया है।

12 माह से अधिक रखे गए बांड पर 12.5 प्रतिशत एलटीसीजी देना होगा

विदेशी निवेशकों को वर्तमान में 12 महीने से अधिक समय तक रखे गए सूचीबद्ध शेयर और बॉन्ड पर 12.5 प्रतिशत दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ कर (एलटीसीजी) देना होता है। इसके अलावा, सरकारी बॉन्ड से अर्जित ब्याज पर 20 प्रतिशत का 'विदहोल्डिंग टैक्स' (स्रोत पर कर कटौती) भी देना पड़ता है।

विदेशी पूंजी प्रवाह को आकर्षित करने कई उपाय

भारत को एक प्रमुख वैश्विक निवेश गंतव्य के रूप में मजबूत करने और पूंजी बाजार को गहरा करने की सरकार की प्रतिबद्धता के अनुरूप, वित्त मंत्रालय ने भारत के बाहर रहने वाले लोगों और एफपीआई के लिए निवेश में आसानी बढ़ाने एवं स्थिर दीर्घकालिक विदेशी पूंजी प्रवाह को

सॉवरेन ग्रीन बांड शामिल किया गया

इसमें कहा गया कि सरकारी प्रतिभूतियों में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों की भागीदारी बढ़ाने के उद्देश्य से सरकार ने पूर्ण पहुंच मार्ग (एफएआर) के तहत निर्दिष्ट प्रतिभूतियों की सूची का विस्तार करने का निर्णय लिया है। इसमें 15 वर्ष, 30 वर्ष और 40 वर्ष की अवधि वाली नई सरकारी प्रतिभूतियों के साथ-साथ सॉवरेन ग्रीन बॉन्ड को भी शामिल किया जाएगा।

बांड होंगे अधिक आकर्षकः विशेषज्ञ

सरकार के विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) के लिए सरकारी प्रतिभूतियों (जी-सेक) पर दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ कर में छूट देने के कदम से भारत सरकार के बांड अधिक आकर्षक और प्रतिस्पर्धी बनेंगे। सरकार ने विदेशी निवेशकों को डॉलर प्रवाह आकर्षित करने के उद्देश्य से एक अध्यादेश के माध्यम से यह कर छूट लागू की है।

वाणिज्य मंत्री गोयल ने जताई संभावना

भारत-अमेरिका व्यापार समझौते का पहला चरण जुलाई मध्य संभव

एजेंसी ▶▶। विशाखापत्तनम

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शुक्रवार को कहा कि भारत एवं अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौते से जुड़े सभी अधूरे मुद्दों को सुलझाने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं और अगले महीने के मध्य तक इस समझौते का पहला चरण लागू हो जाने की संभावना है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि इस समझौते को अंतिम रूप देने के लिए अमेरिकी दल दो से चार जून तक नयी दिल्ली में था और उन्होंने भारतीय दल के साथ संबंधित मुद्दों पर चर्चा की। गोयल ने कहा, ''मेरी भी उनसे मुलाकात हुई थी और हम सभी अधूरे मुद्दों को सुलझाने की दिशा में तेज़ी से आगे बढ़ रहे हैं। मुझे लगता है कि अगले महीने के मध्य तक हम समझौते के पहले चरण को बहुत अच्छे तरीके से लागू करने की स्थिति में होंगे।'' गोयल ने यहां कहा, ''यह हमारे द्विपक्षीय व्यापार समझौते का सिर्फ पहला चरण है, जिससे हमारे प्रतिस्पर्धियों की तुलना में भारत को तरजीही पहुंच मिलेगी।'' वाणिज्य मंत्री ने कहा कि इस महीने के आखिर में एक उच्च-स्तरीय दल के भारत आने की उम्मीद है। संभावना है कि इस दल का नेतृत्व अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जैमीसन ग्रीर कर सकते हैं। वाणिज्य मंत्रालय ने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी में इस सप्ताह हुई वार्ता के दौरान दोनों देशों के व्यापार दलों ने वस्तु व्यापार, गैर-शुल्क उपायों, सीमा शुल्क और कारोबार सुगमता, आर्थिक सुरक्षा समन्वय तथा पारस्परिक हित के अन्य मुद्दों पर रचनात्मक एवं सकारात्मक चर्चा की।

अमेरिकी पक्ष का नेतृत्व लिंच ने किया

अमेरिकी पक्ष का नेतृत्व उसके मुख्य वार्ताकार ब्रेंडन लिंच ने किया जबकि भारतीय पक्ष की अगुवाई वाणिज्य विभाग में अतिरिक्त सचिव वार्ताकार दर्पण जैन ने की। यह वार्ता ऐसे समय में हुई है जब दोनों देश पहले चरण के द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) की रूपरेखा को अंतिम रूप दे चुके हैं और अब अंतरिम व्यापार समझौते एवं व्यापक बीटीए की दिशा में काम कर रहे हैं।

ओयो की मूल कंपनी प्रिज्म लाएगी निर्गम

ओयो सहित पांच कंपनियों को सेबी से आईपीओ की मंजूरी

एजेंसी ▶▶। नई दिल्ली

ओयो की मूल कंपनी प्रिज्म, वारबर्ग पिंकस समर्थित टूहोम फाइनेंस और रियल एस्टेट डेवलपर वीगलैंड डेवलपर्स सहित पांच कंपनियों को बाजार नियामक सेबी से अपना आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने की मंजूरी मिल गई है।

पूंजी बाजार नियामक सेबी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) से मंजूरी प्राप्त करने वाली अन्य कंपनियां कृषि समाधान फर्म एडवांटा एंटरप्राइजेज और मेहता हाईटेक इंडस्ट्रीज हैं। सेबी के अनुसार, नियामक ने एक से पांच जून के बीच इन कंपनियों के आईपीओ के मसौदा पत्रों पर अपनी टिप्पणियां जारी कीं। कंपनियों को अपने सार्वजनिक निर्गम की प्रक्रिया आगे बढ़ाने के लिए सेबी की टिप्पणियां आवश्यक हैं। नियामक को जनवरी और मार्च के बीच सभी पांच कंपनियों के आईपीओ दस्तावेज प्राप्त हुए थे। मर्चेंट बैंकर के अनुसार, अनुमान है कि ये पांचों कंपनियां सामूहिक रूप से लगभग 10,000 करोड़ रुपये जुटाएंगी। वैश्विक यात्रा प्रौद्योगिकी यूनिकॉर्न - ओयो की मूल कंपनी प्रिज्म अपने आईपीओ के जरिये 6,650 करोड़ रुपये जुटाने की योजना बना रही है। घटनाक्रम से परिचित लोगों के अनुसार, प्रस्तावित आईपीओ से कंपनी का मूल्यांकन लगभग सात से आठ अरब अमेरिकी डॉलर होने की उम्मीद है।

वीगलैंड डेवलपर्स 250 करोड़ रुपए जुटाएगी

टूहोम फाइनेंस के प्रस्तावित आईपीओ में प्रवर्तक मैंगो क्रेस्ट इन्वेस्टमेंट लिमिटेड द्वारा 1,500 करोड़ रुपये के शेयरों का नया निर्गम और 1,500 करोड़ रुपये की बिक्री पेशकश (ओएफएस) शामिल है। वी-गार्ड ग्रुप की कंपनी वीगलैंड डेवलपर्स, शेयरों के बिल्कुल नए निर्गम के माध्यम से 250 करोड़ रुपये जुटाने की योजना बना रही है।

मारुति हरित ऊर्जा पर 925 करोड़ करेगी निवेश

नई दिल्ली। कार बनाने वाली देश की सबसे बड़ी कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड (एमएसआई) वित्त वर्ष 2030-31 तक हरित ऊर्जा से जुड़ी पहल में 925 करोड़ रुपये का निवेश करने की योजना बना रही है, जिसमें दो बायोगैस परियोजनाएं भी शामिल हैं। कंपनी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। मारुति सुजुकी इंडिया ने बयान में कहा कि कंपनी अपनी खरखौदा इकाई में 10 टन प्रति दिन (टीपीडी) क्षमता वाला बायोगैस संयंत्र लगाएगी, जिसे वित्त वर्ष 2026-27 में चालू किया जाएगा। बयान के अनुसार, दूसरी पहल के तौर पर कंपनी ने मानेसर स्थित अपनी इकाई में बायोगैस संयंत्र की क्षमता को 0.2 टीपीडी से बढ़ाकर 0.7 टीपीडी कर दिया है।

मौद्रिक नीति समीक्षा के बाद शेयर बाजार में रही गिरावट

एजेंसी ▶▶। मुंबई

मौद्रिक नीति घोषणाओं के बीच शेयर बाजारों में शुक्रवार को मुनाफावसूली होने से गिरावट आई और मानक सूचकांक बीएसई सेंसेक्स 117 अंक टूट गया जबकि एनएसई निफ्टी 49.85 अंक नुकसान में रहा।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की तरफ से आर्थिक वृद्धि का अनुमान घटाने और महंगाई का अनुमान बढ़ाने के बीच मुनाफावसूली होने से बाजार नुकसान में रहा। साथ ही विदेशी पूंजी की निकासी और एशिया के अन्य बाजारों में कमजोर रुख से बाजार पर प्रतिकूल असर पड़ा।

बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक सेंसेक्स 116.67 अंक टूटकर 74,243.34 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान यह ऊंचे में 74,717.57 और नीचे में 73,988.75 अंक तक गया। इस तरह सेंसेक्स में कुल 728.82 अंकों का उतार-चढ़ाव देखा गया।

सेंसेक्स 117 और निफ्टी 50 अंक रहा नुकसान में

इन शेयरों में रही लाभ-हानि

सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में से ट्रेंट, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), टाटा स्टील, एनटीपीसी, एचसीएल टेक और भारती एयरटेल प्रमुख रूप से नुकसान में रहीं। दूसरी तरफ, लाभ में रहने वाले शेयरों में हिंदुस्तान यूनिलीवर, एक्सिस बैंक, अदाणी पोर्ट्स और बजाज फाइनेंस शामिल हैं।

वहीं निफ्टी 49.85 अंक यानी 0.21 प्रतिशत की गिरावट के साथ 23,366.70 पर बंद हुआ। आरबीआई ने शुक्रवार को उम्मीद के अनुरूप प्रमुख नीतिगत दर रेपो को 5.25 प्रतिशत पर अपरिवर्तित रखा। इसके साथ पश्चिम एशिया संघर्ष, ऊर्जा की ऊंची कीमतों और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में समस्या के कारण वृद्धि और मुद्रास्फीति के बढ़ते जोखिमों के बीच विदेशी पूंजी आकर्षित करने और रुपये को समर्थन देने के लिए कई उपायों की घोषणा की गई। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लि. के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, ''मौद्रिक नीति उम्मीद के अनुरूप रहने से घरेलू शेयर बाजार लगभग स्थिर बंद हुए। आरबीआई के उपायों से रुपये को मजबूत करने में मदद मिली।

नियामकीय उल्लंघन पर केनरा बैंक पर लगा जुर्माना

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को कहा कि उसने केनरा बैंक पर 'अपने ग्राहक को जानें' (केवाईसी) समेत कुछ नियमों का पालन नहीं करने पर 41.8 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। आरबीआई ने 31 मार्च, 2025 तक बैंक की वित्तीय स्थिति के आधार पर किए गए निगरानी मूल्यांकन (आईएसई 2025) में यह पाया कि केनरा बैंक ने तय समय-सीमा के भीतर कुछ ग्राहकों के केवाईसी रिकॉर्ड केंद्रीय केवाईसी रिकॉर्ड्स रजिस्ट्री (सीकेवाईसीआर) पर अपलोड नहीं किए थे। बैंक ने कुछ खातों को 'निष्क्रिय' के तौर पर भी वर्गीकृत किया, जबकि उन खातों में ग्राहक द्वारा किया गया आखिरी लेनदेन एक साल से भी कम समय पहले हुआ था।

कार्यालय नगर पालिका परिषद, अहिवारा, जिला दुर्ग (छ.ग.)

ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना

Main Portal: http://eproc.cgstate.gov.in
UADD Portal: http://eproc.cgstate.gov.in

क्रमांक / 205 / न.पा.प. / लो.क.वि. / 2026 — अहिवारा दिनांकः 05/06/26

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों/फर्मों से ऑनलाईन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्र.	कार्य का नाम	सिस्टम टेंडर क्र.	अनु. लागत लाख में	निविदा आनलाईन करने की प्रारंभिक/ अंतिम तिथी
1	Estimate of Tube Well Bore Work With Submersibal Pump Set At Ward No. 01 to 15 (08 nos) N.P.P. Ahiwara (President And Parshad Nidhi) (2nd Call)	192639	15.17 Lakh	Bid Start Date- 05.06.2026, 17.00 Bid Due Date- 20.06.2026, 17.00 Physical Documents Submission End Date- 24.06.2026, 16.00 Bid open Date- 25.06.2026, 11.00
2	Additional Work At Muktidham Ward No. 13 N.P.P. Ahiwara (2nd Call)	192638	46.47 Lakh	

विस्तृत जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब साईड http://eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड/देखी जा सकती है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद, अहिवारा

कार्यालय तहसीलदार एवं व्यवस्थापक राजगामी सम्पदा राजनांदगाँव

// निविदा सूचना //

क्रमांक / 217 /रा.स./2026 — राजनांदगांव, दिनांक 04.06.2026

श्रीमति सूर्यमुखी देवी राजगामी सम्पदा न्यास राजनांदगांव की 07 ग्राम में स्थित कृषि भूमि को दिनांक 10.06.2026 से 15.05.2027 तक की अवधि के लिए लायसेंस पर कृषि कार्य के लिये दिया जाना है। इस बाबत मोहरबंद निविदा दिनांक 11.06.2026 दिन गुरुवार को दोपहर 3.00 बजे तक अधोहस्ताक्षकर्ता के कार्यालय में आमंत्रित की जायेगी। निविदा उसी दिन अपरान्ह 3.30 बजे खोली जावेगी। निविदादाता चाहे तो उपस्थित रह सकते है।

क्र.	ग्राम का नाम	रकबा एकड़ में	निविदा के साथ डी.डी.	अमानत राशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य
1	2	3	4	5	6
1	खपरीकला	76.63	3,85,000.00	50,000.00	रूपये 500.00
2	घुपसाल	142.32	4,68,000.00	50,000.00	रूपये 500.00
3	ककरेल	114.41	2,45,000.00	49,000.00	रूपये 500.00
4	बरगांव-2	27.74	1,68,000.00	34,000.00	रूपये 500.00
5	छुरिया	63.79	1,31,000.00	26,000.00	रूपये 500.00
6	गोपालपुर	149.11	6,54,000.00	50,000.00	रूपये 500.00
7	चांदगढ़ी	5.70	9,100.00	1,800.00	रूपये 500.00

निविदा की शर्ते, कृषि भूमि के चक की विस्तृत जानकारी एवं अन्य जानकारी कार्यालय व्यवस्थापक राजगामी सम्पदा राजनांदगांव में कार्यालयीन समय में उपस्थित होकर प्राप्त कर सकते है।

तहसीलदार एवं व्यवस्थापक
राजगामी सम्पदा राजनांदगांव

CHHATTISGARH STATE POWER DISTRIBUTION COMPANY LTD
1st Floor, Old administrative building, Danganiya Raipur (C.G.)-492013
PHONE NO: 0771-2574731/2574905/2574909 ;FAX:0771-2574922/4900;ceonm.raipur@cspc.co.in

No. 02-01/ ED(O&M)/NIT/TR-17/881 — Raipur dtd.08-06-2026.

NOTICE INVITING TENDER

Sealed tenders are invited from the eligible bidders for following:-

Tender Specification No.	Work	Tender Amount (incl GST) Rs. In Cr.	Tender fee in Rs.	Last date of tender submission	Time & date of tender opening
02-01/ED (O&M)/TR-17 Rfx No 8100051974	For providing services for Business Transformation and Organizational Turnaround Strategy for CSPDCL through Project Management Unit (PMU) Support	3.76	10,000/-	3.00 pm 24.06.26	3.30 pm 24.06.26

The tender document can also be down-loaded from official website of the CSPDCL and required tender fee can be submitted through MICR, Demand Draft drawn in favour of "**Manager (CAU) CSPDCL, Raipur** along with bid. For details, visit our website: www.cspdcl.co.in/tenders/tender notices. For e-bidding CSPDCL Helpline no. 0771-2576672/ 73 (EITC, CSPDCL).

Executive Director (O&M)
CSPDCL::Raipur

SAVE ELECTRICITY

CHHATTISGARH STATE POWER TRANSMISSION CO. LTD.
(A Govt. of Chhattisgarh Undertaking) CIN – U40108CT2003SGC015820
O/o Executive Engineer (M.R.T.) Dn., Tifra. Bilaspur (C.G.) PIN- 495223, E-Mail- EEMRT.Bilaspur@cseb.gov.in
Phone- 07752- 427067 Telefax- 07752- 427067

No.11-51/Pur/T-02/168 — Bilaspur, Date 25-05-2026

NOTICE INVITING TENDER

Sealed tenders are invited from the vehicle owner/ Travel agency for providing vehicle SUV, Bolero and equivalent Jeep category for a period of 03 years on hire under EE (MRT) Dn. CSPTCL Bilaspur. Description are given below:-

Sl. No.	Tender No.	Name of item	Estimated Cost (Rs.)	Earnest Money (Rs.)
01.	No. 11-51/ Pur/T-02/168 Dtd. 25-05-2026	Hiring of Vehicle with driver for EE (MRT) Dn. CSPTCL, Bilaspur for a period of 03 years. SUV, Bolero and equivalent Jeep category.	₹ 24,72,271.00	₹ 25,000.00

Last Date & Time of Sale of Tender: -	15/06/2026	17:00 Hrs
Last Date & Time of Submission of Tender:-	16/06/2026	15:00 Hrs
Date & Time of Opening of Tender :-	16/06/2026	15:30 Hrs

Terms & conditions:- The tender document can be obtained from the **O/o the EE (MRT) Dn. CSPTCL, Bilaspur** on payment of Rs.2000.00 (non refundable) in the form of DD in favour of RAO, CSPTCL, Bilaspur (C.G.), payable at Bilaspur CG accompanied with firms application on its letter head. or can be downloaded from our website. For all other details of NIT and terms & conditions, please visit our website www.cspc.co.in (go through CSPTCL tender notice-Sub-station O&M Bilaspur).

Sd/-
Executive Engineer (MRT) Dn.
C.S.P.T.C.L, Bilaspur

SAVE ELECTRICITY

फिल्मी सीन जैसी तस्करी

ओडिशा से लगती सीमांत बस्तियों से आए तस्कर अब जंगल काटने में पुराने तरीकों को छोड़ चुके हैं पगडंडी छोड़ो, नदी पकड़ो। यही था उनका नया फॉर्मूला, वे चार-चार सागौन के लट्ठों को रस्सियों से जोड़ते, फिर उन्हें उदंती नदी की धारा में छोड़ देते। पानी का तेज बहाव उन्हें ले जाता सीधा ओडिशा के सिंदूर शील घाट तक, जहां तस्कर पहले से कमांडो स्टाइल में घात लगाए रहते यह कोई फिल्मी सीन नहीं, बल्कि असली जंगल की असली साजिश थी।

पुष्पा स्टाइल में सागौन तस्करी

वन विभाग ने अपराधियों के मनसूबे पर पानी फेरा

मैनपुर से हसन खान

उदंती सीतानदी टाइगर रिजर्व के उदंती अभ्यारण में लकड़ी तस्करी का एक नया और चौंकाने वाला तरीका सामने आया है। तस्कर अब 'पुष्पा'मूवी स्टाइल में कीमती सागौन की लकड़ी को उदंती नदी के बहाव के सहारे ओडिशा तक पहुंचा जा रहा था। बताया जा रहा है कि तस्कर नदी किनारे मौजूद उत्तर और दक्षिण उदंती के जंगल से काटे गए लट्ठों को बांधकर उनके ऊपर खड़े होकर बहते पानी से सीमा पार कर जाते हैं। यह नजारा किसी फिल्मी सीन से कम नहीं। स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि यह खेल लंबे समय से चल रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि तस्कर लगातार नए तरीके अपनाकर वन विभाग को चकमा देने लगे हैं। उदंती सीतानदी के जंगल घना है और यहां कीमती लकड़ियों की भरमार है। ठंड और बारिश के दिनों में सुबह-सुबह घाटियों में धुंध ऐसे उतरती है, जैसे कोई सफेद चादर फैला दी गई हो। दूर कहीं से कभी-कभी हल्की सी आरी चलने की आवाज आती है, जो धीरे-धीरे जंगल की सांस में गुम हो जाती है, लेकिन इस बार यहां सिर्फ पेड़ों की सरसराहट नहीं थी, यहां था 'पुष्पा'जैसी हिम्मत, चालाकी और बहादुरी की असली कहानी- उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व जंगल के भीतर एक ऐसा नेटवर्क सक्रिय था, जो सागौन तस्करी को नए ढंग से अंजाम दे रहा था। नदी के तेज बहाव में लकड़ी बहाकर और उनके लिए हर लठ्ठा करोड़ों का सपना था, लेकिन वन विभाग की टीम ने शातिर तस्करों के मनसूबों पर पानी फेर दिया।

तीन अरोपी फिर दबोचे गए

उदंती सीतानदी टाइगर रिजर्व के जंगल से कीमती लकड़ी सागौन की तस्करी लंबे समय से पुष्पा स्टाइल से करने वाले तीन आरोपी जो फरार थे। उसे गिरफ्तार कर कार्रवाई की गई है और 03 आरोपियों को ओडिशा राज्य से पकड़कर लाया गया। तीनों आरोपियों को टीम के द्वारा 07 अक्टूबर 2025 को घटना स्थल कक्ष क्रमांक 29 ले जाकर शिनाख्त कराया। इसके बाद आरोपियों का कथन दर्ज किया गया। सभी अपने बयान में उदंती सीतानदी टायगर रिजर्व के जंगल से सागौन वृक्षों की अवैध कटाई कर लठ्ठा बनाकर नदी के पानी के माध्यम से और मोटर साइकिल से तस्करी करने का वन अपराध कबूल किए हैं। इस प्रकरण के अलावा पूर्व में भी दक्षिण उदंती एवं उत्तर उदंती परिक्षेत्र के जंगलों से सागौन वृक्षो की अवैध कटाई करना तस्करी करना भी स्वीकार किए हैं। विवेचना अधिकारी मनोज कुमार ध्रुव सहायक परिक्षेत्र अधिकारी कोयबा के द्वारा वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम 1972 की धारा 27,29,31,50,51.52 एवं भारतीय वन अधिनियम 1927 की धारा 26 (1) क.ज.च के तहत आरोपी तोसूधर हंस पिता सेबा हंस (45), संतोष हंस पिता ईश्वर हंस (31), ओमकार हंस पिता बिनोद हंस (28), ग्राम सेन्दुरसील, पोस्ट नागलबोड़, थाना तहसील सीनापाली, जिला नुआपाड़ा (ओडिशा) को गिरफ्तार कर न्यायालय देवभोग के समक्ष प्रस्तुत किया गया है। पुष्पा गैंग के तीन आरोपी विधा, लक्ष्मी, शोभा, ग्राम घुचागुड़ा थाना सीनापाली (ओडिशा) फरार हैं। जिसकी पतासाजी की जा रही है।

उदंती नदी में लकड़ी के लट्ठों पर खड़े होकर सीमा पार कर रहे तस्कर

20 से ज्यादा चले ऑपरेशन

ओडिशा के सागौन तस्करों के खिलाफ 2 साल में 20 से ज्यादा ऑपरेशन चलाए गए, 80 धरे गए। उदंती सीतानदी टाइगर रिजर्व जंगल क्षेत्र से पुष्पा स्टाइल में हो रहे सागौन लकड़ी की तस्करी के मामले को फॉरेस्ट डिपार्टमेंट की टीम ने दबिश देकर ध्वस्त किया और तस्करों के मंसुबों पर पानी फेरा। साथ ही ओडिशा के तीन तस्करों की गिरफ्तारी भी हुई। पुष्पा स्टाइल में बारिश प्रारंभ होते ही कीमती वृक्षों को काटकर नदी में बहाकर ओडिशा तक पहुंचाने का खेल वर्षों से चल रहा था। गरियाबंद जिले के उदंती सीतानदी टाइगर रिजर्व के मुख्य उदंती नदी के तेज बहाव में ले जा रहे सागौन लठ्ठा को वन विभाग के जांबाज कर्मचारियों ने जान जोखिम डाल कर पकड़ा, उदंती सीतानदी टाइगर रिजर्व में मौजूद कीमती सागौन पेड़ की जमकर तस्करी हो रही थी। उदंती सीतानदी अभ्यारण के अफसर के लगातार दबाव के चलते तस्करी में लगाम लगाया, तो ओडिशा के तस्करों ने नया तरीका खोज निकाला। नवरंगपुर जिले से निकली उदंती नदी अभ्यारण्य के दक्षिण इलाके से होते ओडिशा के नुआपड़ा जिले में सिंदूर सील और सुनाबेड़ा इलाके की ओर निकलती है। इसी बहाव का फायदा ओडिशा के तस्कर उठा रहे थे। अभयारण्य के उपनिदेशक वरुण जैन को सूचना मिली थी कि दक्षिण उदंती में तस्कर सक्रिय है और नदी के बहाव से तस्करी कर रहे। इसके लिए अफसरों ने घेरा बंदी शुरू कर दी, वन विभाग टीम पर तस्करों की नजर पड़ी तो भाग खड़े हुए, लेकिन विभाग के कर्मियों ने नदी में छलांग लगाकर लट्ठे को जब्त कर लिया। तस्कर 4-4 लट्ठे को जोड़ नदी में डाल कर बहा रहे थे, जिसे सिंदूर शील घाट पर खींच लेते थे। इस आइडिया को वे अचूक मान रहे थे, लेकिन वन विभाग के अफसरों की ने तस्करों की योजना फेल कर दी।

जन्माष्टमी उत्सव से लौटने के बाद दामाद और सास के बीच किसी बात को लेकर अनबन हो गया। मामला बढ़ा और दामाद ने अपनी सास को थप्पड़ जड़ दिया था। अपमान के इस वाकिये ने सास को आक्रोशित कर दिया। रात में जब सभी लोग सो गए, तब सास ने दामाद के सिर पर टंगिया से तब तक वार किया, जब तक कि उसकी मौत नहीं हो गई।

पाटन से भूषण देशलहरे

दरबार मोखली कांड

पारिवारिक झगड़े का खूनी अंजाम

गहरी नींद में सोए दामाद को टंगिया से काट डाला

2 साल पहले रानीतराई थाना क्षेत्र में एक हृदय विदारक घटना सामने आई थी। इस मामले में पारिवारिक झगड़े के चलते एक सास ने अपने ही दामाद को मौत के घाट उतार दिया था। आरोपी सास ने दामाद में टंगिया से ताबड़तोड़ वार किया। हत्या करने के बाद अपनी बेटी के साथ मिलकर शव को एक सूने मकान में छिपा दिया। शव से उठती दुर्गंध के बाद इस पूरे मामले का खुलासा हुआ। पूछताछ के बाद आरोपी मां-बेटी ने अपना गुनाह कबूल लिया। इस चर्चित मामले में आरोपी सास भारती वर्मा को न्यायालय से आजीवन कारावास की सजा भी हो चुकी है। वहीं मृतक टिकेश्वर देशमुख की पत्नी अनिता देशमुख को हत्या में सहयोगी मानते हुए 7 साल कैद की सजा सुनाई गई है। कोर्ट से सजा के बाद दोनों ही केंद्रीय जेल दुर्ग में अपने गुनाहों की सजा काट रहे हैं, लेकिन आज भी यह मामला गांव में चर्चा का विषय बना हुआ है। यह मामला पाटन के व्यवहार न्यायालय में पेश किया गया था, जहां दो महीने पहले ही अपर सत्र न्यायाधीश दुलार सिंह निर्मलकर ने दोनों को दोषी मानते हुए सजा सुनाई। कोर्ट ने अपने आदेश में यह भी लिखा कि अभियोजन ने सभी सबूतों और गवाहों के आधार पर अपराध संदेह से परे सिद्ध किया है। कोर्ट ने माना कि पत्नी अनिता देशमुख ने न केवल अपराध छिपाने में सहयोग किया, बल्कि घटना के बाद सबूत मिटाने का प्रयास भी किया, जो कानून की नजर में गंभीर अपराध है।

हत्या के समय मृतक की पत्नी भी थी मौजूद

पुलिस की जांच में यह पता चला कि भारती ने जब टिकेश्वर की हत्या की, उस समय उसकी बेटी और मृतक की पत्नी अनिता मौके पर मौजूद थी। उसने पति को बचाने के बजाय अपनी मां का साथ दिया। हत्या के बाद दोनों ने मिलकर शव को घर के पास एक खंडहरनुमा कमरे में छिपा दिया। अगले दिन दोनों ने घर में ताला लगाया और इलाज का बहाना बनाकर दुर्ग चले गए, जिससे किसी को शक न हो। भारती वर्मा ने अपने भाई को फोन कर बताया कि विवाद में वह घायल हो गई है और इलाज के लिए जा रही है। साथ ही उसने दामाद के घायल होने की भी बात कही और उसे देखने के लिए भेजा, जब वह गांव पहुंचा तो घर बंद मिला। कोटवार के साथ अंदर जाकर देखा तो शव बरामद हुआ। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने हत्या और सबूत मिटाने के आरोप में बीएनएस की धारा 103 और 238/3(5) के तहत मामला दर्ज कर दोनों को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया। मामले में भारती वर्मा (सास) को धारा 103 के तहत आजीवन कारावास और 1,000 रुपए का अर्थदंड और धारा 238(3)(5) के तहत 7 साल का सश्रम कारावास और 1,000 रुपए अर्थदंड की सजा सुनाई गई। वहीं अनिता को धारा 238(3)(5) के तहत 7 साल का सश्रम कारावास और 1,000 रुपए अर्थदंड की सजा सुनाई गई।

2024 में गांव के एक सूने मकान में मिली थी लाश

मामला 2024 का है, 29 अगस्त की सुबह खबर मिली कि ग्राम दरबार मोखली में एक बंद घर से तेज दुर्गंध आ रही है। तत्कालीन सरपंच ने पुलिस को इसकी जानकारी दी। मौके पर पहुंचे कोटवार और ग्रामीणों ने ताला तोड़कर अंदर जाकर देखा, जहां एक सड़ी-गली लाश मिली। शव की पहचान 30 वर्षीय टिकेश्वर देशमुख के रूप में हुई, जो उसी घर में अपनी पत्नी अनिता और सास भारती वर्मा के साथ रहता था। सूचना मिलते ही रानीतराई पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पहले तो पत्नी और सास ने पुलिस को गुमराह करने का प्रयास किया, इसके बाद दोनों टूट गए। उन्होंने बताया कि 26 अगस्त को जन्माष्टमी उत्सव से लौटने के बाद टिकेश्वर और उसकी सास भारती के बीच विवाद हुआ था। विवाद के दौरान टिकेश्वर ने अपनी सास को थप्पड़ जड़ दिया था, जिससे वह आक्रोशित थी। रात में जब सभी लोग सो गए, तब भारती वर्मा ने टंगिया से दामाद टिकेश्वर के सिर पर कई वार किए और टिकेश्वर को मौत के घाट उतार दिया।

जिस कार चालक पर कारोबारी भरोसा करता था, उसी ने अपने दो साथियों के साथ मिलकर हत्या की पूरी साजिश रची। मकसद था, सराफा दुकान की चाबी हासिल कर करोड़ों के जेवर पर हाथ साफ करना और भारी कर्ज से छुटकारा पाना।

कोरबा से नागेंद्र श्रीवास

कर्ज में डूबे चालक ने रची 'सेठ' की मौत की साजिश

सराफा कारोबारी हत्याकांड: दो सगे भाई समेत तीन गिरफ्तार

करीब छह दिन तक चली ताबड़तोड़ जांच, 370 से अधिक सीसीटीवी फुटेज की पड़ताल और 12 पुलिस टीमों की लगातार मेहनत के बाद पुलिस आरोपियों तक पहुंच सकी। मामले में दो सगे भाइयों समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया। 5 जनवरी 2025 को सीएसईबी चौकी क्षेत्र के लालूराम कॉलोनी स्थित घर में सराफा कारोबारी गोपाल राय सोनी की धारदार हथियार से हत्या कर दी गई। वारदात के बाद पूरे शहर में सनसनी फैल गई थी। पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी ने स्वयं जांच की कमान संभाली और अलग-अलग टीमें बनाकर आरोपियों की तलाश शुरू की। जांच के दौरान पुलिस को सीसीटीवी फुटेज से अहम सुराग मिले। इसके आधार पर मानिकपुर चौकी क्षेत्र के कुआंभट्ठा निवासी मोहन मिंज को हिरासत में लिया गया। पूछताछ में मिले इनपुट के बाद आकाश गिरी गोस्वामी को पकड़ा गया। दोनों से पूछताछ में खुलासा हुआ कि इस पूरी साजिश का मास्टरमाइंड आकाश का बड़ा भाई सूरज गिरी गोस्वामी था, जो पहले कारोबारी के यहां कार चालक रह चुका था।

पहले चोरी की योजना, फिर बन गया मर्डर प्लान

पुलिस के मुताबिक आरोपियों ने 25 दिसंबर 2024 को ही योजना बना ली थी। उनका मकसद पहले घर से अटैची और दुकान की चाबी चोरी करना था, ताकि बाद में एसएस प्लाजा स्थित अमृता ज्वेलर्स में बड़ी चोरी की जा सके। एक बार आरोपी घर तक पहुंचे भी थे, लेकिन भीड़भाड़ के कारण सफल नहीं हो पाए। इसके बाद दोबारा योजना बनाई गई। घटना वाले दिन आकाश गोस्वामी ने अपने भाई सूरज को सूचना दी कि कारोबारी घर में अकेले हैं। इसके बाद सूरज और मोहन घर के अंदर घुस गए।

पहचान खुलने का डर बना हत्या की वजह

बताया गया कि गोपाल राय सोनी ने जैसे ही सूरज गोस्वामी को पहचान लिया, आरोपियों को लगा कि अब उनका राज खुल जाएगा। इसके बाद दोनों ने कारोबारी पर ताबड़तोड़ हमला कर दिया। हत्या के बाद आरोपी अटैची और घर का डीवीआर लेकर भाग निकले। हालांकि बाद में अटैची में दुकान की चाबी नहीं मिलने पर उनके होश उड़ गए। पुलिस से बचने के लिए आरोपियों ने अटैची को दर्री बैराज में फेंक दिया।

12 टीमों ने सुलझाई गुत्थी

अंधे कत्ल की गुत्थी सुलझाने के लिए जिला पुलिस ने पूरी ताकत लगा दी थी। एसपी सिद्धार्थ तिवारी के नेतृत्व में 70 से अधिक पुलिस अधिकारी-कर्मचारियों की 12 टीमें बनाई गई थीं। अलग-अलग टीमों ने शहर और आउटर इलाके के 370 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। फुटेज के एनालिसिस और तकनीकी जांच के आधार पर पुलिस संदिग्धों तक पहुंच सकी।

मेडिकल और मृत्यु दावा बीमा की राशि नहीं मिलने से होती है मानसिक और शारीरिक पीड़ा, यह सेवा में कमी

एचडीएफसी बीमा कंपनी को करना होगा 9,60,749 रुपए का भुगतानए उपभोक्ता फोरम ने परिवादी के पक्ष में दिया फैसला, सिंधी कालोनी का मामला

बिलासपुर। जिला उपभोक्ता फोरम ने जीवन बीमा मृत्यु दावा के एक मामले में एचडीएफसी लाइफ संचय पार एडवांटेज कंपनी को 9,60,749 रुपए देने का आदेश जारी किया है। इसके साथ ही 45 दिन के अंदर शारीरिक एवं मानसिक कष्ट एवं पीड़ा के प्रतिकर के रूप में 10 हजार रुपए, वाद व्यय के रूप में 5 हजार रुपए का अलग से भुगतान करना होगा।

प्रकरण के मुताबिक यह परिवाद सिंधी कालोनी, बिलासपुर निवासी जितेन्द्र खुशलानी ने दायर की थी। इसके मुताबिक बीमा कंपनी एचडीएफसी ने उनकी मां श्रीमती आरती खुशलानी का चिकित्सा बीमा एवं जीवन बीमा मृत्यु दावा स्वीकार नहीं कर सेवा में कमी की है। याचिका में कहा गया कि एचडीएफसी लाइफ संचय पार एडवांटेज कंपनी से मई 2020 में पालिसी ली गई। पालिसी के अनुसार चिकित्सा बीमा हेतु 5 लाख 10 हजार और मृत्यु दावा जोखिम 5 लाख 27 हजार रुपए स्वीकार की गई थी। नियमित रुप से प्रीमियम का भुगतान भी किया जाता रहा है। परिवादी की माता का स्वास्थ्य खराब होने पर उन्हें बाल्को मेडिकल सेंटर रायपुर में दिसंबर 2021 को भर्ती कराया गया। यहां 20 हजार 110 रुपए का मेडिकल बिल बना। इसके श्रीमती आरती खुशलानी को जसलोक हास्पिटल एण्ड रिचर्स सेंटर मुम्बई में 8 दिसंबर 2021 को भर्ती किया गया। यहां का मेडिकल बिल 4 लाख 12 हजार 798 रुपए रहा। इलाज के दौरान परिवादी की माता का निधन 24 फरवरी 2022 को हो गया। जितेन्द्र खुशलानी ने इसके बाद कुल 9 लाख 60 हजार 749 रुपए का बीमा दावा पेश किया गया। एचडीएफसी कंपनी ने इसे लेकिन निरस्त कर दिया।

मेडिकल हिस्ट्री छिपाने का दावा खारिज

इसके बाद जिला उपभोक्ता फोरम में अपील की गई। बीमा कंपनी की ओर से कहा गया कि आरती खुशलानी द्वारा बीमारी छिपाने के साथ ही मेडिकल हिस्ट्री भी छिपाई गई। फोरम ने दोनों पक्षों की सुनवाई के बाद पाया कि बीमा कंपनी ने सेवा में कमी की है। फोरम ने आदेश दिया है कि 45 दिन में बीमा दावा चिकित्सा 4 लाख 32 हजार रुप और मृत्यु बीमा दावा मद में 5 लाख 27 हजार कुल 9 लाख 60 हजार 749 रुपए का भुगतान बीमा कंपनी को करना होगा। फोरम में आनंद कुमार सिंघल (अध्यक्ष), पूर्णिमा सिंह (सदस्य), आलोक कुमार पाण्डेय (सदस्य) ने फैसला दिया है।

राजधानी के 80 प्रतिशत से ज्यादा होटल और लॉज बारूद के ढेर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

दिल्ली के होटल में आगजनी की घटना ने रायपुर के गोल बाजार में नौ साल पूर्व तुलसी होटल में आगजनी की घटना की याद ताजा कर दी है। आगजनी की घटना में पांच कारोबारियों की मौत हो गई थी। दिल्ली के होटल की तरह तुलसी होटल में कई कारोबारियों ने छत से कूदकर अपनी जान बचाई थी। होटल में ठहरे ज्यादातर कारोबारियों की मौत दम घुटने से हुई थी। राजधानी के ज्यादातर होटल सुरक्षा आडिट कराने में लापरवाही बरत रहे हैं। ऐसे में किसी होटल, गेस्ट हाउस या लॉज में आगजनी की घटना होने पर बड़ी अनहोनी होने से इनकार नहीं किया जा सकता।

राजधानी में छोटे-बड़े होटल के अलावा लॉज, गेस्ट हाउस, रेस्टोरेंट तथा क्लब की संख्या दो हजार से ज्यादा है। फायर ब्रिगेड के अफसरों के अनुसार सौ के करीब होटल संचालकों ने फायर ऑडिट कराया है। उल्लेखनीय है कि फायर ऑडिट का ठेका वर्तमान में चार निजी कंपनियों को दे दिया गया है। पूर्व में सरकारी ऑडिट होने पर होटल, गेस्ट हाउस, लॉज, रेस्टोरेंट संचालकों ने फायर ऑडिट कराने ध्यान नहीं दिया। इस स्थिति में इन होटल, लॉज, गेस्ट हाउस, रेस्टोरेंट, पब संचालकों द्वारा निजी ठेका कंपनी से फॉयर सिक्यूरिटी ऑडिट कराने को लेकर संशय है।

सबसे ज्यादा खतरनाक स्टेशन रोड के होटल, लॉज

स्टेशन रोड के आसपास जितने लॉज, गेस्ट हाउस तथा ज्यादातर होटल हैं, वो सभी तंग गलियों में हैं। यहां आग लगने की स्थिति में फायर ब्रिगेड की गाड़ियां पहुंचना मुश्किल है। महज पांच से छह फीट गली के अंदर लॉज, गेस्ट हाउस के साथ होटल संचालित किए जा रहे हैं।

राजधानी में दो हजार से ज्यादा होटल गेस्ट हाउस, लॉज, रेस्टोरेंट के साथ क्लब

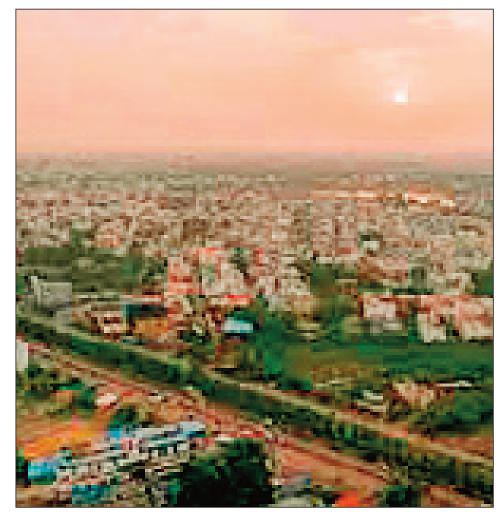

इन फायर सिक्यूरिटी फीचर्स का सख्ती से पालन करना है

फायर नार्म्स के तहत होटल, क्लब, रेस्टोरेंट, लॉज, गेस्ट हाउस संचालन करने वाले संचालकों को फायर नार्म्स के अनुसार एक्सटिंग्विशर फायर अलार्म सिस्टम, स्मोक डिटेक्टर, फायर हाइड्रेंट सिस्टम, स्प्रिंकल सिस्टम, फायर होज रील, इमरजेंसी एग्जिट, इमरजेंसी लाइटिंग, फायर कंट्रोल रूम, रेत की बाल्टी, पानी की बाल्टी, फायर ब्लैंकेट, इमरजेंसी इवैक्यूएशन डीजी सेट, इलेक्ट्रिकल पैनल व किचन में विशेष अग्नि सुरक्षा के उपाय होना चाहिए। इसके बाद ही ओके फायर ऑडिट रिपोर्ट मिलती है। 90 प्रतिशत से ज्यादा होटलों में फायर सिक्यूरिटी फीचर्स नहीं हैं।

बच्चों की पढ़ाई और पारिवारिक जिम्मेदारी, शिक्षक ने खुद की अपने केस की पैरवी

बिलासपुर। बच्चों की पढ़ाई और पारिवारिक जिम्मेदारियों के लिए एक व्याख्याता ने न सिर्फ हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया, बल्कि अपने मामले की पैरवी भी खुद की। हाईकोर्ट ने शिक्षक की परिस्थितियों को गंभीरता से लेते हुए स्कूल शिक्षा विभाग को उनके स्थानांतरण आवेदन पर 45 दिनों के भीतर निर्णय लेने का निर्देश दिया है।

- ट्रांसफर मामले में हाईकोर्ट ने 45 दिन में फैसला लेना कहा

याचिका के मुताबिक मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी जिले के हाई स्कूल मरकेली में पदस्थ व्याख्याता गया राम दुबे ने किसी अधिवक्ता की सहायता लेने के बजाय स्वयं न्यायालय में उपस्थित होकर अपना पक्ष रखा। उन्होंने न्यायमूर्ति नरेश कुमार चंद्रवंशी की एकलपीठ को बताया कि उनके बच्चे भिलाई में रहकर पढ़ाई कर रहे हैं और परिवार में उनकी देखरेख करने वाला कोई अन्य सदस्य नहीं है। वर्तमान पदस्थापना स्थल और भिलाई के बीच लगभग 150 किलोमीटर की दूरी होने से उन्हें लगातार कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

दो महीना बीता, आवेदन पर नहीं हुई सुनवाई

याचिकाकर्ता ने कोर्ट को बताया कि जून 2025 में उनका तबादला बालोद जिले के कुमुदकट्टा से मरकेली किया गया था। करीब एक वर्ष तक सेवा देने के बाद उन्होंने एक अप्रैल 2026 को दुर्ग संभाग के संयुक्त संचालक, स्कूल शिक्षा के समक्ष बालोद या दुर्ग जिले में स्थानांतरण के लिए आवेदन दिया, लेकिन विभाग ने उस पर कोई निर्णय नहीं लिया। सुनवाई के दौरान राज्य शासन ने भी आवेदन पर निर्णय लेने के अनुरोध का विरोध नहीं किया। इस पर हाईकोर्ट ने कहा कि जब याचिकाकर्ता का अभ्यावेदन विभाग के समक्ष लंबित है, तब उसे अनिश्चितकाल तक लंबित नहीं रखा जा सकता। अदालत ने संयुक्त संचालक को 45 दिनों के भीतर कानून के अनुरूप निर्णय लेने का निर्देश देते हुए याचिका का निपटारा कर दिया।

'चूहे खा गए 23 लाख का धान, कीटों का था प्रकोप, हाईकोर्ट ने कहा- जांच जारी रहेगी

बिलासपुर। सहकारी समितियों में धान खरीदी के दौरान लाखों रुपए की धान की कमी के मामले में समिति प्रबंधकों की अजीबोगरीब दलीलों को हाईकोर्ट ने फिलहाल राहत नहीं दी है। दुर्ग जिले के कुम्हाली स्थित सेवा सहकारी समिति में 23 लाख रुपए से अधिक की धान और बारदानों की कमी के मामले में प्रबंधक द्वारा दायर याचिका को हाईकोर्ट की खंडपीठ ने खारिज कर दिया है। याचिकाकर्ता का तर्क था कि धान 'चूहे खा गए', उसमें 'कीटों का प्रकोप' था और 'अत्यधिक सूखापन' के कारण वजन घट गया, लेकिन कोर्ट ने इसे जांच का विषय मानते हुए हस्तक्षेप करने से साफ इनकार कर दिया। प्रकरण के मुताबिक खाद्य और सहकारिता विभाग द्वारा 23 अप्रैल 2026 को किए गए भौतिक सत्यापन में दुर्ग की कुम्हाली समिति में 690.70 क्विंटल धान और 3,057 बारदानों की भारी कमी पाई गई थी। इसका बाजार मूल्य लगभग 23.54 लाख रुपए है। इस मामले में समिति प्रबंधक अतुल कुमार वर्मा के खिलाफ धारा 316(5) बीएनएस के तहत एफआईआर दर्ज की गई थी। इसके खिलाफ उसने हाईकोर्ट में अपील की। बचाव में तर्क दिया कि धान की कमी के पीछे कोई आपराधिक मंशा नहीं है, बल्कि यह प्राकृतिक और अपरिहार्य कारणों का परिणाम है।

- हाईकोर्ट ने सेवा सहकारी समिति प्रबंधक की याचिका की खारिज

आपराधिक जांच को नहीं रोका जा सकता

मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा और जस्टिस बिभू दत्ता गुरु की खंडपीठ ने स्पष्ट किया कि प्रथम दृष्टया यह मामला संज्ञेय अपराध की श्रेणी में आता है। कोर्ट ने कहा कि, यह जांच का विषय है कि क्या कमी वास्तव में प्राकृतिक कारणों से हुई या यह लापरवाही और गबन का मामला है। कोर्ट ने यह भी जोड़ा कि केवल अनुबंधीय विवाद का हवाला देकर आपराधिक जांच को शुरुआती दौर में ही नहीं रोका जा सकता। साथ ही हाईकोर्ट ने एफआईआर निरस्त करने से इनकार कर दिया है, लेकिन याचिकाकर्ता के लिए जमानत के दरवाजे खुले रखे हैं। अदालत ने कहा कि याचिकाकर्ता अपनी सुरक्षा के लिए अग्रिम जमानत के लिए आवेदन करने हेतु स्वतंत्र है।

जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के अध्यक्ष का जताया आभार

रायपुर। जिला सहकारी केंद्रीय बैंक प्रबंधन और कर्मचारी यूनियन द्वारा बैंक के अध्यक्ष निरंजन सिन्हा को उनके प्रयासों के लिए आभार जताया गया है। इस मौके पर बैंक कर्मचारियों ने बताया कि जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित रायपुर की विभिन्न शाखाओं में कार्यालय भवन निर्माण के लिए स्वीकृति काफी लंबी अवधि से विचाराधीन था। बैंक के अध्यक्ष निरंजन सिन्हा द्वारा पंजीयक कार्यालय से लगातार संपर्क कर शाखा दरबा 60.70 लाख रुपए, शाखा नारी 52.25 लाख, शाखा झलप 60 लाख एवं शाखा कोर्स 50 लाख, शाखा कार्यालय निर्माण के लिए राशि की स्वीकृति प्राप्त की गई है। साथ ही उनके प्रयासों में शाखा धमतरी में शाखा भवन के उन्नयन एवं जिला नोडल कार्यालय निर्माण के लिए 38.82 लाख एवं की स्वीकृति प्राप्त हुई है। बैंक की शाखा झलप के लिए दानदाता बलविंदर सिंह सलूजा, गोल्डी सलूजा एवं सुभाष कुमार पटेल द्वारा राष्ट्रीय राजमार्ग पर बैंक को शाखा कार्यालय भवन निर्माण के लिए 2604 वर्गफीट जमीन दान दी गई है। शाखा भवन की स्वीकृति प्राप्त होने पर दानदाताओं के भावनाओं का सम्मान हुआ है।

पीएससी और डीएलएड की परीक्षा एक ही दिन टाइम टेबल बदलने से हाईकोर्ट का इनकार

बिलासपुर। हाईकोर्ट ने प्रदेश में दो महत्वपूर्ण परीक्षाओं की तिथियां एक ही दिन टकराने के मामले में परीक्षा समय-सारणी को बदलने से इनकार कर दिया है। कोर्ट ने कहा है कि डिप्लोमा इन एलीमेंट्री एजुकेशन डीएलएड की परीक्षा वर्ष में दो बार आयोजित की जाती है, इसलिए परीक्षार्थियों के पास आगामी परीक्षा में शामिल होने का विकल्प सुरक्षित है। ऐसे में पूरी परीक्षा प्रणाली के कार्यक्रम में हस्तक्षेप करना उचित नहीं होगा। दरअसल कवर्धा निवासी कु.अंजनी यादव और बिलासपुर निवासी महेंद्र कुमार पटेल ने रिट याचिका दायर कर बताया था कि 8 जून को सीजीपीएससी मेंस और डीएलएड दोनों की परीक्षा एकसाथ आयोजित की जा रही हैं। याचिका में कहा गया कि याचिकर्ता दोनों परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं और दोनों में ही परीक्षाओं में शामिल होने में दिक्कतें आएंगी। एक ही तिथि और एक ही समय में परीक्षाओं के आयोजन के चलते एक परीक्षा को छोड़ना पड़ेगा। याचिकाकर्ताओं ने माध्यमिक शिक्षा मंडल को 8 जून को होने वाली डीएलएड की परीक्षा को किसी अन्य तिथि पर पुनर्निर्धारित करने का आदेश देने की मांग हाईकोर्ट से की थी।

परीक्षार्थियों के पास आगामी परीक्षा में शामिल होने का विकल्प सुरक्षित

समय-सारणी को बदलना व्यावहारिक नहीं

माध्यमिक शिक्षा मंडल की ओर से पैरवी करते हुए अधिवक्ता ने कहा कि मंडल की ओर डीएलएड परीक्षा का अयोजन वर्ष में दो बार किया जाता है। यदि याचिकाकर्ता पीएससी मुख्य परीक्षा के कारण 8 जून को इस परीक्षा में शामिल नहीं हो पाते हैं, तो वे इसी वर्ष नवंबर 2026 में आयोजित होने वाली आगामी डीएलएड परीक्षा में बैठ सकते हैं। माशिमं के अधिवक्ता ने कोर्ट को बताया कि इसके पहले भी जब ऐसी परिस्थिति बनी थी तब सीजीपीएससी ने अपनी परीक्षाओं की तिथियों में बदलाव किया था। चूंकि छात्रों के पास नवंबर में दूसरा अवसर उपलब्ध है, इसलिए पूरी समय-सारणी को बदलना व्यावहारिक नहीं होगा। इस पर हाईकोर्ट ने याचिका को खारिज कर दिया है।

अवैध परिवहन में संलिप्त 4 हाईवा जब्त

रायपुर। जिले में अवैध खनिज उत्खन और परिवहन पर अंकुश लगाने के लिए लगातार कार्रवाई की जा रही है। कलेक्टर गौरव सिंह के निर्देश पर राजस्व विभाग एवं खनिज विभाग की संयुक्त टीम ने शुक्रवार को आरंग विकासखंड के मंदिर हसौद क्षेत्र में औचक जांच अभियान चलाते हुए 4 हाईवा वाहन को पकड़ा। इसमें 3 वाहन में रेत और 1 में मुरुम भरा हुआ था। अनुविभागीय अधिकारी राजस्व अभिलाषा पैकरा के नेतृत्व में राजस्व विभाग एवं खनिज विभाग की टीम ने यह कार्रवाई की। सभी वाहन को जब्ती बनाकर मंदिर हसौद थाना के सुपुर्द किया है।

जलवायु संकट से बढ़ा खतरा, मानव से लेकर वन-वन्यजीव तक हो रहे प्रभावित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

हीट वेव का असर अर्बन क्षेत्र के अलावा वन क्षेत्र में भी देखने को मिल रहा है। जंगल में तापमान बढ़ने से जंगल में प्राकृतिक जल स्त्रोत पूरी तरह से सूख गए। देश में जलवायु परिवर्तन पर संयुक्त राष्ट्र के अंतर सरकारी पैनल (आईपीसीसी) का कहना है कि आने वाले वर्षों में भारत में हीटवेव अधिक बार और अधिक तीव्रता के साथ घटित होगी।

वर्ल्ड वेदर एट्रिब्यूशन ग्रुप द्वारा 2022 के एक अध्ययन के अनुसार, जलवायु संकट ने भारत में हीटवेव की संभावना 30 गुना अधिक कर दी है, और गंभीर प्रभाव जारी रहने की संभावना है। वर्ल्ड मेट्रोलॉजिकल ऑर्गेनाइजेशन ने चालू कैलेंडर वर्ष में अल नीनो की प्रबल संभावना व्यक्त की है, अगर अल नीनो प्रभावी हो जाता है, तो भारत जैसे देश में अकाल के साथ अतिवर्षा की व्यापक संभावनाएं रहेंगी। जहां भी लोग वन्य प्राणियों के करीब रहते हैं, संघर्ष अनिवार्य रूप से होगा। जब भी पर्यावरण की स्थिति बदलती है, जनसंख्या का विस्तार होता है या संसाधन सीमित हो जाते हैं, तब प्राकृतिक संतुलन बिगड़ जाता है, ऐसे में वन्य प्राणियों से मानव का संघर्ष बढ़ेगा।

हीट वेव के कारण चमगादड़ों की मौत

हीट वेव के चलते पक्षियों के साथ अन्य वन्यजीवों की मौत की घटना आम है, लेकिन इस वर्ष मई महीने में हीट वेव के चलते कांकेर, बालोद तथा कोरबा में एक हजार से ज्यादा चमगादड़ों की मौत हो गई। इसके अलावा मरवाही में एक भालू की मौत हो गई। चमगादड़ आम, महुआ के परागन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। चमगादड़ के परागन से महुआ तथा आम के फसल होता है। चमगादड़ की विलुप्ति से महुआ तथा आम की फसल बुरी तरह से प्रभावित होगी।

जंगल में आगजनी की घटनाएं बढ़ती जा रही

जंगल से बढ़ते आत्म निर्भरता के चलते लोग अपनी जरूरत पूरी करने जंगल में लगातार आगजनी की घटना को अंजाम दे रहे हैं। इसके साथ ही सभी वर्ग के लोग जंगल की बड़े पैमाने पर कटाई कर रहे हैं। इसके चलते वनक्षेत्र लगातार घट रहे हैं। इसके चलते जलवायु संकट पैदा हो रहा है और पर्यावरण बुरी तरह से प्रभावित हो रहा है।

दोषियों के विरुद्ध निष्पक्ष और कठोर कार्रवाई करने की मांग

रायपुर। संयुक्त मसीह समाज छत्तीसगढ़ के पदाधिकारियों ने मांग है कि संविधान के अनुसार प्रत्येक नागरिक को सुरक्षा, सम्मान, न्याय और अपने धर्म का पालन करने का अधिकार सुनिश्चित किया जाए तथा दोषियों के विरुद्ध निष्पक्ष और कठोर कार्रवाई की जाए। सरकार इस समाज की पीड़ा को समझेगी, भेदभाव नहीं करेगी और न्याय दिलाने के लिए ठोस कदम उठाएगी। इस मौके पर समाज के प्रदेशाध्यक्ष प्रभारकर सोनी ने बताया कि लगातार आंदोलन, ज्ञापन, मीडिया के माध्यम से सूचना देने और शासन-प्रशासन का ध्यान आकर्षित करने के बाद भी आज स्थिति अत्यंत चिंताजनक बनी हुई है। मसीही समाज के लोगों को उनके ही घरों से निकाला जा रहा है, पानी पीने नहीं दिया जा रहा है, खेतों में काम करने से रोका जा रहा है, घरों और प्रार्थना स्थलों को तोड़ा जा रहा है।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

भंडार विभाग

ई-टेंडर नोटिस न. एन.आई.टी./14/26/21, तिथिः-26-मई-2026

Sr. No.	Tender No.	Description	Tender Closing /Opening Date & Time	Qty.
1	02261904	आईओएच किट फॉर एएम 12/आईआर 01/ पैन 01 पॅन्टोग्राफ्स.	15.06.2026 At 10:30 hrs	210 नग
2	06260109A	मैनुफॅक्चर एंड सप्लाई ऑफ नायलॉन कोर्ड रेनिफोर्सड जीआरएसपी फॉर लीड पोर्सन ऑफ 1 इन 8.5 ओ.आर. टर्नआउट फॉर 52 के.जी. एण्ड 60 ई1	10.06.2026 At 10:30 hrs	1090 सेट
3	03262057B	बोल्सटर लाईनर फॉर कसनब 22 बोगी टू आरडीएसओ डीआरजी. नं. डब्ल्यूडी-89067-एस-4, आएटम नंबर.2 .	09.06.2026 At 10:30 hrs	123880 नग
4	03263163	कॉन्स्टेंट कॉन्टेक्ट साईड बेयरर फॉर फेट बोगी (आरडीएसओ डिजाईन) टू स्पेसि. डब्ल्यूडी-62-मिस-17, रेव-1 ऑफ जुलाई 2025 वेरियंट-बी	16.06.2026 At 10:30 hrs	5000 सेट
5	07262434	मैनुएल मेटल आर्क वेल्डिंग क्लास एम2, टाईप ऑफ कोटिंगः हेवी, स्पेसि.नं. आईआरएसः एम-28/ 2020, कोड एज पर आईएसः 5206-2003:ई 19.9 एलआर 26: साईजः 4 एमएम X 350 एमएम.	15.06.2026 At 10:30 hrs	803102 मीटर
6	03262320	लोक फॉर सीबीसी फॉर बॉक्सएनएचएल वैगन टू आरडीएसओ ड्रॉईंग.	09.06.2026 At 10:30 hrs	21060 नग
7	03262007A	सेंटर पिवोट वाशर टू आरडीएसओ डीआरजी.नं. डब्ल्यूडी-85079-एस-2,आएटम नं.4, एल्ट.-27	19.06.2026 At 10:30 hrs	64675 नग
8	07261576	जेंटियन ब्लू (आरएएल-5010) पी.यू बेस पेन्ट एज पर आरडीएसओ स्पेशिफिकेसन नं. एम एंड सी/पीसीएन / 109/2020 विथ आरडीएसओ एमेंडमेंट नं. 1 बी	22.06.2026 At 10:30 hrs	71866 लीटर
9	04261196	अनील्ड स्ट्रैंडेड कॉपर कंडक्टर	16.06.2026 At 10:30 hrs	14700 के.जी.
10	06265087	रनिंग कॉन्ट्रेक्ट फॉर मैनुफॅक्चर एंड सप्लाई ऑफ पीएससी स्लीपर फॉर 1 इन 12 एंड 1 इन 8.5 टर्नआउट.	16.06.2026 At 10:30 hrs	1339 सेट
11	02265008	सेट ऑफ फिल्टर एसेंबली फॉर डब्ल्यूएजी-9 लोको टू स्पेसि.नं. सीएलडब्ल्यू/एमएस/3/012, एल्ट.-6.	22.06.2026 At 10:30 hrs	40 सेट
12	03262673	यॉक फॉर अपग्रेडेड हाई टेन्साईल सेंटर बफर कपलर फॉर बॉक्सएनएचएल/बीसीएनएचएल वैगन	25.06.2026 At 10:30 hrs	11740 नग

रेलवे को किसी निविदा के लिए शुद्धिपत्र जारी करने का अधिकार है, शुद्धिपत्र और ई-खरीद की जरूरी सूचना वेंडर www.ireps.gov.in पर देख सकते हैं।

सीपीआर/10/AM/159 सहायक सामग्री प्रबंधक-III द.पू.मध्य रेलवे, बिलासपुर

South East Central Railway @secrail

SAINIK SCHOOL AMBIKAPUR (CHHATTISGARH)

(Under the aegis of Sainik Schools Society, New Delhi and Affiliated to Central Board of Secondary Education)

(Phone No - 07774-261609, E-Mail : ssambikapur@sainikschoolsociety.in)

RECRUITMENT OF STAFF

1. Applications are invited from eligible candidates for the following posts

SI No	Post	No. of Post/Category	Pay Scale	Age	Date of Selection Test
Regular Scale					
1.1	Trained Graduate Teacher (TGT) English	01 (UR)	Level-7 of 7th CPC (Entry Scale	21-35 years as on 01 Aug 2026	06 July 2026 (Monday)

Essential Qualification.
1.1.1. Four years integrated degree course from NCTE recognized institution/university with at least 50% marks in the concerned subject as well as in the aggregate including B.Ed component.
(OR)
Bachelors/Honours Degree from a recognized institution/university with at least 50% marks in concerned subject, combination of subjects and also in aggregate.
(AND)
B.Ed. Degree from NCTE recognized institution/university with at least 50% marks.
(OR)
Three years Integrated B.Ed.-M.Ed. from NCTE recognized Institution/university with at least 50% marks.
(OR)
Post-Graduation in concerned subject/any specialization in concerned subject with a minimum 55% marks or equivalent grade provided that the candidate has studied the subject(s) mentioned in the note below at the graduation level and three years integrated
B.Ed.-M.Ed. from NCTE recognized institution/ University with at least 50% marks.
1.1.2 Qualified in the Central Teachers Eligibility Test (Paper-II) conducted by Central Board of Secondary Education (CBSE).
Note. Studied English as an Elective/Main Subject in at least 03 years/06 semester of the course.
Desirable Qualification.
(i) Knowledge of Computer (ii) Teaching Experience (iii) Working Knowledge of English

Contractual Basis

SI No	Post &	No. of Post/Category	Monthly Remuneration (Consolidated)	Age	Date of Selection Test
1.2	Medical Officer	01 (UR)	84,960/-	18-50 years as on 01 Aug 2026	07 July 2026 (Tuesday)
Essential Qualification. MBBS Degree from a recognized institution along with registration with Medical Council of India.					
1.3	Nursing Sister (Female only	01 (ST)	40,800/-	18-50 years as on 01 Aug 2026	07 July 2026 (Tuesday)
	Essential Qualification. Diploma/Degree in Nursing with registration in the Indian Nursing Council/States Nurses Registration Council.				

2. For further details viz Perks, Application Form, recruitment process etc, visit the school website "www. sainikschoolambikapur.org.in".
3. **For Contractual Posts only.** Tenure of contractual appointment will be 11 months from the date of appointment, extendable to maximum period of three years on the basis of performance review and school's requirement on yearly basis. After completion of 11 months, one-month break every year. Vacation pay will not be applicable for the contractual posts.
4. Application Form downloaded from the school website only will be considered. Applicants are to clearly mention their E-mail ID and Contact Number in the application form.
5. Eligible and interested candidates can submit the prescribed application alongwith registration fees (non refundable) worth Rs 500/- for regular post and Rs 300/- for contractual posts and self-attested copies of certificates/ testimonials. The registration fee is to be remitted to the Principal, Sainik School Ambikapur through RTGS/NEFT/other digital payment modes only (SBI Bank Account Number 37923027067, IFSC Code SBIN0000310).
6. The prescribed application and all relevant documents should reach this office within 21 days from the date of publication of this advertisement. The school will not be responsible for any postal delay.
7. Duly completed applications received through email may also be considered subject to receipt of the prescribed registration fees on or before the last date for submission of applications.
8. The school administration reserves the right to cancel the recruitment process for any post at any time or reject incomplete applications without intimation. The School administration reserves the right to cancel all or any of the vacancies due to non-availability of suitable candidates or administrative / policy reasons.

PRINCIPAL

सामान्य प्रशासन विभाग ने जारी किया आदेश

भ्रष्टाचार के मामलों में अब 45 दिनों में मिल सकेगी मुकदमे की अनुमति

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रायपुर

छत्तीसगढ़ सरकार ने राज्य के शासकीय सेवकों और कर्मचारियों के विरुद्ध भ्रष्टाचार के मामलों में अभियोजन स्वीकृति देने की प्रक्रिया को और अधिक पारदर्शी एवं समयबद्ध बना दिया है। सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी नए निर्देशों के अनुसार अब सरकारी विभागों को तय समय-सीमा के भीतर अभियोजन से जुड़े फैसलों का निपटारा करना अनिवार्य होगा। खास बात ये है कि यदि नियुक्तिकर्ता प्राधिकारी को लगता है कि मामला अभियोजन योग्य है, तो उसे आवेदन मिलने की तारीख से 45 दिनों के भीतर स्वीकृति जारी करनी होगी। इस संबंध में राज्य शासन के सामान्य प्रशासन विभाग ने शासन के सभी विभाग, सभी विभागाध्यक्ष सभी संभागीय आयुक्त, सभी कलेक्टर और सभी पुलिस अधीक्षकों को निर्देश जारी किया है। यह भी साफ किया गया है कि यदि प्राधिकारी अन्वेषण अभिकरण की राय से असहमत हैं, तो उन्हें 30 दिनों के भीतर अपनी असहमति के ठोस कारणों के साथ मामला विधि विभाग को भेजना होगा। इन सभी प्रक्रियाओं को अधिकतम 3 महीने (90 दिन) की समय-सीमा में पूरा करना अनिवार्य कर दिया गया है।

क्या है नए नियमों का मुख्य आधार

सरकार ने इस दिशा-निर्देश में स्पष्ट किया है कि अभियोजन स्वीकृति का निर्णय लेते समय संबंधित अधिकारी को अपने विवेक का उपयोग करना होगा और एक 'स्पीकिंग ऑर्डर' जारी करना होगा। स्वीकृति आदेश की नोटशीट में इस बात का स्पष्ट उल्लेख होना चाहिए कि आरोपी कर्मचारी के विरुद्ध बयानों, जब्ती मेमो और अन्य सुसंगत दस्तावेजों का अध्ययन किया गया है। निजी परिवाद के मामलों में, संबंधित लोक-सेवक को अपना पक्ष रखने के लिए सुनवाई का अवसर देना अनिवार्य होगा।

अखिल भारतीय सेवाओं के लिए विशेष प्रक्रिया

अखिल भारतीय सेवा के अधिकारियों के मामलों में विधि विभाग प्रशासकीय विभाग के अभिमत का परीक्षण करेगा और समन्वय के बाद आदेश प्राप्त करेगा। सरकार ने इस आदेश में आउटसोर्स कर्मचारियों और मानदेय पर काम करने वाले कर्मियों को लेकर भी स्थिति स्पष्ट की है। चूँकि राज्य सरकार या कोई सरकारी निकाय इनका सीधे 'नियुक्तिकर्ता प्राधिकारी' नहीं होता है, इसलिए इन श्रेणियों के कर्मचारियों के विरुद्ध भ्रष्टाचार के मामलों में अभियोजन स्वीकृति की आवश्यकता नहीं होगी। ऐसे मामलों में सीधे अभियोजन की कार्यवाही की जा सकेगी।

साक्ष्य के लिए बार-बार बुलाने की जरूरत नहीं

नए नियमों के तहत, अभियोजन स्वीकृति के आदेशों को लोक दस्तावेज माना गया है। इसका मतलब यह है कि इसे अदालत में प्रमाणित करने के लिए संबंधित अधिकारी को बार-बार साक्ष्य देने के लिए व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने की आवश्यकता नहीं होगी। हालांकि, यदि आरोपी आदेश की वैधानिकता या अधिकारी की सक्षमता को चुनौती देता है, तो न्यायालय कानून के प्रावधानों के तहत अधिकारी को तलब कर सकता है।

Office of Commissioner, Medical Education, C.G.
Swasthya Bhawan, North Block, Sec-19, Nava Raipur,
Atal Nagar, C.G. Email- cmeoffice-cg@cg.gov.in

File No.: ESTB/336/2026-DME, Atal Nagar, Date 03-06-2026

Advertisement for Contractual Recruitment for the positions of Professor, Associate Professor, Assistant Professor, and Senior Resident in new Government Medical Colleges of Chhattisgarh

Directorate of Medical Education C.G., in the context of the consent given by Government of Chhattisgarh, Medical Education Department, Mantralaya, Naya Raipur, for filling **35 posts of Professors, 40 posts of Associate Professors, 50 posts of Assistant Professors, and 24 posts of Senior Residents** in 05 new Government Medical Colleges (Dantewada, Manendragarh, Kunkuri (Jashpur), Janjgir-Champa, and Kabirdham) through contract, invites online applications from eligible and interested candidates as per the qualification criteria prescribed by the National Medical Commission (NMC) under the provisions of Chhattisgarh Civil Sewa (Samvida Niyukti) Niyam, 2012, by Date **15.06.2026**. Applicant can apply through online portal at **https://monitoringcell.cgdme.in/mpas.** The Detailed advertisement can been seen at official website **https://cgdme.in.**
(Approved By CME)

Director Medical Education
Chhattisgarh

G.- 262701219/2

7 माह पहले छापा, 26 नाबालिग बच्चे रेस्क्यू फैक्ट्री संचालक पर एफआईआर नहीं

हरिभूमि न्यूजः रायपुर।

कानूनन नाबालिग बच्चों से श्रम कराना अपराध की श्रेणी में आता है। इसके तहत अर्थदंड से लेकर जेल का भी प्रावधान है, लेकिन सिस्टम कहीं न कहीं तब बेबस हो जाता है, जहां अपराध करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करना तो दूर, अपराध दर्ज तक नहीं किया जाता। ऐसा ही मामला खरोरा थाना क्षेत्र का है, जहां करीब 7 महीने पहले मोजा मशरूम फैक्ट्री में महिला एवं बाल विकास विभाग, श्रम विभाग, पुलिस विभाग की संयुक्त टीम ने छापा मारा था। इस छापेमारी में मानवाधिकार आयोग दिल्ली से आए सदस्यों की टीम भी शामिल थी। इस दौरान फैक्ट्री से लगभग 109 बच्चों को रेस्क्यू किया गया था, जिनमें 26 बच्चे नाबालिग मिले थे। इन सभी बच्चों को अच्छी इंकम का लालच देकर ओडिशा, असम, पश्चिम बंगाल, झारखंड, यूपी तथा एमपी से लाया गया था। इस मामले में महिला एवं बाल विकास विभाग ने प्रतिवेदन बनाया था, जिसमें फैक्ट्री के संचालक एवं ठेकेदार को दोषी पाते हुए उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के लिए कहा था, लेकिन पुलिस ने इतने महीने गुजरने के बाद भी अब तक दोषियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज नहीं की है।

छोटे कमरे में 15 बच्चों को ठूंस-ठूंस कर कराया जा रहा था काम

महिला एवं बाल विकास विभाग की जांच रिपोर्ट में यह उल्लेख है कि मोजा मशरूम फैक्ट्री में 26 नाबालिग बच्चों में 14 लड़के एवं 12 लड़कियां शामिल थीं। इस रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि फैक्ट्री में छोटे-छोटे कमरे बने हुए हैं, जहां 15-15 बच्चों से ठूंस-ठूंस कर काम लिया जा रहा था। इस जांच में एक-दो बालिग लड़कियों ने विभागीय अधिकारियों को फैक्ट्री के ठेकेदार पर छेड़छाड़ एवं अभद्र व्यवहार किए जाने का भी आरोप लगाया था। हालांकि जांच प्रतिवेदन में इसका उल्लेख है कि नहीं, इस संबंध में जानकारी सामने नहीं आई है।

एफआईआर करने से बच रही पुलिस, 7 माह में जांच पूरी नहीं

जिस छापेमारी में महिला एवं बाल विकास विभाग, श्रम विभाग, पुलिस, यहां तक की मानवाधिकार आयोग की केंद्रीय टीम भी मौजूद थी, उसकी जांच रिपोर्ट के आधार पर पुलिस द्वारा मामले में एफआईआर नहीं किया जाना समझ से परे है। हालांकि पुलिस का अभी भी यही कहना है कि इस मामले में जांच जारी है।

जांच पूरी होने के बाद ही एफआईआर की जाएगी। विभाग के अनुसार इस फैक्ट्री से पूर्व में भी जांच कर बच्चों को रेस्क्यू किया गया था। उस समय भी इस मामले में संचालक-ठेकेदार पर कोई कार्रवाई नहीं हुई थी।

पुलिस जांच जारी बता रही

जांच के आधार पर फैक्ट्री संचालक एवं ठेकेदार के खिलाफ एफआईआर कराने के लिए थाने में प्रतिवेदन दे चुके हैं। इसके लिए 8 से 10 बार थाने भी गए हैं, लेकिन पुलिस सिर्फ जांच जारी होने की बात कहकर एफआईआर नहीं कर रही है।

- संजय निराला, संरक्षण अधिकारी, महिला बाल विकास विभाग, रायपुर

अर्थदंड एवं जेल का प्रावधान

जांच के दौरान नाबालिग बच्चों से काम कराना पाया था। ऐसे अपराध के लिए अधिकतम 50 हजार रुपए तक का अर्थदंड एवं जेल का प्रावधान है। फैक्ट्री में दोबारा इस तरह का मामला मिला है। इसमें सजा का प्रावधान ज्यादा है।

- देवेंद्र देवांगन, जिला अधिकारी, श्रम विभाग, रायपुर

पुलिस मुख्यालय, छत्तीसगढ़
सेक्टर-19, नवा रायपुर, अटल नगर 492002
ई-मेल-igcafphq.2011@gmail.com
फोन नं. 0771-2434959, फैक्स नं. 0771-2434009

भर्ती सूचना

छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल "मेल नर्स, फिमेल नर्स, लैब टेक्निशियन, फार्मासिष्ट, नर्सिंग असिस्टेंट, कम्पाउण्डर, ड्रेसर" भर्ती प्रक्रिया वर्ष 2023-24 के तहत कुल विज्ञापित पद-50 के विरूद्ध कुल-50 उम्मीद्वारों का चयन किया गया है। चयन सूची पुलिस विभाग की वेबसाइट www.cgpolice.gov.in पर प्रदर्शित की गई है। इस प्रक्रिया के तहत "मेल नर्स के 10 रिक्त पद के विरूद्ध 10, फिमेल नर्स के 04 रिक्त पद के विरूद्ध 04, लैब टेक्निशियन के 01 रिक्त पद के विरूद्ध 01, फार्मासिष्ट के 13 रिक्त पद के विरूद्ध 13, नर्सिंग असिस्टेंट के 07 रिक्त पद के विरूद्ध 07, कम्पाउण्डर के 12 रिक्त पद के विरूद्ध 12, ड्रेसर के 03 रिक्त पद के विरूद्ध 03 पद" पर भर्ती की गई है।

रिक्त पदों की पूर्ति करने में शासन द्वारा निर्धारित आरक्षण नियमों का पालन करते हुए उम्मीद्वारों को उनके मेरिट के क्रम तथा उपलब्ध रिक्त पदों की संख्या के आधार पर चयनित किया गया है। आरक्षित संवर्गों (अ.पि.व. गैर क्रीमीलेयर, अ.जा., अ.ज.जा.) के उम्मीद्वार जो अनारक्षित वर्ग के लिए निर्धारित अर्हता पूरी करते हैं को अनारक्षित वर्ग के रिक्त पदों के विरूद्ध चयनित किया गया है।

उपरोक्त चयनित पदों के लिए की जाने वाली नियुक्तियां माननीय उच्चतम न्यायालय, नई दिल्ली में दायर एस.एल.पी. (सी) क्रमांक 19668/2022 के अंतिम आदेश/निर्णय के अध्यधीन होगी।

जी. 262701253/2

संचालनालय रोजगार एवं प्रशिक्षण छत्तीसगढ़
इंद्रावती भवन, ब्लॉक 4, प्रथम तल, अटल नगर जिला-रायपुर, पिन 492002
Phone: 0771.2331345 E-mail id - ttcdetraipur@gmail.com

सूचना

सत्र 2026 से राष्ट्रीय व्यावसायिक प्रशिक्षण परिषद् (एनसीव्हीटी) से आईटीआई संबद्धता के लिये वर्तमान प्रचलित नियमों के अंतर्गत ऑनलाइन आवेदन की सुविधा, नेशनल इंस्ट्रक्शनल मीडिया इंस्टीयूट (निमी) पोर्टल पर दिनांक 30.06.2026 तक उपलब्ध रहेंगी। इच्छुक आवेदक जो नई आईटीआई की संबद्धता/प्रत्यायन, मौजूदा आईटीआई में ट्रेड यूनिट जोड़ने, मौजूदा आईटीआई के स्थान को स्थानांतरित करने एवं निमी एफिलियेशन पोर्टल पर आईटीआई का नाम बदलने, एससीव्हीटी व्यवसाय को एनसीव्हीटी व्यवसाय में परिवर्तित करना चाहते हो, वे नेशनल इंस्ट्रक्शनल मीडिया इंस्टीयूट (निमी) पोर्टल में जाकर एफिलियेशन पोर्टल लिंक https://affiliation-dgt.skillindiadigital.gov.in/ पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते है। प्राप्त आवेदनों पर एफिलियेशन नार्म्स मैनुअल 2025 में वर्णित प्रक्रियाओं एवं इसके अतिरिक्त डीजीटी द्वारा जारी किसी भी पश्चातवर्ती दिशा-निर्देशों और मापदंडों के अनुसार विचार किया जाएगा। नेशनल इंस्ट्रक्शनल मीडिया इंस्टीयूट (निमी) पोर्टल पर आवेदन करने का मतलब यह नहीं है कि संस्था/व्यवसाय को सत्र 2026 के लिये संबंद्धता प्रदान की जाएगी। आवेदकों को आवेदन करते समय संचालनालय रोजगार एवं प्रशिक्षण छत्तीसगढ़ से प्राप्त नवीनतम वैध अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) नेशनल इंस्ट्रक्शनल मीडिया इंस्टीयूट (निमी) पोर्टल पर अपलोड करना होगा। आवेदन करने के पूर्व एफिलियेशन पोर्टल पर समस्त जानकारी प्राप्त कर लेवे।

सचिव
स्टेट बोर्ड ऑफ एक्जामिनेशन संचानालय
रोजगार एवं प्रशिक्षण छत्तीसगढ़

जी. 262701248/2

भारतमाला परियोजना घोटाला के आरोप में जेपी गांधी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रायपुर

भारतमाला परियोजना मुआवजा घोटाला में ईडी ने घोटाला में शामिल महत्वपूर्ण आरोपी अभनपुर निवासी जमीन दलाल जयप्रकाश गांधी को मनी लांड्रिंग करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। जेपी गांधी के निवास पर ईडी ने 27 अप्रैल को छापे की कार्रवाई की थी। छापे की कार्रवाई के बाद ईडी की यह पहली गिरफ्तारी है। जेपी के घर छापे के पूर्व उसके भाई गोपाल गांधी के घर ईडी छापे की कार्रवाई करने पहुंची थी।

छापे की कार्रवाई के दौरान ईडी को जेपी गांधी के निवास से कई महत्वपूर्ण साक्ष्य तथा संदिग्ध ट्रांजेक्शन की जानकारी मिली थी। आरोप है कि हरमीत खनूजा तथा जेपी गांधी तथा घोटाला से जुड़े अन्य जमीन दलाल घोटाला किया और किसानों को मुआवजे की आधी राशि ही दी, जबकि बाकी रकम खुद रख ली। ईडी द्वारा जारी बयान के मुताबिक यह प्रकरण एसीबी, ईओडब्लू द्वारा दर्ज एफआईआर से जुड़ा है। ईडी को जांच में पता चला है कि उजय प्रकाश गांधी ने कथित तौर पर अपने परिवार के सदस्यों और कुछ सरकारी कर्मचारियों के साथ मिलकर, नोटिफाइड हाईवे अलाइनमेंट के दायरे में आने वाली जमीन खरीदी और बाद में उस जमीन को 500 वर्ग मीटर से कम के छोटे-छोटे टुकड़ों में बांट दिया। जांचकर्ताओं का मानना है कि जमीन का यह बंटवारा जान-बूझकर किया गया था, ताकि मुआवज़े से जुड़े प्रावधानों का फायदा उठाया जा सके और भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण से काफी ज्यादा मुआवज़ा हासिल किया जा सके।

रायपुर। जनता कांग्रेस छत्तीसढ़ जे के प्रदेश अध्यक्ष अमित जोगी ने कहा हमें गर्व है कि जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जे) देश की पहली और अभी तक की एकमात्र मान्यता प्राप्त राजनीतिक पार्टी है, जो 6 जून के जंतर-मंतर के सीजेपी प्रदर्शन में भाग ले रही है।

बड़े बकायादारों पर कड़ा रुख जोन कमिश्नरों को रोज 1 करोड़ वसूली का टारगेट

हरिभूमि न्यूज ▸▸| रायपुर

नगर निगम आयुक्त संबित मिश्रा ने सभी जोन कमिश्नरों को संपत्ति कर के बड़े बकायादारों को नोटिस जारी कर बकाया राशि वसूली में कड़ाई के निर्देश दिए हैं। उन्होंने सभी 10 जोन को मिलाकर प्रतिदिन एक करोड़ की राजस्व वसूली का लक्ष्य निर्धारित किया है।

महात्मा गांधी सदन में गुरुवार को निगम आयुक्त ने समय-सीमा बैठक लेकर विभिन्न विषयों की बिंदुवार समीक्षा की और अधिकारियों को निर्देश दिए। बैठक में निगम आयुक्त संबित मिश्रा कहा कि 30 जून 26 तक वित्तीय वष 2026-27 का संपत्ति कर जमा करने वाले करदाताओं को 6.25 फीसदी छूट का लाभ दिया जावे। इसके साथ ही सभी जोन कमिश्नरों और राजस्व अमले को राजस्व वसूली पर लगातार फोकस बनाए रखने के लिए कहा। मानसून की तैयारियों की समीक्षा करते हुए निगम आयुक्त ने पहली बारिश से पहले अधिक से अधिक स्थानों पर वर्षा जल को सहेजने रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम स्थापित करने के निर्देश दिए।

छत्तीसगढ़ स्टेट सिविल सप्लाईज कार्पोरेशन लिमिटेड
जिला कार्यालय - त्रिमूर्ति कालोनी, महासमुंद छ.ग.
GST NO. 22AACCC1772CIZB Email ID - dmnanmsmd@gmail.com

क्रमांक / परिवहन निविदा/2026-27/316 महासमुंद, दिनांक 05.06.2026

// ई-निविदा सूचना //

निगम द्वारा जिला महासमुंद के द्वार प्रदाय परिवहन एवं लंबी दूरी परिवहन कार्य हेतु प्रतिष्ठित परिवहनकर्ताओं / निविदाकारों से खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 एवं 2026-27 के लिये निगम कार्पोरेशन के निर्धारित संबंधित ई-परिवहन निविदा दस्तावेज (जिसमें विस्तृत निविदा/शर्तें आदि वर्णित है) अनुसार जेम पोर्टल (GEM) वेबसाईट के माध्यम से निविदा आमंत्रित किया जाता है :-

Particular	Date	Time	Center Name	Bid No.	Remark
Bid Start Date	08.06.2026	11:00 AM	बागबाहरा (द्वार प्रदाय परिवहन कार्य) सरायपाली (द्वार प्रदाय परिवहन कार्य) पिथौरा (द्वार प्रदाय परिवहन कार्य) लंबी दूरी परिवहन कार्य (जिला-महासमुंद)	GEM/2026/B/7623895	Third Tender
Bid Due Date	17.06.2026	5:00 PM		GEM/2026/B/7624023	
Bid Open Date from	17.06.2026	5:30 PM		GEM/2026/B/7622453	Fourth Tender
				GEM/2026/B/7624139	

ई-निविदा के नियम, शर्तें एवं विस्तृत जानकारी वेबसाईट http:/gem.gov.in एवं राज्य सरकार की वेबसाईट www.cgstate.gov.in एवं http:/mahasamund.gov.in पर उपलब्ध है।

जिला प्रबंधक
महासमुंद

सं. 48043

कार्यालय सक्षम प्राधिकारी एवं अनुविभागीय अधिकारी (रा.), जिला-रायगढ़ (छ.ग.)

"प्रारुप-ख" (नियम 5 का उपनियम (1)}
अधिसूचना

राजस्व प्रकरण क्रमांक 202605042100008/वी-121/2025-26. राज्य सरकार को लोकहित में यह आवश्यक प्रतीत होता है कि ग्राम साराडीह, प.ह.नं. 34 तहसील डभरा, जिला सक्ती, से जल परिवहन हेतु ग्राम-लारा प.ह.नं. 40 एनटीपीसी, तहसील- पुसौर, जिला- रायगढ़ तक मेसर्स एनटीपीसी लिमिटेड द्वारा भूमिगत पाईप लाईन बिछाई जानी है।

और राज्य सरकार को उक्त भूमिगत पाईप लाईन बिछाने के लिये यह आवश्यक प्रतीत होता है कि ग्राम सराईपाली प.ह.नं. 33 तहसील पुसौर जिला रायगढ़ की भूमि का जिसमें भूमिगत पाईप लाईन बिछाये जाने का प्रस्ताव है, जो इस अधिसूचना से संलंग्न अनुसूची में वर्णित है, उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाए। अतएव, राज्य सरकार एतद्वारा छत्तीसगढ़ भूमिगत पाईप लाईन (भूमि के उपयोग के अधिकारों का अर्जन) अधिनियम 2004 (क्रमांक 07 सन 2004) की धारा 3 उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए उस भूमि के उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा करती है।

अनुसूची : ग्राम- सराईपाली, तहसील-पुसौर, जिला-रायगढ़ (छ.ग.)

खसरा नं.	अर्जित भूमि (हेक्टे. में)	खसरा नं.	अर्जित भूमि (हेक्टे. में)	खसरा नं.	अर्जित भूमि (हेक्टे. में)	खसरा नं.	अर्जित भूमि (हेक्टे. में)
283	0.056	139/2	0.220	31	0.061	52/4	0.078
170/2	0.023	160/2		128	0.040	55/1ञ	0.130
170/4	0.008	136/4	0.065	127/2	0.024	55/1च	0.049
171/1	0.020	138	0.040	127/1	0.021	55/1छ	0.012
171/2	0.012	139/3	0.021	54	0.140	51/3	0.162
163/1	0.241	160/3		130/2	0.065	55/1/ख	0.101
173/3	0.091	140/1	0.016	43/3	0.053	55/3	0.004
173/4	0.144	140/2	0.269	43/2	0.065	61/1	0.032
173/7	0.093	141	0.132	43/4	0.061	56/2	0.202
176	0.083	152	0.152	44/2	0.020	60/3	0.028
177	0.093	153/1		44/1	0.121	66/2	0.135
180	0.021	147/1		46/4	0.061	75	0.132
179/4	0.061	148/1		41/2	0.049	60/2	0.045
179/3/क	0.057	157		39	0.061	72/1	0.084
179/3/ख	0.023	158		47/1	0.061	73	0.126
185/2	0.141	147/2	0.061	48/3	0.210	70	5.769
185/3	0.020	148/2		48/1	0.020		
161/1	0.149	150/2	0.261	49/1	0.258		
161/2	0.045	129	0.338	51/4	0.102		

कोई व्यक्ति जो उक्त अनुसूची में वर्णित भूमि में हितबद्ध है, उस तारीख से जिसको उक्त अधिनियम की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन अधिसूचना राजपत्र में प्रकाशित होने के, इक्कीस दिवस के भीतर, भूमि के नीचे पाईप लाईन बिछाये जाने के संबंध में, सक्षम प्राधिकारी, एवं अनुविभागीय अधिकारी (रा.) रायगढ़, छत्तीसगढ़ को लिखित रूप से आक्षेप भेज सकेगा।

(महेश शर्मा)
सक्षम प्राधिकारी
अनुविभागीय अधिकारी (रा.)
रायगढ़, जिला-रायगढ़ (छ.ग.)

जी-262701243/2

MUNICIPAL CORPORATION Raipur
OFFICE OF THE COMMISSIONER
e-Procurement Tender Notice
Main Portal: http://eproc.cgstate.gov.in

NIT NO: 23 /PWD/Zone-1/2026 (2nd call) RAIPUR DATED: 05/06/2026

Online bids are invited for the following works of works up to 22/06/2026 at 17:30 hours.

S. No.	System Tender No.	Name of work/ Description of work	Probable Amount of Contract (in Rupees)	Invite
1	192552	वार्ड क्रमांक 18 अंतर्गत शा.प्रा. शाला कम्यूनिटी हॉल गुढ़ियारी जनता कालोनी तिलक नगर का जीर्णोद्धार कार्य।	40,00,000.00	द्वितीय निविदा आमंत्रण

The details can be viewed and downloaded online directly from the Government of Chhattisgarh e-Procurement Portal https://eproc.cgstate.gov.in from 04/06/2026, 17:30 Hours(IST) on wards. For more details on the tender and bidding process you may please visit the above-mentioned portal.
NOTE: - 1. All eligible/interested contractors are mandated to get enrolled on e-Procurement portal.
2. Contractors can contact Help Desk for any clarification of their doubts regarding the process of Electronic Procurement System. Help Desk at Toll Free No. 18004199140 or through Email ID- helpdesk.eproc@cgswan.gov.in
3. For More Details please download NIT details.

घरों से निकलने वाले गीला और सुखा, कचरे को सफाई (मित्र) वाहन को देवें।

ZONE COMMISSIONER
ZONE NO. - 1
MUNICIPAL CORPORATION, RAIPUR (C.G.)

कार्यालय, नगर पालिक निगम कोरबा (छत्तीसगढ़)

फा.क्र./03/संपत्तिकर/ स्वामित्व हस्तांतरण/20226-27/3792 / कोरबा, दिनांक 02/06/2026

संपत्ति स्वामित्व हस्तांतरण हेतु आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि छत्तीसगढ़ नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत निम्नलिखित व्यक्तियों का स्वामित्व हस्तांतरण हेतु आवेदन पत्र इस कार्यालय में प्राप्त हुए है, जिस पर आम सूचना प्रकाशन के 30 दिवस बाद निर्णय लिया जायेगा। इस हस्तांतरण के संबंध में यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो आम सूचना प्रकाशन के 30 दिवस के भीतर लिखित आपत्ति मय प्रमाण के नगर पालिक निगम कार्यालय साकेत भवन आई.टी.आई. रामपुर कोरबा (छ.ग.) में प्रस्तुत की जा सकेगी।

क्र.	स्वामित्व हस्तांतरणकर्ता (विक्रेता) का नाम एवं पता	हस्तांतरण के प्रकार	हस्तांतरिता (क्रेता) का नाम एवं पता	खसरा नंबर	रकबा	वार्ड क्र.	भवन / प्लाट नंबर	भूमि / भवन
1	श्रीमती कौशिल्या बाई पति श्री रमेश कुमार पंजवानी, निवासी पुरानी बस्ती, कोरबा, जिला कोरबा (छ.ग.)	पंजीकृत बिक्रीनामा एवं राजस्व रिकार्ड के आधार पर	श्री बलभद्र सिंह पिता स्व श्री चन्द्रभान सिंह राजपूत, निवासी, पुरानी बस्ती, कोरबा, जिला-कोरबा (छ.ग.)	1013/4	5 डिसमील भूमि एवं उस पर 1050 वर्गफुट पर निर्मित मकान	6	59	भूमि, भवन
2	श्रीमती लाजवंती बाई पति श्री अशोक कुमार पंजवानी, निवासी पुरानी बस्ती कोरबा, जिला कोरबा (छ.ग.)	पंजीकृत बिक्रीनामा एवं राजस्व रिकार्ड के आधार पर	श्री बलभद्र सिंह पिता स्व श्री चन्द्रभान सिंह राजपूत, निवासी, पुरानी बस्ती, कोरबा, जिला-कोरबा (छ.ग.)	1013/5	5 डिसमील भूमि एवं उस पर 1050 वर्गफुट पर निर्मित मकान	6	59/1	भूमि, भवन
3	श्री प्रेम कुमार पिता श्री दामोदरन नायर, निवासी मकान नम्बर-714, सांई विहार, ब्राम्हण गली, पुरानी बस्ती, कोरबा, जिला-कोरबा (छ.ग.)	पंजीकृत बिक्रीनामा एवं राजस्व रिकार्ड के आधार पर	श्रीमती बबीता देवी सोनार पति श्री संजू लाल सोनार, निवासी सर्वमंगला पारा, कोरबा, जिला- कोरबा (छ.ग.)	972/7	0.004 हेक्टेयर भूमि एवं उस पर 436 वर्गफुट का आरसीसी युक्त मकान	6	722	भूमि, भवन
4	श्री माधव दास पिता स्व. श्री लीला राम रमानी, निवासी 635, सिन्धी मोहल्ला रानी रोड, कोरबा, जिला- कोरबा (छ0ग0)	पंजीकृत बिक्रीनामा एवं राजस्व रिकार्ड के आधार पर	श्रीमती हीरा देवी रामचंदानी पति स्व.श्री नारायण रामचंदानी, निवासी मकान नम्बर 407, सिन्धी मोहल्ला, रानी रोड, कोरबा, जिला-कोरबा (छ.ग.)	1034/3	2180 वर्गफुट भूमि एवं उस पर 1800 वर्गफुट का निर्मित आरसीसी युक्त मकान	7	42	भूमि, भवन
5	श्रीमती माया देवी पति स्व श्री आनंद राम, निवासी वार्ड कमांक 07, इतवारी बाजार, कोरबा, जिला कोरबा (छ0ग0)	फौती दर्ज एवं राजस्व रिकार्ड के आधार पर	श्री रामचंद बुधवानी पिता स्व श्री आनंदराम बुधवानी, निवासी वार्ड क्रमांक 07 इतवारी बाजार, कोरबा, जिला- कोरबा (छ.ग.)	497/90	5 डिसमील भूमि एवं उस पर निर्मित भवन	7	440	भूमि, भवन
6	श्रीमती रेणु देवी अग्रवाल पति श्री जय सिंह अग्रवाल निवासी अग्रसेन मार्ग, कोरबा जिला कोरबा (छ.ग.)	पंजीकृत बिक्रीनामा एवं राजस्व रिकार्ड के आधार पर	श्रीमती वीणा भावनानी पति श्री महेश भावनानी एवं श्री चंद्रेश भावनानी पिता श्री महेश भावनानी, निवासी प्लॉट नम्बर-03, इंदिरा कॉमर्शियल कॉम्पलेक्स, टी पी नगर, कोरबा, जिला- कोरबा (छ.ग.)	316/20 316/23 316/30 316/31 316/35 316/49 316/57 343/16	प्रथम तल पर 1615 वर्गफुट का निर्मित फ्लैट	14	पावर एम्पीरिया प्रकोष्ठ क्र. A-09 (FF)	भवन

नोट :- निर्धारित समयावधि के पश्चात प्राप्त आपत्ति पत्र पर विचार किया जाना संभव नहीं होगा।

आयुक्त
नगर पालिक निगम, कोरबा जिला-कोरबा (छ.ग.)

जेनेरिक दवाएं असर में ब्रांडेड से ज़रा भी कम नहीं, स्टडी में हुआ खुलासा

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

जेनेरिक दवाओं के बारे में अगर आपकी राय नेगेटिव (नकारात्मक) है तो आज से बदल लीजिए। जेनेरिक दवाएं भी उतनी ही असरदार और क्वॉलिटी वाली होती हैं, जितनी किसी ब्रांडेड या बड़ी कंपनी की दवा। ब्रांडेड के मुकाबले तो खैर सस्ती होती ही हैं। सस्ती होने की वजह से लोग धारणा बना बैठे थे कि जेनेरिक दवाएं उतनी असरदार नहीं होती हैं, जितनी ब्रांडेड या नामी कंपनियों की दवाइयां। केरल की फ्रंटियर फॉर्माकॉलोजी ने 131 जेनेरिक दवा नमूनों का क्वॉलिटी टेस्ट ब्रांडेड दवाओं के मुकाबले में किया। पाया गया कि जेनेरिक दवाएं परीक्षण में ब्रांडेड दवाइयों जितनी ही असरदार थीं। केरल की फ्रंटियर्स इन फॉर्माकॉलोजी संस्था ने डॉ एब्बी फिलिप्स और सात डॉक्टरों के नेतृत्व में एक स्टडी की है। डॉ फिलिप्स राजगिरी अस्पताल कोच्चि (केरल) से जुड़े हुए हैं। सोशल मीडिया पर वो लीवर डॉक्टर के रूप में मशहूर हैं।

सस्ती होने की वजह से लोग धारणा बना बैठे हैं कि जेनेरिक दवाएं असरदार नहीं होतीं

सभी बीमारियों की दवाइयों का परीक्षण

डॉ फिलिप्स के नेतृत्व में किए गए अध्ययन में केरल के विभिन्न क्षेत्रों में 22 आमतौर पर इस्तेमाल की जाने वाली दवाओं के 131 नमूने खरीदे गए। इनमें हार्ट, डायबिटीज, इन्फेक्शन, दर्द, एसिडिटी और अन्य बीमारियों में इस्तेमाल होने वाली दवाएं शामिल थीं। ये नमूने सात प्रकार के अलग-अलग बिक्री केंद्रों से लिए गए। जिनमें सरकारी जन औषधि केंद्र, जेनेरिक दवा और महंगी ब्रांडेड दवाएं बेचने वाली फार्मेसियां शामिल थीं। इस स्टडी के लिए जनता से फंडिंग जुटाई गई थी।

डॉक्टरों की भूमिका महत्वपूर्ण मरीजों के हित से जुड़े मामला

डॉक्टरों के लिए यह अध्ययन एक महत्वपूर्ण संदेश है। डॉक्टर का जेनेरिक दवा लिखना इलाज में किसी प्रकार का समझौता नहीं है। मरीज को वही प्रभावी दवा बहुत कम कीमत पर उपलब्ध कराई जा सकती है। इस अध्ययन का सबसे बड़ा संदेश यही है कि सस्ती और उच्च गुणवत्ता वाली दवाएं एक-दूसरे की विरोधी नहीं हैं।

जेनेरिक दवाएं ब्रांडेड कंपनियों से सस्ती हैं

कीमतों के मामले में तस्वीर बिल्कुल अलग है। अध्ययन में पाया गया कि जेनेरिक दवाएं औसतन ब्रांडेड दवाओं की तुलना में 48.6 प्रतिशत सस्ती थीं। कुछ मामलों में सबसे महंगा ब्रांड उसी दवा के सबसे सस्ते जेनेरिक विकल्प से 13.9 गुना तक अधिक महंगा था। यानी पेन किलर की दवा ब्रांडेड कंपनी की बहुत मंहगी थी लेकिन जेनेरिक में उतनी ही असरदार दवा सस्ती थी। टेस्ट की गई 22 दवाओं में से 18 के लिए सरकारी जन औषधि केंद्र सबसे सस्ता विकल्प साबित हुए।

कम कीमत यानी कम क्वालिटी समझना गलत

क्या सस्ती जेनेरिक दवाएं महंगी ब्रांडेड दवाओं जितनी ही प्रभावी होती हैं? यह एक ऐसा सवाल है जो मरीजों के साथ-साथ कई डॉक्टरों को भी परेशान करता रहा है। अक्सर यह धारणा बनी रहती है कि कम कीमत का मतलब कम क्वॉलिटी होता है। भारत जैसे देश में यह संदेह बेहद महत्वपूर्ण है, क्योंकि स्वास्थ्य सेवाओं पर परिवारों द्वारा अपनी जेब से किए जाने वाले कुल खर्च का लगभग दो-तिहाई हिस्सा दवाओं पर खर्च होता है।

मान्यता प्राप्त प्रयोगशालाओं में हुई कठोर जांच

इसके बाद सभी नमूनों को कोडिंग और रैंडेम प्रक्रिया के तहत एक शीर्ष मान्यता प्राप्त लेबोरेट्री में भेजा गया, जहां उनका कठोर परीक्षण किया गया। इस अध्ययन की खास बात यह थी कि इससे पहले बहुत कम शोध ऐसे हुए हैं जिनमें एक ही बाजार से खरीदी गई ब्रांडेड और जेनेरिक दवाओं की सीधे तुलना की गई हो जिसमें गुणवत्ता परीक्षण के साथ-साथ कीमतों का भी विस्तृत विश्लेषण किया गया हो।

जेनेरिक भी ब्रांडेड दवाओं जितनी असरदार

अध्ययन के नतीजे बेहद स्पष्ट और चौंकाने वाले थे। जांचे गए सभी 131 दवा नमूने गुणवत्ता के हर परीक्षण में सफल पाए गए। यानी सफलता दर 100 प्रतिशत रही। दवा जेनेरिक थी या ब्रांडेड, सस्ती थी या महंगी, इससे कोई फर्क नहीं पड़ा। सभी दवाओं में सक्रिय औषधीय तत्व की मात्रा, शुद्धता और शरीर में घुलने की क्षमता समान रूप से मानकों के अनुरूप पाई गई।

खबर संक्षेप

सेनाध्यक्ष जन. द्विवेदी ने राम मंदिर में दर्शन किए

अयोध्या। सेनाध्यक्ष जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने शुक्रवार को उत्तर प्रदेश के अयोध्या में राम जन्मभूमि मंदिर में पूजा की। जनरल द्विवेदी एक सैन्य विमान से अयोध्या पहुंचे। प्रशासनिक अधिकारियों और फैजाबाद छावनी में तैनात डोगरा रेजिमेंट के वरिष्ठ अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। राम मंदिर न्यास के मुताबिक, सेनाध्यक्ष का मंदिर परिसर में विश्व हिंदू परिषद के वरिष्ठ नेता गोपाल नागरकट्टे ने स्वागत किया। अधिकारियों ने बताया कि मंदिर में करीब 30 मिनट बिताने के बाद जनरल द्विवेदी डोगरा रेजिमेंट के मुख्यालय के लिए रवाना हो गये।

ठाणे में ट्रक से 1.89 करोड़ रुपये की शराब जब्त

ठाणे। महाराष्ट्र के ठाणे जिले में आबकारी विभाग ने पनवेल-मुंब्रा राजमार्ग पर एक ट्रक से 1.89 करोड़ रुपये मूल्य की भारतीय निर्मित विदेशी शराब की 73,440 बोतलें जब्त की हैं। राज्य आबकारी विभाग के कोंकण संभाग के उपायुक्त प्रदीप पवार ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि एक गुप्त सूचना के आधार पर बुधवार शाम को यह कार्रवाई की गई। पवार ने बताया कि ट्रक चालक ने दावा किया था कि वाहन में वाहनों के पुर्जे लदे हैं, लेकिन तलाशी लेने पर उसमें से गोवा निर्मित व्हिस्की की 73,440 बोतलें बरामद हुईं।

टाटा मोटर्स का वैश्विक विस्तार पर अधिक जोर: चंद्रशेखरन

नई दिल्ली। वाणिज्यिक वाहन विनिर्माता टाटा मोटर्स लिमिटेड के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने कहा है कि कंपनी अगले पांच वर्षों में वैश्विक विस्तार पर ध्यान देगी और उभरते क्षेत्रों में नेतृत्व हासिल करने के साथ अपने मजबूत खंड में शीर्ष स्थान बनाए रखेगी। चंद्रशेखरन ने गोवा में आयोजित 'कमर्शियल व्हीकल (सीवी) डीलर बिजनेस प्लानिंग मीट 2026' को संबोधित करते हुए कहा कि टाटा मोटर्स मजबूत मात्रा वृद्धि के दम पर अगले तीन-चार वर्षों में विभिन्न वाणिज्यिक वाहन खंड में अपनी नेतृत्व स्थिति और मजबूत करेगी। चेयरमैन ने कहा कि टाटा समूह का वाहन कारोबार अब वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बन चुका है और अकेले यह खंड ही करीब 80 अरब डॉलर का राजस्व हासिल करने की ओर अग्रसर है।

जनता कांग्रेस से नाराज, इसीलिए कर्नाटक सीएम बदला

मोदी बोले- जिन्होंने देश को दूसरों पर निर्भर रखा, वो आत्मनिर्भर भारत का उड़ा रहे मजाक

एजेंसी ▸▸ सूरत

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सूरत में कई परियोजनाओं का उद्घाटन करते हुए कहा कि कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि दूसरों पर निर्भर रहने वाले देश विकसित नहीं होते है। आज देश में कुछ निराशावादी लोग हैं। जिन्होंने देश को दूसरों पर निर्भर रखा, आज वो आत्मनिर्भर भारत का मजाक उड़ा रहे हैं। मोदी ने कहा कांग्रेस 12 सालों से अराजकता और अनिश्चितता फैला रही है। कर्नाटक की जनता भी कांग्रेस की नकारात्मकता के नाराज है। इसलिए कर्नाटक में सीएम बदलना पड़ा।

पीएम मोदी ने कहा बीते सालों में दुनिया ने कई बड़ी महामारियों का सामना किया है। पहले कोरोना और फिर अब दुनिया में तेल, पेट्रोल और गैस की सप्लाई में दिक्कत आ रही है। मुझे गर्व है कि भारत आज 140 करोड़ देशवासियों की मदद से इस चुनौती का सामना कर रहा है।

विभिन्न परियोजनाओं का शिलान्यास व उद्घाटन: पीएम मोदी ने सूरत में 18 हजार करोड़ के प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन किया। मोदी ने सूरत में सड़क, बिजली और औद्योगिक क्षेत्र से जुड़ी 18,800 करोड़ रुपए की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। सूरत में पीएम हाईवे के अलावा बड़े और छोटे पुल, रेलवे पुल, फ्लाईओवर और 70 अंडरपास का उद्घाटन किया। 4,732 करोड़ रुपए वाली एनएचएआई की चार परियोजनाओं का शिलान्यास भी किया।

आर्म्ड सिस्टम्स कॉम्पलेक्स भी पहुंचे

पीएम ने सूरत में लार्सन एंड टुब्रो के आर्म्ड सिस्टम्स कॉम्प्लेक्स भी पहुंचे। उन्होंने यहां मेड इन इंडिया टैंक, ड्रोन के सामने खड़े होकर उसकी जानकारी ली। एलएंडटी कॉप्लेक्स भारत का अत्याधुनिक रक्षा निर्माण केंद्र है। यहां सेना के लिए बख्तरबंद वाहन, तोप से जुड़े सिस्टम और अन्य सैन्य प्लेटफॉर्म बनाए, असेंबल (जोड़े) और परीक्षण किए जाते हैं।

स्वदेशी हथियारों का बड़ा केंद्र है हजीरा

गुजरात के हजीरा में स्थित लार्सन एंड टुब्रो का आर्म्ड सिस्टम्स कॉम्प्लेक्स भारत के निजी क्षेत्र का एक प्रमुख रक्षा उत्पादन केंद्र है। करीब 50 एकड़ में फैला यह अत्याधुनिक परिसर रोबोटिक वेल्डिंग, आधुनिक असेंबली और इंटीग्रेशन सिस्टम जैसी उन्नत तकनीकों से लैस है। वर्ष 2019 में राष्ट्र को समर्पित किए गए इस कॉम्प्लेक्स का उद्देश्य 'मेक इन इंडिया' और रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर भारत के विजन को मजबूती देना है।

भारत के कौन से घातक हथियार हो रहे हैं तैयार?

इस केंद्र में भारतीय सेना के लिए के9 वज्र-टी ऑटोमेटिक होवित्जर तोपों का निर्माण किया गया है। इसके अलावा, बीएई सिस्टम्स के साथ साझेदारी में बीवीएस10 सिंधु ऑल-टेरेन बख्तरबंद वाहन और ऊंचाई वाले इलाकों में तैनाती के लिए स्वदेशी लाइट टैंक भी विकसित किए जा रहे हैं।

निकाय चुनाव में जीत पर दी सभी को बधाई

मोदी ने कहा गुजरात निकाय चुनाव में भाजपा की जीत के लिए सभी का अभिवादन। भाजपा की विजय की यात्रा चलती ही जा रही है। दुनिया के लोकतांत्रिक समाज में कम ही देखने को मिलता है कि किसी पार्टी को इतने समय तक जनता का समर्थन मिलता है। हमारी सरकार देश के विकास के लिए काम कर रही है। इसलिए देश की जनता भाजपा को बार-बार वोट दे रही है। पिछले दिनों जब मैं 5 देशों की यात्रा पर था, वहां भी हर कोई बंगाल-बंगाल कर रहा था।

फोर और सिक्स लाइन हाईवे का उद्घाटन

इनमें एनएच-56 के धामासिया से बिटाडा तक चार लेन निर्माण (पैकेज-4), नसरपोर से मलोथा तक चार लेन निर्माण (पैकेज-6), रिलायंस के पास छह लेन वाहन अंडरपास और एनएच-53 के सूरत-हजीरा सेक्शन पर कावास में वीयूपी -कम-फ्लाईओवर शामिल हैं। इसके साथ ही दमन से मोदी ने लक्षद्वीप के लिए 885 करोड़ रुपए की बंदरगाह और टूरिज्म परियोजनाओं का वर्चुअल उद्घाटन भी किया।

गरीबों को बंटने वाली सामग्री टीएमसी नेता के घर से बरामद

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के पश्चिम बर्धमान जिले के आसनसोल में कल शाम को सियासी विवाद खड़ा हो गया, जब तृणमूल कांग्रेस नेता और जामुरिया पंचायत समिति के लोक निर्माण विभागाध्यक्ष उदीप सिंह के कब्जे वाले ईसीएल क्वार्टर से बड़ी मात्रा में राहत सामग्री और राशन का सामान कथित तौर पर बरामद किया गया। स्थानीय सूत्रों के मुताबिक, विधानसभा चुनावों के बाद सरकार बदलने पर उदीप सिंह ने कथित तौर पर जामुरिया के परासिया इलाके में मौजूद दो क्वार्टर खाली कर दिए थे और अपने परिवार के साथ इलाका छोड़ दिया था। बीजेपी नेताओं ने दावा किया कि उन्हें जानकारी मिली थी कि उनके कब्जे वाले क्वार्टरों में से एक में सरकारी राहत सामग्री का बड़ा स्टॉक रखा हुआ था।

क्वार्टर खुलने पर क्या मिला?

केंद्रीय बलों और स्थानीय निवासियों की मौजूदगी में बंद क्वार्टर को खोला गया तो अंदर से सैकड़ों कंबल, तिरपाल, कपड़े और राशन का सामान बरामद किया गया। इसमें गरीब और जरूरतमंद लोगों में बांटने के लिए चावल और गेहूं भी शामिल था। इस बरामदगी से स्थानीय निवासियों में नाराजगी फैल गई। कई लोगों ने मामले की गहन जांच और उदीप सिंह की गिरफ्तारी की मांग की। बताया जा रहा है कि पुलिस ने क्वार्टर से बरामद सामान को जब्त कर लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

उपराज्यपाल सिन्हा ने किया खीर भवानी मंदिर में यात्री भवन का उद्घाटन

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने गांदरबल के खीर भवानी मंदिर में यात्री भवन का उद्घाटन किया और कहा कि इससे देश-विदेश से आने वाले तीर्थयात्रियों की मेजबानी करने की मंदिर की क्षमता में वृद्धि होगी। तुलमुल स्थित इस मंदिर की जम्मू कश्मीर में काफी मान्यता है। नई सुविधाओं को जनता को समर्पित करते हुए उपराज्यपाल ने कहा कि नया यात्री भवन सुरक्षित, स्वच्छ और आरामदायक आवास सुविधाएं प्रदान करके तीर्थयात्रा के अनुभव में काफी सुधार करेगा। श्रीनगर से लगभग 25 किमी दूर स्थित इस मंदिर में वर्ष भर बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। इस मंदिर में श्रद्धालुओं की विशेष भीड़ ज्येष्ठ अष्टमी के दिन उमड़ती है जब वार्षिक खीर भवानी मेला लगता है। सिन्हा ने कहा, /"माता खीर भवानी के आशीर्वाद से मैंने 2024 में ज्येष्ठ अष्टमी के दिन आधारशिला रखी थी।

मणिपुर में फिर भड़की हिंसा महिला समेत तीन की हत्या

इंफाल। मणिपुर के कांगपोकपी जिले के एक गांव में सशस्त्र हमलावरों ने एक महिला सहित तीन लोग को मार गिराया। यह घटना शुक्रवार की सुबह की है। एक अधिकारी ने बताया कि जिले के सैतु-गाम्फाजोल उपमंडल के लोइबोल खुल्लेन गांव में तड़के करीब 4 बजे हुए हमले के दौरान आग लगने से कम से कम सात घर जलकर खाक हो गए। राज्य में कुकी जनजातियों की सर्वोच्च संस्था, कुकी इनपी मणिपुर (केआईएम) ने इस हमले की निंदा की है। इसके साथ ही दोषियों को पकड़ने के लिए जांच की मांग की है।

तीन लोगों की हुई मौत

एक अधिकारी ने बताया कि प्रतिद्वंद्वी गुटों के बीच कई मिनट तक चली गोलीबारी में तीनों की मौत हो गई, जिसके चलते ग्रामीण पास के वन क्षेत्रों में शरण लेने के लिए भाग गए। मृतकों की पहचान लेटखोंगम हाओकिप, टिनमेरी हाओकिप और जंगमिनलाल हाओकिप के रूप में हुई है।

मैं बीमार हूं, जमानत दीजिए, कोर्ट ने कहा- जेल में सभी सुविधाएं मौजूद

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

नीट पेपर लीक मामले में आरोपी मनीषा वाघमारे की जमानत याचिका पर राउज एवेन्यू कोर्ट ने फैसला सुरक्षित किया। 9 जून को कोर्ट मनीषा वाघमारे की जमानत पर फैसला सुनाएगा। मनीषा के वकील ने कहा कि वाघमारे 47 साल की महिला है जो वर्टिगो से जूझ रहीं हैं। सोमवार को भी जेल के हॉस्पिटल में भर्ती तक कराना पड़ा। मनीषा ने कहा कि मुझे जमानत दी जाए जब उसकी पूछताछ के लिए जहां भी जरूरत होगी वो जांच में शामिल होंगी। मनीषा की याचिका पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने कहा कि जेल में सभी चिकित्सा सुविधाएं मौजूद हैं और अगर जरूरत पड़ी तो अलग से एप्लीकेशन लगाएं। मनीषा ने कहा कि मेरे मेडिकल रिकॉर्ड को कोर्ट में रखा जाए कि कैसे मैं गंभीर शारीरिक बीमारियों से जूझ रहीं हूं। वहीं सीबीआई ने विरोध करते हुए कहा कि ये पेपर के कई सवाल बच्चों को पैसे के बदले लीक करती थी। हमारे पास बच्चों के बयान हैं। जिन्होंने कहा कि उन्होंने मनीषा वाघमारे को पैसे दिए.

सीबीआई ने जताया अपना विरोध

सीबीआई ने मनीषा वाघमारे की जमानत याचिका का विरोध करते हुए कहा कि ये अपने आप को सर्टिफाइड एजुकेटर बता रही हैं लेकिन वो एक ब्यूटी पार्लर भी चलाती हैं। मनीषा को केमेस्ट्री, बायोलॉजी और फिजिक्स के सवालों को दिया गया जिसे उसने लोखंडे को दिए जो शुभम को मिले। इस पर कोर्ट ने कहा कि एक सीबीआई द्वारा लिए स्टूडेंट्स के बयान को विस्तार से देखेगी। आखिर क्या सीबीआई के पास ऐसे बयान हैं जो मनीषा के खिलाफ हैं।

मेडिकल परेशानियों को जमानत से न जोड़ें

कोर्ट ने कहा कि मेडिकल सम्बंधित परेशानियों से जुड़ी बात है उसे जमानत से जोड़ कर न देखें। जेल प्रशासन के पास सारी मेडिकल सुविधाएं हैं और वो पूरा ख्याल रख सकते हैं। अगर कोई और जरूरत है तो अलग से एप्लिकेशन लगाएं।

मनीषा सर्टिफाइड एजुकेशन काउंसलर : वकील

मनीषा वाघमारे के वकील ने कहा कि वो सर्टिफाइड एजुकेशन काउंसलर है। उसे काउंसलिंग की फीस आती रहती है। सीबीआई जिस एक एंट्री की बात कर रही वो मुझे करीब 3.50 लाख रुपए एक एन्सेस्ट्रल प्रॉपर्टी के गिफ्ट डीड से आए। उसके खाते में कुछ इंक्रीमिनेटिंग नहीं है, जिसके आधार पर जेल में रखा जाए। उसके घर में सीबीआई के लोगों ने दो बार सर्च किया लेकिन एक बार कोई कैश नहीं मिला।

भारत आ रहा 'क्लाउड मिथोस', चुने संगठनों को एक्सेस

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

साइबर सिक्योरिटी की दुनिया में तहलका मचा देने वाला एंथ्रोपिक का क्लाउड मिथोस मॉडल अब भारत में प्रवेश करने के लिए तैयार है। भारत के कुछ संगठन को इसकी एक्सेस मिलने जा रही है। दरअसल, अमेरिकी कंपनी एंथ्रोपिक ने हाल ही में यह जानकारी दी। बताया गया कि वह ज्यादा संगठनों, सरकारों, साइबर सिक्योरिटी एजेंसियों को इस मॉडल की एक्सेस देगी। यह मॉडल बहुत पावरफुल माना जा रहा है और यह किसी भी ऑपरेटिंग सिस्टम और सॉफ्टवेयर को चुटकियों में हैक कर सकता है। इसलिए इसे अभी तक पब्लिक के लिए लांच नहीं किया गया है।

150 नए संगठनों को मिलेगी एक्सेस

एंथ्रोपिक ने कहा कि वह लगभग 150 नए संगठनों को इस मॉडल की एक्सेस देने जा रही है। इसके साथ ही इन संगठनों की कुल संख्या 200 पहुंच जाएगी। इससे पहले कंपनी केवल अमेरिका और यूके की कुछ कंपनियों के साथ इस मॉडल को टेस्ट कर रही थी। इसे फाइनेंशियल सर्विसेस, साइबर सिक्योरिटी, टेक्नोलॉजी, हेल्थकेयर, कम्युनिकेशन, पावर, वाटर और हार्डवेयर सेक्टर से जुड़ी कंपनियों के साथ टेस्ट किया जा रहा है।

छत्तीसगढ़ शासन जल संसाधन विभाग
कार्यालय कार्यपालन अभियंता,
जल संसाधन संभाग, धरमजयगढ़, जिला- रायगढ (छ.ग.)

शुद्धि पत्र क्र. 1

निविदा सूचना क्र. 01/व.ले.लि./2026-27, दिनांक 29.05.2026, निविदा सिस्टम नं. 191813 (प्रथम आमंत्रण), जी नम्बर- 262701095 में प्रकाशित "निम्नलिखित कार्यों के लिए दिनांक 29.05.2026, 17:30 तक ऑन लाईन निविदाए आमंत्रित की जाती है" के स्थान पर "निम्नलिखित कार्यों के लिए दिनांक 19.06.2026, 17:30 तक ऑन लाईन निविदाए आमंत्रित की जाती है" पढ़ा जावें।

निविदा की अन्य शर्ते यथावत रहेगी।

कार्यपालन अभियंता
जल संसाधन संभाग
धरमजयगढ़ (छ.ग.)

जी.262701211/3

छत्तीसगढ़ शासन जल संसाधन विभाग
कार्यालय मुख्य अभियंता, गोदावरी कछार, जल संसाधन विभाग, जगदलपुर, जिला बस्तर (छ.ग.)

e-PROCUREMENT TENDER NOTICE

eProcurement Portal: https://eproc.cgstate.gov.in

शुद्धि पत्र क्रमांक 04

इस कार्यालय द्वारा आमंत्रित नि.आ.सू. क्रमांक 02/वलेलि/26-27 दिनांक 13.05.2026, सिस्टम निविदा क्र. 190888 (प्रथम आमंत्रण) (जी-नंबर 262700736) दिनांक 15.05.2026, के संबंध में समस्त संभावित निविदाकारों को सूचित किया जाता है कि परियोजना से संबंधित अतिरिक्त ड्रॉइंग्स निविदा दस्तावेजों में जोडी गई हैं तथा इन्हें निविदा दस्तावेजों का अभिन्न अंग माना जाएगा। विस्तृत शुद्धिपत्र तथा अतिरिक्त ड्रॉइंग्स का अवलोकन छत्तीसगढ शासन के एकीकृत ई-प्रोक्योरमेंट पोर्टल **https://eproc.cgstate.gov.in** पर ऑनलाइन देखे जा सकते है।

टीप :- निविदा की अन्य सभी शर्तें एवं नियम यथावत रहेंगे।

कार्यपालन अभियंता
टी.डी.पी.पी. जल संसाधन संभाग, जगदलपुर
कृते मुख्य अभियंता गोदावरी कछार,
जल संसाधन विभाग, जगदलपुर (छ.ग.)

जी.262701244/5

राज्य परियोजना कार्यालय समग्र शिक्षा, छत्तीसगढ़
द्वितीय तल, एकीकृत शिक्षा भवन, पेंशनबाड़ा, रायपुर
टेलीफोन नं. 0771-2445052 Email-mis.head@gmail.com,

निविदा सूचना

समग्र शिक्षा, छत्तीसगढ़ के अंतर्गत राज्य के शासकीय शालाओं में वर्चुवल रियलिटी लैब की स्थापना के लिए GEM पोर्टल पर निविदा क्रमांक GEM/2026/B/7583063 जारी किया गया है। निविदा जमा करने की अंतिम तिथि 24 जून 2026 है। विस्तृत जानकारी http://gem.gov.in पर उपलब्ध है।

संवाद- 48051

कार्यालय महानिरीक्षक पंजीयन
एवं अधीक्षक मुद्रांक, छत्तीसगढ़, रायपुर
द्वितीय तल, वाणिज्यिक कर विभाग, जी.एस.टी. भवन, नार्थ ब्लॉक, सेक्टर-19, कैपिटल काम्प्लेक्स, अटल नगर (जिला-रायपुर) 492002, फोन 0771-2512180
ई मेल:- igreg.cg@nic.in

क्रमांक 1057/IT/246/2026 नवा रायपुर, दिनांक 01/06/2026

दर प्रस्ताव आमंत्रण सूचना

विषय: पंजीयन साफ्टवेयर के पेपरलेस मॉड्यूल हेतु मॉडल डीड तैयार किये जाने के संबंध में दर प्रस्ताव बाबत।

पंजीयन विभाग, छत्तीसगढ़ द्वारा दस्तावेजों के पंजीयन का कार्य कम्प्यूटरीकृत प्रणाली से संपादित किया जाता है। साफ्टवेयर के आगामी संस्करण में पंजीयन प्रणाली को पूरी तरह से पेपरलेस किया जाना है, जिसके लिये स्टाम्प अनुसूची में विनिर्दिष्ट लगभग 66 प्रकार के दस्तावेजों को पेपरलेस माड्यूल के लिये मानकीकरण कर मॉडल विलेख प्रारूप तैयार कराया जाना है। पंजीयन कार्यालयों में पंजीबद्ध होने वाले दस्तावेज अधिकांश दस्तावेज अचल संपत्ति के अंतरण से संबधित होते हैं ये दस्तावेज विधिक स्वरूप के होते हैं, अतएव मॉडल डीड का विधि एवं विधिक प्रक्रिया के सुसंगत होना आवश्यक है। अतएव दस्तावेज के मॉडल डीड प्रारूप तैयार करने का कार्य विधि व्यवसायियों के माध्यम से किये जाने का निर्णय लिया गया है। अत: उक्त कार्य के लिए इच्छुक विधि व्यवसाय करने वाले फर्म / संस्थाओं से दर प्रस्ताव आमंत्रित है। दर प्रस्ताव आमंत्रण की नियम एवं शर्ते निम्नानुसार है:-

1. दस्तावेजों का मॉडल डीड (विलेख प्रारूप) दस्तावेज हिन्दी एवं अंग्रेजी दोनों में तैयार कर भौतिक रूप से विभाग को दिया जाना होगा।
2. सेवा प्रदाता द्वारा तैयार किये गये प्रारूप का अंतिम अनुमोदन महानिरीक्षक द्वारा गठित समिति के द्वारा किया जायेगा।
3. फायनल मॉडल डीड तैयार कर भौतिक एवं डिजीटल डिवाईस में कार्यादेश जारी किये जाने के 30 दिवस के भीतर सौपा जाना होगा। इस समय सीमा में वृद्धि नही की जायेगी।
4. मॉडल डीड तैयार करने के लिए ईच्छुक व्यवसाईयों द्वारा सेवा शुल्क संबंधी दर प्रस्ताव प्रति दस्तावेज (Per Document) के मान से प्रस्तुत किया जाएगा। दस्तावेज में हिन्दी एवं अंग्रेजी दोनो प्रारूप मिलाकर एक दस्तावेज मान्य होगा।
5. मॉडल डीड तैयार करने संबंधी सीलबंद दर प्रस्ताव महानिरीक्षक पंजीयन कार्यालय में प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 15/06/2026 है। इसके पश्चात प्राप्त प्रस्तावों पर विचार नही किया जायेगा।
6. दस्तावेज के तद्समय प्रवृत किसी विधि के प्रतिकूल पाये जाने पर क्षतिपूर्ति की जिम्मेदारी संबंधित विधि व्यवसायी की होगी।
7. उक्त कार्य के संबंध में आवश्यक जानकारी कार्यालयीन अवधि में कार्यालय महानिरीक्षक पंजीयन, नवा रायपुर छ.ग. से प्राप्त की जा सकती है।

महानिरीक्षक पंजीयन
छत्तीसगढ़, रायपुर

जी. 262701217/2

प्रथम पृष्ठ का शेष

गर्मी ने निकाला बिजली संयंत्रों का दम...

की पूर्ति करने के लिए सेंट्रल सेक्टर से बिजली लेनी पड़ रही है। बिजली की खपत इस समय करीब छह हजार मेगावाट है। ट्रांसफार्मरों का भी हाल बुरा है। राजधानी रायपुर में ही करीब सौ ट्रांसफार्मरों को बदलना पड़ा है। इसी तरह से प्रदेश के कई शहरों में थोक में ट्रांसफार्मरों को बदलना पड़ा है। गर्मी के कारण पारा लगातार आसमान पर जा रहा है। इसी के साथ बिजली की खपत भी ज्यादा हो रहा है। ऐसे समय में छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कंपनी के कोरबा वेस्ट के 210 मेगावाट के तीन संयंत्र बंद हो गए हैं। दो संयंत्र तो करीब एक माह से बंद है। अभी ये ठीक भी नहीं हो पाए हैं और एक और संयंत्र में उत्पादन बंद हो गया है। गर्मी में बिजली संयंत्रों का बंद होना नया नहीं है। अभी गनीमत यह है कि मौसम थोड़ा बदलने के कारण प्रदेश में कुछ स्थानों पर बारिश के कारण खपत कम हो गई है। अगर खपत ज्यादा रहती तो बिजली कटौती की स्थिति आ सकती थी।

एसी-कूलर का धंधा ठंडा, युद्ध से भड़की ...

के कारण इस बार सीजन में उम्मीद से 200 करोड़ का कारोबार कम हुआ है। जहां एसी सवा लाख के आस-पास ही बिके, वहीं कूलरों की बिक्री भी करीब एक लाख कम हुई है। पंखों की डिमांड गर्मी में कम रहने के कारण इसकी बिक्री पर ज्यादा असर नहीं हुआ है, लेकिन कॉपर के दाम बढ़ने के कारण इसकी कीमत में इजाफा हो गया है। अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच लंबे समय से चल रहे युद्ध का असर हर सेक्टर में देखने को मिल रहा है। युद्ध के कारण महंगाई की मार पड़ रही है। एसी और कूलरों के दाम भी इसके कारण इस बार बढ़ गए है। एसी के दाम जहां कच्चे माल के दाम बढ़ने के कारण बढ़े, वहीं कूलरों के दाम प्लास्टिक और कॉपर का रेट बढ़ने के कारण बढ़े। सबसे ज्यादा दाम प्लास्टिक के कूलरों के बढ़े, क्योंकि प्लास्टिक के साथ कॉपर के दाम बढ़ने का भी असर पड़ा। **50 करोड़ के कम बिके कूलर** - गर्मी के सीजन में सबसे बड़ा कारोबार कूलरों का होता है। 2023 में जहां तीन लाख कूलर बिके थे, वहीं 2024 में साढ़े तीन और बीते बीते साल चार लाख से ज्यादा कूलर बिके हैं। इस बार पांच लाख से ज्यादा कूलर बिकने का अनुमान था। लेकिन कीमत बढ़ने के कारण करीब चार लाख कूलर ही बिक पाए हैं। लोकल कूलरों में विंडो कूलरों की मांग ज्यादा रहती है। ये कूलर चार से आठ हजार के बीच मिलते हैं। आज-कल तो दो हजार तक के छोटे कूलर भी आने लगे हैं। इसके अलावा रूम कूलरों की भी बड़ी डिमांड रहती है। रूम कूलरों में ब्रांडेड कूलर जहां 10 से 12 हजार के मिलते हैं, वहीं लोकल कूलर 5 से 8 हजार में मिल जाते हैं। एक कूलर की औसत कीमत छह हजार माने तो चार लाख कूलरों का करीब ढाई सौ करोड़ का कारोबार ही हुआ है। अगर उम्मीद के मुताबिक पांच लाख कूलर बिकते तो तीन सौ करोड़ का कारोबार हो जाता। थोक कारोबारी मनोज ग्वालानी के मुताबिक कीमत बढ़ने के कारण 20 फीसदी कारोबार प्रभावित हुआ है।

19 राज्यों में बारिश, छत्तीसगढ़ ......

तो दूसरी ओर मुसीबत भी बढ़ गई है। पेड़, टूट गए, खंभे गर गए, जगह-जगह पानी भर गया। मौसम विभाग ने बताया कि केरलमम के कई हिस्सों में जोरदार बारिश हो रही है। सड़कों पर पानी भर गया है और निचले इलाकों में बाढ़ जैसे हालात हो गए हैं। बता दें, मानसून आमतौर पर 1 जून को केरलमम पहुंचता है। डेढ़ महीने में पूरे देश को कवर करता है। वापसी आमतौर पर 17 सितंबर के आसपास राजस्थान से शुरू होती है और 15 अक्टूबर तक पूरी हो जाती है। **उत्तर भारत में कैसा रहेगा मौसम ?**- आईएमडी के ताजा पूर्वानुमानों के मुताबिक, 5 जून को उत्तरी भारत में पहाड़ों पर ओले और मैदानों में तूफान का असर देखने को मिल सकता है। मौसम विभाग ने कहा है कि उत्तर-पश्चिम भारत के पहाड़ी राज्यों जैसे जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में कल छिटपुट स्थानों पर ओलावृष्टि होने की आशंका है।

डॉ. नरेन्द्र अग्रवाल
Skin Care
चर्म एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं
• लेजर हेयर रिमूवल • कैमिकल पीलिंग
• हाइड्रोफेशियल • रेडियोफ्रिक्वेंसी
• कार्बन फेशियल • एलर्जी टेस्ट
रविवार अवकाश
क्लीनिक : छत्तीसगढ़ कॉलेज के सामने, सिविल लाईन, बैरनबाजार, रायपुर (छ.ग.) समय : सुबह 10:00 से 2:00 बजे तक
सिटी कोतवाली के पास, छोटापारा रोड, रायपुर (छ.ग.) शाम 5:00 से 8:30 बजे तक, फोन : 0771-2546760, 9300323131

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
• प्रसूति • नवजात • शिशु रोग
• बांझपन • सोनोग्राफी • आयुष्मान कार्ड
• बच्चों एवं बड़ों के आपरेशन • अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221, 9301744425

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल
डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA
भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, फोन : 0771- 4060929, मो. 7389485756

मानसून आगे बढ़ रहा, पर ...

से दूर है। इन इलाकों में उमस भरी दोपहर की गर्मी के बाद अंधड़ जैसी संभावना बनी हुई है। मौसम विशेषज्ञों ने बताया कि पश्चिम मध्य बंगाल की खाड़ी के कुछ और भाग, पूर्व मध्य अरब सागर, गोवा, कर्नाटक के कुछ और भाग, तमिलनाडु, दक्षिण पश्चिम बंगाल की खाड़ी में शुक्रवार को दक्षिण पश्चिम मानसून पहुंच गया है। इसके आगे बढ़ने के लिए अनुकूल परिस्थितियां बनी हुई हैं। एक ऊपरी हवा का चक्रीय चक्रवाती परिसंचरण पूर्वी उत्तर प्रदेश और उसके आसपास 1.5 किलोमीटर ऊंचाई तक विस्तारित है। शनिवार को एक दो स्थान पर हल्की वर्षा होने अथवा गरज चमक के साथ छींटे पड़ने की संभावना है।

कंप्यूटर साइंस के साथ कानून ...

काउंसिल ऑफ इंडिया द्वारा अनुमति प्रदान कर दी गई है। विशेष बात यह है कि अनुमति के लिए अवश्यक जांच ऑनलाइन मोड में हुई है। गौरतलब है कि देश के किसी भी हिस्से में कानून संबंधित पाठ्यक्रम के संचालन के लिए बार काउंसिल ऑफ इंडिया की अनुमति आवश्यक होती है। सिलेबस तथा अन्य चीजों पर कार्य पूर्ण हो चुका है। परीक्षा व प्रयोगिक कार्य संबंधित गतिविधियों के लिए भी रूपरेखा बनाई जा चुकी है।

पांच वर्षीय पाठ्यक्रम...

जाएगी। इसके बाद के तीन वर्षों में छात्र कानून की पढ़ाई करेंगे। रविवि अध्ययनशाला में लॉ विभाग के अंतर्गत इसका संचालन होगा। शुरुआती बैच में 60 सीटें होंगी।

सिर पर मानसून, अब चिंता...

इसलिए व्यापक नुकसान की आशंका नहीं है, लेकिन मैदानी हकीकत पूरी तरह इससे मेल नहीं खाता। कई इलाकों में धान को खुला ही छोड़ दिया गया है।

धमतरी के संग्रहण केंद्रों में...

291.55 क्विंटल धान का उठाव कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि सभी संग्रहण केन्द्र में धान की छल्लियों को बारिश से सुरक्षित रखने कैप कव्हर से ढंका गया है। पिछले 10 साल से धान में नुकसान का कोई आंकड़ा नहीं है। बारिश से पहले ही संग्रहण केन्द्रों से धान का उठाव कर लिया जाता है।

दुर्ग जिले के संग्रहण केंद्रों में...

ने 130 राइस मिलरों से धान उठाव के लिए अनुबंध किया है। दुर्ग कलेक्टर अभिजीत सिंह ने बारिश करीब होने को देखते हुए संग्रहण केंद्रों से धान उठाव के लिए 15 जून की तिथि मुकर्रर की है। साथ ही चारों धान संग्रहण केंद्रों में अभी से ही धान की सुरक्षा के लिए कैप कवर भी स्टॉक किए गए हैं। हर रोज 2 हजार मीट्रिक टन धान का उठाव हो रहा है। इस हिसाब से 9 दिनों में संग्रहित पूरा धान का उठाव होने का दावा प्रशासन ने किया है।

बस्तर में 42 हजार टन से...

तक धान का उठाव करने के निर्देश दिए थे, लेकिन विपणन अधिकारी की बातों को मिलर्स नहीं मान रहे हैं। इसलिए अब तक धान का उठाव नहीं हो सका है। **ज्यादा दिनों तक खुले में रहा तो नमी और फफूंद का खतरा**- विशेषज्ञों के अनुसार लंबे समय तक भंडारित धान में नमी, फफूंद, रंग परिवर्तन, वजन में कमी तथा गुणवत्ता प्रभावित होने जैसी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। **शीघ्र होगा धान का उठाव**- बस्तर जिला विपणन अधिकारी आरके ध्रुव ने उम्मीद जताई है कि शेष बचे धान का जल्द ही उठाव हो जाएगा।

पहली बार छग में एयरफोर्स प्लेन से...

बारे जानकारी लेने कहा गया है। गौरतलब है कि 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योगा दिवस है। इसे ध्यान में रखते हुए परीक्षा संचालन में कहीं कोई दिक्कत नहीं हो यह सुनिश्चित करने कहा गया है। योगा दिवस से संबंधित गतिविधियों के कारण किसी भी परीक्षा केंद्र में परीक्षा संचालन प्रभावित नहीं हो, इसका विशेष ध्यान रखा जाएगा। परीक्षा केन्द्रों पर आने-जाने के लिए समुचित व्यवस्था की जाएगी।

विधायक संग विवाद ...

तहसीलदार को हटाने के बाद एसडीएम फागेस सिन्हा को भी हटाने की अटकलें भी लगाई जा रही हैं। उल्लेखनीय है कि सीतापुर विधायक रामकुमार टोप्पो की बहन ने 27 अप्रैल को नायब तहसीलदार तुषार मानिक पर बदसलूकी करने, वहीं नायब तहसीलदार ने विधायक एवं उनके समर्थकों पर मारपीट करने का आरोप लगाया था। विधायक की गिरफ्तारी की मांग लेकर छत्तीसगढ़ कनिष्ठ सेवा संघ के अधिकारी तथा कर्मचारी अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गए थे।

शिव एम्ब्रोकेशन ऑयल
रजि नं. 1721362
कापीराईट नं. 88763/10
नकली माल से सावधान
दर्द का दुश्मन 25 दर्द की एक दवा - सिर दर्द, कमर दर्द, पसली दर्द या किसी भी अंग के आकस्मिक दर्द पर, दांत-दाढ़ के दर्द पर, चोट, मोच, सूजन पर, सर्दी- जुकाम पर, खांसी व श्वास (दमा) पर, न्यूमोनिया पर, गांठ (मांस की गांठ पड़ जाने पर), गिल्सी पर, टांसिल बढ़ने पर, कुलंग वात (सायटिका) पर, गठिया वात पर, चिकनगुनिया के दर्द पर, पेट फूलने पर, पेट दर्द व गैस पर, ताजे घाव का खून बंद करने के लिए, पके घाव के चारों और सूजन पर, खाज-खुजली पर, उठती हुई फुड़िया, बिस्कुटी आदि पर, खुर्रा पर, बिवाई फटने पर, बर्र काटने पर, बिच्छू काटने पर, थकावट पर असरकारक है।
HMS देखकर खरीदें
94060-21769

epaper- www.haribhoomi.com
हरिभूमि Classified
Email- hbclassified375@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact For Advertisement Booking
Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur
Mo.- 9826782100

आवश्यकता है

आवश्यकता है- आफिस में कार्य हेतु एक चपरासी (लड़का) की आवश्यकता है। कार्य समय 10.30 से 2बजे एवं 4बजे से 8.30 तक, वेतन 6000 पता- प्रेम अर्पाटमेंट, मुंगेली नाका चौक, बिलासपुर 9827181122 (41058)

आवश्यकता है- ट्रेण्ड ऑप्टोमेट्रिस्ट की आवश्यकता है। सैलरी योग्यता अनुसार देय होगी। मिलने का समय- शाम 5 बजे से 7 बजे तक सम्पर्क करें- जय अम्बे नेत्रालय रिंग रोड नं.-2 बिलासपुर 8349949990 (41057)

आवश्यकता है- अनुभवी ड्राइवर की आवश्यकता है। ड्राइविंग लाइसेन्स सहित सम्पर्क करें- जय अम्बे नर्सिंग होम महाराणा प्रताप चौक रिंग रोड नं.-2 बिलासपुर 99819 70853 (41059)

आवश्यकता है- ऑटोमैटिक (स्वचलित) गाड़ी चलाने हेतु ड्राइवर की आवश्यकता है (दोपहर 2बजे से रात 12बजे) सैलरी 13000 सम्पर्क- होटल रॉयल रामा, पुराना बस स्टैण्ड के पास टेलीफोन एक्सचेंज रोड, बिलासपुर 98933 92495 (41064)

आवश्यकता है- उमा एजेन्सी में दुकान में कार्य करने हेतु लड़के/ लड़कियों एवं ऑटो, छोटा हाथी चलाने हेतु ड्राइवर की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- विजय नगर देवरीखुर्द बिलासपुर 9301517722 (41066)

आवश्यकता है- बिलासपुर रेस्टोरेन्ट में शाकाहारी भोजन एवं नाश्ता बनाने वाले अनुभवी कारीगर पुरुष/ महिला की आवश्यकता है। रहने के लिए आवास उपलब्ध। सम्पर्क करें- 8602906819, 74155 55744 (41067)

आवश्यकता है- मेडिकल एजेन्सी में कम्प्यूटर ऑपरेटर एवं माल निकालने, पैकिंग कार्य हेतु युवक युवती की आवश्यकता है सम्पर्क करें- श्री गुरुकृपा मेडिकल एजेन्सी मेडिकल काम्पलेक्स तेलीपारा बिलासपुर 9301357092 (41054)

Required- Qualified experience B.Ed male/ female. Teachers Sub SST, English, Hindi & Teachers for Nur to KG-2 interview on 9-10th June at 8:30am to 12pm. Contact- Anandamarga High School, Behind Bilasa Tal, Koni road, Devnagar Bilaspur 8770257102 (41042)

आवश्यकता है- कार शोरूम में निजी सुरक्षा एजेन्सी के अन्तर्गत कार्य करने हेतु गार्ड (लड़का/ लड़की) न्यूनतम ऊंचाई 5'5" हो अनुभवी को प्राथमिकता। वेतन 11000 से शुरू इच्छुक व्यक्ति सम्पर्क करें- उमा सिक्यूरिटी सर्विसेज महाराणा प्रताप चौक के पास, बिलासपुर 8770927383. 9425534940 (41062)

आवश्यकता है- घर में काम करने एवं बच्चे को संभालने के लिए 24 घंटे के लिए लड़की की आवश्यकता होती है। सम्पर्क करें- 8871893220 (41065)

आवश्यकता है- हाउस किपिंग स्टाफ, कुक, टीचर्स मरीजों, बुजुर्गों और बच्चों की सम्पूर्ण देखभाल करने के लिए इच्छुक लड़कियों, महिलाओं, लड़कों, पुरुषों की तुरन्त आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- 70244 77656 (41043)

आवश्यकता है- विज्ञापन एजेन्सी में सुपरवाईजर, बैटरी रिक्शा ड्राईवर, इलेक्ट्रीशियन, फ्लेक्स माउंटिंग हेतु लडकों एवं एलईडी लेटर कार्य हेतु लड़कियां चाहिए सम्पर्क करें- सी15, ग्राउंड फ्लोर नारायण प्लाजा बिलासपुर 62645 50163, 9685542250, 7049098581 (41044)

आवश्यकता है- Tally, GST, दैनिक लेखाजोखा हेतु अनुभवी एकाउंटेंट की आवश्यकता है। B.Com, M.Com, MBA (Finance) अभ्यर्थियों को प्राथमिकता। वेतन योग्यता अनुसार, सम्पर्क करें- अजय फैब्रिकेशन तेलीपारा मेन रोड, बिलासपुर 9826152996, 772289090 (41052)

आवश्यकता है- थोक दवा दुकान हेतु अनुभवी लड़कों की आवश्यकता है। (दवाइयाँ निकालने पैकिंग) दवा दुकान में कार्य का अनुभव आवश्यक सम्पर्क- मेलाराम हेमन्त कुमार शॉप नं-54, मेडिकल कॉम्प्लेक्स तेलीपारा बिलासपुर 7999934599 (41056)

आवश्यकता है- बिलासपुर जांजगीर जिलों में सुरक्षा गार्ड, सुपरवाईजर, माली, जेम टेंडर अनुभवी की आवश्यकता है। (पीएफ ईएसआई मेडिकल आवास सुविधा फ्री) सम्पर्क करें- सिद्धी विनायक सिक्यूरिटी, राजेंद्र नगर बिलासपुर 91111 75190, 9098318675 (40952)

आवश्यकता है- श्री पब्लिक इंग्लिश मिडियम स्कूल चिंगराजपारा में अंग्रेजी- 2पद, हिन्दी- 2पद, गणित- 2पद, कॉमर्स- 2पद सामान्य अध्ययन -5पद शिक्षिकाओं की आवश्यकता है। अतिशीघ्र सम्पर्क करें- 9303296169 (41045)

आवश्यकता है- छोटे बच्चे की देखभाल के लिए नोनी/ लड़की की आवश्यकता है सम्पर्क करें- पी. पुरी, मित्र विहार, नारायण प्लाजा के पास, लिंक रोड, बिलासपुर 9714927620, 89808 09043 (41046)

आवश्यकता है- अनुभवी OT टेक्नीशियन, अनुभवी X-ray टेक्नीशियन, अनुभवी (Male, Female) नर्सिंग स्टाफ, अनुभवी फार्मासिस्ट (मेडिकल स्टोर हेतु) आवश्यकता है। सम्पर्क करें- प्रभा हॉस्पिटल, महामाया चौक, रतनपुर रोड, लोधीपारा सरकंडा बिलासपुर 74709 46314 (894)

आवश्यकता है- औद्योगिक क्षेत्र हेतु मार्केटिंग ऑफिसर, यूनिट सुपरवाइजर, सुरक्षा गार्ड, एक्समेन, लेडीस गार्ड, कम्प्यूटर ऑपरेटर योग्यता 8वीं से स्नातक वेतन 10000 से 30000, सुविधा- ईपीएफ, रहने, खाने की सुविधा सम्पर्क करें- भारती सिक्योरिटी सर्विस कैपिटल प्लाजा 411, लालपुर रायपुर 9302390554,93438 09026 (031)

आवश्यकता है- नेहरू नगर बिलासपुर शॉप में कार्य करने के लिए स्मार्ट फीमेल रिसेप्शनिस्ट की आवश्यकता है। आकर्षक पर्सनैलिटी, बेहतरीन कम्युनिकेशन स्किल्स होना अनिवार्य है। वेतन- 8000 से 15000 सम्पर्क करें- 8770832241 (41037)

आवश्यकता है- स्कूल और कॉलेज में कोचिंग सेन्टर की मार्केटिंग के लिए एक लड़के या लड़की की आवश्यकता है। पार्ट टाइम जॉब। सम्पर्क करें- दीपाली 9244082336 (41051)

आवश्यकता है- फाइनेंशियल इन्वेस्टमेंट कम्पनी में पार्टटाइम काम कर कमाएं मासिक आय 30000 से 50000, पुरुष/ महिला, फ्रेशर, अनुभवी सेवा निवृत व्यक्ति सम्पर्क करें- उत्कर्ष बैंक के ऊपर राजकिशोर नगर, बिलासपुर 7000103040 (41047)

आवश्यकता है- कम्प्यूटर ऑपरेटर- 2पद, गार्ड- 2पद, स्टोर्स कीपर- 1पद, वेटर- 4पद, कैप्टन- 2पद की आवश्यकता है सम्पर्क करें- दोपहर 1बजे से शाम 5बजे तक, मौसाजी स्वीट्स गोल बाजार बिलासपुर (3184)

आवश्यकता है- दुकान में कार्य करने हेतु कर्मचारीयों एवं सेल्समैन की आवश्यकता है सम्पर्क करें- बजाज पेंट्स पुराना बस स्टैण्ड एवं मंगला चौक बिलासपुर 98271 67987, 9300617113 (41050)

आवश्यकता है- बर्तन दुकान में कार्य करने हेतु 2 लड़कों की आवश्यकता है वेतन 4 अंको में, सम्पर्क करें- घर संसार, नरेश बाजार के सामने, बजरंग कॉम्प्लेक्स के पास ,पुराना बस स्टैण्ड तेलीपारा बिलासपुर 7999822285 (41055)

आवश्यकता है- रोजगार सूचना LIC में बीमा सखी एवं एजेंट भर्ती अभियान योग्यता 10वीं पास, 7000+ उच्च कमीशन पार्ट/फुल टाइम साक्षात्कार दिनांक 9जून LIC बिलासपुर सम्पर्क- अजय कुमार सिंह (विकास अधिकारी) 9893311075 (41053)

आवश्यकता है- घर में खाना बनाने हेतु महिला की आवश्यकता है सम्पर्क करें- सुबह 9 से शाम 7बजे तक, डॉ. अनिल अग्रवाल, प्रकृति लूथरा नर्सिंग होम के पीछे, नेहरु नगर, बिलासपुर 79998 77858 (41039)

आवश्यकता है- होटल में काम करने हेतु रोटी बनाने वाले, हेल्फर, टेबल सफाई, वेटर, साउथ इंडियन मिस्त्री, वेतन योग्यतानुसार रहने खाने की सुविधा सम्पर्क करें- पाण्डेय स्वीट्स, अशोक नगर बिलासपुर 9907748408, 9300810110 (41041)

आवश्यकता है- कम्प्यूटर ऑपरेटर (जो कोरल / फोटोशॉप अनुभवी हो) एवं बुक बाइंडर/ हेल्पर की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- अग्रवाल प्रिंटिंग प्रेस, यश पैलेस के पास करबला रोड बिलासपुर 9300620013 (41049)

आवश्यकता है- बिलासपुर में अकाउंटेंट, इलेक्ट्रीशियन, हाउस कीपिंग स्टाफ (पुरुष), घरेलू खाना बनाने वाली (समय 8am से 7pm) चाहिए। इलेक्ट्रीशियन 3फेज वायरिंग अनुभवी हो। आकर्षक वेतन। अनुभवी को प्राथमिकता सम्पर्क करें- 6264315731 (41024)

आवश्यकता है- ऑफिस कार्य हेतु कम्प्यूटर अनुभवी लड़की/ लड़का, टेलीकॉलिंग हेतु लड़की एवं मार्केटिंग हेतु लड़की/ लड़का की आवश्यकता है सम्पर्क करें- एस.एस. एनर्जी इंटरप्राइजेस वृन्दावन प्लाजा नेहरु चौक बिलासपुर 9827475898, 8234078440 (41031)

आवश्यकता है- कार ड्राइवर 2पद, कम्प्यूटर अनुभवी फ्रंट आफिस एग्जीक्यूटिव 2पद (M/F) की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार, रहने खाने की सुविधा सम्पर्क करें- होटल डाउन टाउन राजकिशोर नगर बिलासपुर 95163 00022, 9144666000 (41032)

आवश्यकता है- मेडिकल एजेन्सी में कार्य करने हेतु कम्प्यूटर आपरेटर लड़के की आवश्यकता है सम्पर्क करें- मेडिकल काम्प्लेक्स तेलीपारा बिलासपुर 7974670905 (41026)

आवश्यकता है- थोक स्टेशनरी दुकान में काम करने के लिए मेहनती लड़कों की अतिशीघ्र आवश्यकता है सम्पर्क करें- राधे श्याम स्टेशनरी सरजू बगीचा रोड तेलीपारा बिलासपुर (40884)

आवश्यकता है- रेस्टोरेन्ट हेतु फ्राई पेन मिस्त्री, तंदूर रोटी कारीगर, मार्केटिंग स्टोर हेतु युवक (स्वयं का वाहन), वेटर, हेल्पर लड़के/ लड़कियां चाहिए। (खाना रहना फ्री) सम्पर्क करें- मुर्ग मसल्लम रेस्टोरेन्ट बिलासपुर 78791 21999 (14744)

आवश्यकता है- दो लड़के रूम सर्विस के लिए एवं सादा भोजन बनाने के लिए दो मिस्त्री (महिला/ पुरुष) की आवश्यकता है सम्पर्क करें- होटल राज दयालबंद बिलासपुर (41036)

आवश्यकता है- बिलासपुर लॉज में मैनेजर (1पद, आयु 25वर्ष से ऊपर, वेतन 10000 से ऊपर योग्यता/ समयानुसार) अनुभवी बिजली मिस्त्री, स्वीपर/ हाउस कीपिंग हेतु पुरुष की आवश्यकता है सम्पर्क करें- 9406390898, 98279 40898 (41004)

आवश्यकता है- होलसेल मेडिकल एजेन्सी में कार चलाने हेतु अनुभवी ड्राइवर चाहिए। वेतन योग्यता अनुसार। लाइसेन्स, बायोडाटा, आधार कार्ड सहित सम्पर्क करें- नेशनल मेडिकोज, नागरिक सहकारी बैंक के पास, बृहस्पति बाजार 8098797774 (41029)

आवश्यकता है- होलसेल एवं दवाई दुकान में कार्य हेतु लड़के तथा ड्राईवर (जो ऑटोमैटिक Disere और Waganor चला सके) की आवश्यकता है सम्पर्क करें- 7869797088, 87709 39973 (41008)

आवश्यकता है- भारत के सबसे बड़े राइड-बुकिंग प्लेटफॉर्म रैपिडो से जुड़ें। ऑटो या ई-रिक्शा चलाकर प्रतिदिन 500-1000 तक की गारंटीड कमाई करें बिना किसी कमीशन के। जुड़ने के लिए कॉल करें - 8929449955 (63586)

आवश्यकता है- रायगढ़ एवं रायपुर की फैक्ट्रियों हेतु सिक्योरिटी गार्ड, सिक्योरिटी सुपरवाइजर एवं फील्ड ऑफिसर की आवश्यकता है। वेतन- 15000 से 18000 प्रतिमाह, PF, ESIC रहने-खाने की व्यवस्था उपलब्ध सम्पर्क करें- 9201958117, 8109080600 (855)

आवश्यकता है- खेती बाड़ी का कार्य करने हेतु फैमिली वाले की आवश्यकता है जो वहां रहकर कार्य कर सके दोनों मिलाकर तनख्वा- 14000 महीना सम्पर्क करें- 97542 93974 (41030)

आवश्यकता है- मार्केटिंग के लिए सेल्समैन एवं दुकान में कार्य के लिए कर्मचारी की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- श्री गणपति ट्रेडर्स, मंगला चौक, बिलासपुर 92016 66660 (41028)

बेचना

बेचना है- चकरभाठा से लेकर बिल्हा रोड के बीच में ग्राम पंचायत रहंगी (चकरभाठा) मेन रोड से लगा 13 डिसमिल डायवर्टेड जमीन मकान बनाने हेतु उपयुक्त बेचना है सम्पर्क करे- 8889919703, 91319 32797 (41027)

बेचना है- प्लाट बेचना है मेन एनटीपीसी सीपत रोड में मोपका मेन रोड में 60×200= 12000 वर्गफीट कमर्शियल प्लाट बेचना है सम्पर्क करें- 9202479945 7828539364 (41025)

बेचना / किराया - जूना बिलासपुर मेन रोड 215 वर्ग फुट डबल स्टोरी दुकान बेचना या किराए से देना है। सम्पर्क करें- प्रिन्स नावेल्टी गोल बाजार बिलासपुर हिरीश श्यामनानी 9827466134, राजेश श्यामनानी 93006 25174 (916)

बेचना है- पुराना प्रताप टॉकीज चौक, कम्पनी गार्डन और डॉक्टर कॉलोनी के पास डबरीपारा में 2800 वर्गफुट कमर्शियल प्लॉट एक साथ या दो टुकड़े में बेचना है। डॉक्टर्स हेतु अतिउत्तम। सम्पर्क- 9300416538 (41063)

बेचना है- नागोराव शेष स्कूल कॉम्प्लेक्स मेन रोड जूना बिलासपुर स्थित दुकान नम्बर-2, साइज- 11×22 अतिशीघ्र बेचना है सम्पर्क करें- 93401 93393 (41034)

किराया

किराया - (1) प्रथम मंजिल में एक कमरा, एक हाल, किचन, लेटबाथ (2) दो कमरे किचन लेटबाथ किराये से देना है चंदेला नगर कालोनी MIG-A/102 रिंग रोड नं.-2 बिलासपुर सम्पर्क करें- 7000354988 (41061)

किराया- गंगा नगर फेस-1 में 36 सिटी मॉल के बाजू में 3बेडरूम, हाल, किचन, 2बाथरूम पोर्च, आंगन, बोर सहित मकान किराए से शासकीय कर्मचारी को देना है सम्पर्क करें- 7389343633, 9340821606 (41035)

शैक्षणिक

प्रवेश प्रारंभ- फेल विद्यार्थी समय बचाए पत्राचार, ओपन, प्राईवेट, द्वारा 10वी, 12वी पास करेः- B.A, B.Com, B.Sc, BCA, MCA, BBA, M.A M.Com, M.Sc, MBA, MSW, B.Lib, M.Lib, DCA, PGDCA, Poly-technic, B.Tech, अपनी अधूरी पढ़ाई एक साल में पूरी करे सभी कोर्सेस मान्यता प्राप्त युनिवर्सिटी द्वारा सम्पर्क करें- Bharti Education Academy Sector-6 Bhilai 9826196515, 9826896515 (4154)

Medicare Specialists
छोटा लिंग निराश क्यों?
जोश जगा दे धूम मचा दे।
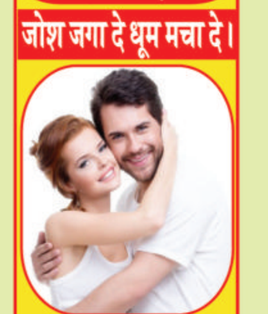
18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंगको 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढाएं।
नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये।
लाभ नही तो पैसे वापिस।
09083218330

सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक, कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

हरिभूमि में लघु विज्ञापन देने हेतु सम्पर्क करें

- जिला कार्यालय कोरबा:- बी.ब्लॉक, कॉमर्शियल काम्पलेक्स, ट्रांसपोर्ट नगर, जिला कोरबा (छ.ग.) मो. 9644018888, 7581808267
- जिला कार्यालय मुंगेली:- थाना के सामने गली, गोल बाजार, जिला- मुंगेली (छ.ग.) मो. 9303508230

शिवम एड एजेंसी & पब्लिसिटी:-	मो. 9993567380, 8770837744
एड प्रयास:-	मो. 9826701269, 9926003943
श्यामनानी एडवरटाईजर्स:-	मो. 9827168452, 9300625174
रिद्धीसिद्धी एडवरटाइजर्स & पब्लिसिटी:-	मो. 9826129386, 8319503386
जे.जे. एडवरटाइजर्स:-	मो. 9300659628
रौनक पब्लिसिटी:-	मो. 9300328290, 9981658490
भार्गव एडवरटाइजर्स:-	मो. 9827167997
श्रीसिद्धि विनायक एडवरटाइजर्स:-	मो. 9826705603
एम.जी.आर. एडवरटाइजर्स:-	मो. 9827180896, 9131155033
श्री श्याम पब्लिसिटी:-	मो. 9425540759
अमित पब्लिकेशन:-	मो. 9826304304, 9827124304
विप्रा विज्ञापन सेवा:-	मो. 9302462506
माधवास & कम्पनी:-	मो. 9977185123, 9893115084
बालाजी एडवरटाइजर्स:-	मो. 9827466133, 9907047586

सूर्या की जगह अय्यर होंगे टी20 टीम के कप्तान

एजेंसी ▶▶| मुंबई

भारतीय चयन समिति शनिवार को जब ब्रिटेन के दौरे और एशियाई खेलों के लिए टीम को अंतिम रूप देने के लिए बैठक करेगी तो श्रेयस अय्यर को सूर्यकुमार यादव की जगह टी20 टीम की कप्तानी मिलना तय है।

भारत के ब्रिटेन के दौरे में 26 और 28 जून को बेलफास्ट में आयरलैंड के खिलाफ दो टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले जाएंगे। इसके बाद भारत इंग्लैंड के खिलाफ 1 जुलाई से शुरू होने वाले 5 टी20 अंतरराष्ट्रीय और 3 वनडे मैच खेलेगा। एशियाई खेल सितंबर-अक्टूबर में आइची-नागोया में होंगे और निर्धारित समय सीमा को देखते हुए टीम की घोषणा समय से पहले की जा रही है।

वैभव की सीनियर टीम में शामिल किए जाने की संभावना

ऐसी संभावना है कि तिलक वर्मा नए उप-कप्तान होंगे, जबकि 15 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी को पहली बार सीनियर टीम में शामिल किया जाएगा। सूर्यकुमार को न केवल इस साल की शुरुआत में टी20 विश्व कप जीतने के बावजूद कप्तान पद से हटाया जा रहा है, बल्कि पिछले 18 महीनों में उनके खराब प्रदर्शन के कारण उन्हें टीम में जगह मिलने की उम्मीद नहीं है।

ब्रिटेन दौरे और एशियाई खेलों के लिए टीमों की घोषणा

चयन समिति ब्रिटेन दौरे और सितंबर-अक्टूबर में जापान में होने वाले एशियाई खेलों के लिए दो अलग-अलग टीमों की घोषणा करेगी। एशियाई खेलों के लिए तिलक वर्मा को कप्तान बनाया जा सकता है और सूर्यवंशी के भी उस टी20 टीम का हिस्सा होने की संभावना है। कुछ नए नाम इस दौड़ में शामिल हो सकते हैं, जिनमें तेज गेंदबाज प्रिंस यादव और बाएं हाथ के स्पिनर हर्ष दुबे भी शामिल हैं।

टेस्ट में तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करेंगे सदुर्शन : गंभीर

एजेंसी ▶▶| मुल्लांपुर

भारत के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने स्पष्ट किया कि साई सुदर्शन को टेस्ट क्रिकेट में तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने के पर्याप्त मौके दिए जाएंगे क्योंकि बाएं हाथ के इस बल्लेबाज के 6 मैच में निराशाजनक प्रदर्शन से उनकी क्षमता का आकलन नहीं किया जा सकता है।

सुदर्शन ने अब तक खेले गए 6 टेस्ट मैचों में 27.45 के औसत से कुल 302 रन बनाए हैं, लेकिन मुख्य कोच ने कहा कि उन्हें देवदत्त पडिक्कल पर तरजीह दी जाएगी, जो इस स्थान के लिए एक अन्य दावेदार हैं। पडिक्कल ने पर्थ में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 2024 में टेस्ट मैच के बाद से लंबी अवधि के प्रारुप में भारत का प्रतिनिधित्व नहीं किया है। गंभीर ने कहा कि सुदर्शन को इंग्लैंड में तेज गेंदबाजों के लिए अनुकूल परिस्थितियों में खेलना पड़ा और इसे देखते हुए उन्हें बाहर करना अनुचित होगा।

साई को नहीं मिला उचित मौका

गंभीर ने कहा, 'सच कहूं तो साई को उचित मौका नहीं मिला है। उन्होंने बहुत कम टेस्ट मैच खेले हैं। उन्होंने अपने टेस्ट करियर की शुरुआत इंग्लैंड में की। हम सभी जानते हैं कि इंग्लैंड में खेलना आसान नहीं है।' उन्होंने कहा, 'आईपीएल में भी उनका प्रदर्शन शानदार रहा है (722 रन) और हम उन्हें उचित मौका देंगे। मुझे अब भी लगता है कि उन्हें पर्याप्त मौके नहीं मिले हैं।' इसका मतलब है कि पडिक्कल को इंतजार करना होगा क्योंकि फिटनेस संबंधी कोई समस्या न होने पर सुदर्शन कम से कम अगले 10 टेस्ट मैच खेलेंगे।

पडिक्कल को देंगे उचित मौका

गंभीर ने कहा, 'साईं खराब फॉर्म में नहीं हैं। उन्होंने आईपीएल में 700 से अधिक रन बनाए हैं। अगर हम साईं का आकलन चार पांच मैचों के आधार पर करेंगे तो फिर कोई ठोस राय नहीं बना पाएंगे।' गंभीर ने कहा, 'जब भी पडिक्कल का समय आएगा, हम उन्हें भी उचित मौका देंगे। यह किसी एक को पांच टेस्ट मैच और दूसरे को एक टेस्ट मैच में उतारने की बात नहीं है। अगर हम किसी एक को पर्याप्त मौका देते हैं, तो जब भी दूसरे को मौका मिलेगा हम उसे भी पर्याप्त मौके देंगे।

खबर संक्षेप

आज दिल्ली में माय भारत युवा सम्मेलन

नई दिल्ली। खेल और युवा कार्य मंत्रालय का 'माय भारत युवा सम्मेलन' शनिवार को आयोजित किया जाएगा, जिसमें ओलंपिक पदक विजेता पहलवान अमन सहरावत और राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी फर्राटा धावक गुरिंदरवीर सिंह समेत खेल जगत के कई सितारे भाग लेंगे। मंत्रालय के अनुसार त्यागराज स्टेडियम में होने वाले इस सम्मेलन में देश के 6 हजार से अधिक युवा भाग लेंगे। इनमें छात्र, युवा पेशेवर, उद्यमी, कंटेंट क्रिएटर्स शामिल होंगे। इस दौरान खेल, उद्यिता, प्रशासन और कंटेंट क्रिएशन से जुड़ी उदीयमान प्रतिभाओं को सम्मानित भी किया जाएगा।

रोम डायमंड लीगः 8वें स्थान पर रहे सचिन

रोम। भारतीय भाला फेंक खिलाड़ी सचिन यादव डायमंड लीग में पदार्पण करते हुए अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए और आठवें स्थान पर रहे, जबकि श्रीलंका के रुमेश थरंगा पथिरागे ने अपने करियर में पहली बार 90 मीटर का प्रतिष्ठित आंकड़ा पार करते हुए खिताब जीता। 26 वर्षीय यादव केवल 79.18 मीटर का सर्वश्रेष्ठ थ्रो ही कर सके, जो उनके व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 86.27 मीटर से काफी कम था। उन्होंने अपना यह सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पिछले साल तोक्यो विश्व चैंपियनशिप में किया था जहां वह चौथे स्थान पर रहे थे। उनका इस सत्र का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 81.95 मीटर है। यादव ने फाउल थ्रो से शुरुआत की तथा फिर अगले चार प्रयासों में 79.18 मी , 77.02 मी , 76.62 मीटर और 75.54 मीटर थ्रो किया। पांच थ्रो के बाद वह आठवें स्थान पर रहे।

उड़ान में बीमार पड़े निशानेबाजी कोच राणा

नई दिल्ली। मशहूर निशानेबाजी कोच जसपाल राणा जर्मनी के म्युनिख में हुए आईएसएसएफ विश्व कप से भारतीय दल के साथ लौटते हुए उड़ान में बीमार हो गए, जिसके बाद उन्हें चिकित्सा प्रक्रिया से गुजरना पड़ा । राणा भारतीय पिस्टल निशानेबाजों के हाई परफार्मेंस कोच हैं। भारतीय टीम ने टूर्नामेंट में दो स्वर्ण और दो रजत पदक जीते।

मुल्लांपुर में भिड़ेंगी गिल और शाहिदी की टीमें, मैच सुबह 9.30 बजे से

आठ साल बाद आमने-सामने भारत अफगानिस्तान, आज से इकलौता टेस्ट

एजेंसी ▶▶| मुल्लांपुर

भारत का पिछले कुछ समय में घरेलू टेस्ट मैचों में निराशाजनक प्रदर्शन रहा है, लेकिन उसकी टीम अब भी बेहद मजबूत है और वह विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के महत्वपूर्ण मैचों से पहले अफगानिस्तान के खिलाफ शनिवार से शुरू होने वाले एकमात्र टेस्ट क्रिकेट मैच में उचित संयोजन तैयार करने की कोशिश करेगा।

अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाला यह मैच डब्ल्यूटीसी का हिस्सा नहीं है लेकिन टीम की दिशा तय करने के लिहाज से यह काफी महत्वपूर्ण है।

इन दोनों टीम के बीच इससे पहले 2018 में टेस्ट मैच खेला गया था, जिसमें अफगानिस्तान ने लंच और चाय के सत्र के बीच 10 विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद तीसरे सत्र में उसकी दूसरी पारी भी सिमट गई थी और उसे करारी हार का सामना करना पड़ा था।

भारत का पलड़ा भारी

अब 2026 में हशमतुल्लाह शाहिदी की अगुवाई वाली अफगानिस्तान की टीम भारतीय टीम को कड़ी चुनौती देने की कोशिश करेगी, जो बदलाव के दौर से गुजर रही है और अभी तक उचित संयोजन तैयार करने के लिए संघर्ष कर रही है। इसके बावजूद भारत का पलड़ा काफी भारी नजर आ रहा है। लेकिन भारतीय खिलाड़ी पिछले साल बेहतरीन तैयारी के साथ मैदान में उतरी दक्षिण अफ्रीका की टीम से 0-2 से मिली करारी हार को नहीं भूले होंगे और वह अनुभव के अंतर के बावजूद विपक्षी टीम को हल्के में न लें तो बेहतर होगा।

मानव-हर्ष पर रहेगी नजर

मानव सुथार और हर्ष दुबे को टीम में रखा है। अगर पिछले कुछ दिन के नेट अभ्यास पर गौर करें तो सुथार बेहतर खिलाड़ी नजर आते हैं लेकिन दुबे का पलड़ा भी कम भारी नहीं है। मानव आक्रामक गेंदबाज नजर आते हैं जबकि दुबे का रवैया थोड़ा रक्षात्मक है लेकिन उनकी बल्लेबाजी अधिक मजबूत है।

टीमें इस प्रकार हैं

भारत :शुभमन गिल (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल (उपकप्तान), साई सुदर्शन, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), वॉशिंगटन सुंदर, नीतीश कुमार रेड्डी, हर्ष दुबे, कुलदीप यादव, प्रसिद्ध कृष्णा, मोहम्मद सिराज, मानव सुथार, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), गुरनूर बराड़, देवदत्त पडिक्कल।

अफगानिस्तान: हशमतुल्लाह शाहिदी (कप्तान), अब्दुल मलिक, रहमानुल्लाह गुरबाज, रहमानुल्लाह, अफसर जजई (विकेटकीपर), इकराम अलीखिल (विकेटकीपर), सेदिकुल्लाह अटल, रहमत शाह, अजमतुल्लाह उमरजई, शराफुद्दीन अशरफ, नांगेयालिया खारोटे, बिलाल सामी, कैस अहमद, मोहम्मद सलीम, जियाउर रहमान।

2018 में भारत ने दो दिन में जीता था मैच

जहां तक भारत और अफगानिस्तान के बीच मुकाबले की बात है तो आंकड़ों पर नजर डालने से भी अंतर स्पष्ट हो जाता है। अफगानिस्तान ने 2018 में बेंगलुरु में भारत के खिलाफ अपना पहला टेस्ट मैच खेला था, जिसे मेजबान टीम ने दो दिनों के भीतर ही जीत लिया था। इसके बाद से जून 2026 तक अफगानिस्तान ने 11 और मैच खेले हैं। इसी अवधि में भारत ने 67 टेस्ट मैच खेले हैं, जिनमें से ऋषभ पंत अकेले 49 मैचों का हिस्सा रहे हैं। संयोगवश, जब अफगानिस्तान आखिरी बार भारत के खिलाफ खेला था, तब पंत ने टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण भी नहीं किया था। 2018 की टीम से केवल केएल राहुल ही वर्तमान भारतीय टेस्ट टीम का हिस्सा हैं, जबकि अफगानिस्तान के कप्तान हशमतुल्लाह शाहिदी और बल्लेबाज रहमत शाह भी उस मैच में खेले थे।

फ्रेंच ओपन

सेमीफाइनल में पहुंचने पर माजा को लग रहा था होटल का बिल बढ़ने का डर

च्वालिंस्का ने पेरिस में नहीं कराया था पूरे समय के लिए होटल बुक

एजेंसी ▶▶| पेरिस

फ्रेंच ओपन 2026 शुरू होने से पहले अगर कोई कहता कि माजा च्वालिंस्का ग्रैंड स्लैम का फाइनल खेलेंगी तो शायद कोई भी हंस पड़ता, मगर अब वहीं होने जा रहा है, जिसकी कल्पना भी शायद किसी ने नहीं की होगी। इससे पहले तक ज्यादातर लोगों ने उनका नाम तक नहीं सुना था। माजा च्वालिंस्का को खुद भी यकीन नहीं हो रहा। वह जब इवेंट में उतरी थी तो उन्होंने भी नहीं सोचा था कि उनका सफर फाइनल तक पहुंच जाएगी, इसीलिए उन्होंने पैसे बचाने के लिए पूरे समय के लिए होटल भी बुक नहीं किया था। यहां तक कि सभी को चौंकाते हुए जब उन्होंने सेमीफाइनल में जगह बनाई तो उन्हें होटल का बिल बढ़ने का डर सताने लगा था। उन्हें डर था कि वो बिल कैसे चुका पाएंगी, मगर अब फाइनल में पहुंचने के बाद होटल खर्च को लेकर उनका डर खत्म हो गया है।

क्ले कोर्ट पर सिर्फ दो टूर-लेवल जीत थीं माजा

च्वालिंस्का जब पेरिस पहुंचीं, तो क्ले कोर्ट पर उनके नाम सिर्फ दो टूर-लेवल जीत थीं। उन्हें उम्मीद से ज़्यादा अनिश्चितता का सामना करना पड़ रहा था। आम तौर पर ऐसे रिकॉर्ड वाला खिलाड़ी क्वालिफ़ाइंग राउंड से आगे बढ़ने की कोशिश करता है, न कि किसी ग्रैंड स्लैम की कहानी को नए सिरे से लिखता है।

नॉर्वे चेस : क्लासिकल बाजी में प्रज्ञाननंदा ने गुकेश को हराया, वेस्ली से सिर्फ आधा अंक पीछे

एजेंसी ▶▶| ओस्लो

ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञाननंदा ने हमवतन गुकेश पर क्लासिकल बाजी में शानदार जीत हासिल करके नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट के खिताब की दौड़ में अपनी स्थिति मजबूत कर ली है। प्रज्ञाननंदा इस जीत के बाद शीर्ष पर काबिज अमेरिका के वेस्ली सो से सिर्फ आधा अंक पीछे रह गए हैं, जिससे यहां अंतिम दौर में रोमांचक मुकाबला होने की उम्मीद है।

प्रज्ञाननंदा ने काले मोहरों से खेलने के बावजूद विश्व चैंपियन गुकेश को क्लासिकल बाजी में हराकर पूरे तीन अंक हासिल किए। इससे वह इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट को जीतने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बनने की दौड़ में शामिल हो गए हैं। नौवें दौर के बाद प्रज्ञाननंदा 15 अंकों के साथ अमेरिकी ग्रैंडमास्टर वेस्ली सो (15.5) से ठीक पीछे दूसरे स्थान पर हैं।

खिताब की दौड़ में फ़िरोजा

फ्रांस के अलीरेजा फ़िरोजा भी 14.5 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रहकर खिताब की दौड़ में बने हुए हैं। इस तरह से अंतिम दौर में तीन खिलाड़ियों के पास खिताब जीतने का मौका है। महत्वपूर्ण बात यह है कि जो भी खिलाड़ी खिताब जीतेगा, वह पहली बार नॉर्वे शतरंज चैंपियन बनेगा। प्रज्ञाननंदा निर्णायक अंतिम दौर में जर्मनी के विंसेंट कीमर का सामना करेंगे जबकि वेस्ली सो का मुकाबला अलीरेजा से होगा।

जिनेर ने दिव्या को हराया

झू जिनेर ने काले मोहरों से खेलते हुए दिव्या देशमुख को हराया और तीन महत्वपूर्ण अंक हासिल किए। इससे वह दूसरे स्थान पर पहुंच गईं। कोनेरू हम्पी को महिला विश्व चैंपियन जू वेनजुन से आर्मागेडन टाई-ब्रेक में हार मिली।

विश्व कप में पानी की बोतलें बैन

कोरल गेबलेस। फीफा ने अपनी नीति में ऐन मौके पर बदलाव करते हुए उत्तर अमेरिका में होने वाले फुटबॉल विश्व कप के मैचों में फिर से भरी जाने वाली पानी की बोतलें स्टेडियम में लाने पर रोक लगा दी है। स्टेडियम आचार संहिता की इंग्लैंड के प्रशंसकों के एक समूह ने कड़ी निंदा की है, जिसका कहना है कि फीफा ने आश्वासन दिया था कि भीषण गर्मी के बीच होने वाले टूर्नामेंट में स्टेडियम में मुफ्त पानी की व्यवस्था रहेगी और दर्शक प्लास्टिक की खाली बोतलें ला सकेंगे। फ्री लायंस प्रशंसक समूह ने एक बयान में कहा,' हमें तो यही लग रहा है कि पैसा कमाने के लिए यह किया जा रहा है।' विश्व कप स्टेडियमों में पानी, सोड़ा और जूस फीफा के पुराने प्रायोजक कोका कोला के लिए बेचे जाएंगे।

एशियाई अंडर-18 हॉकी

पेनल्टी शूटआउट में हारी महिला टीम, स्वर्ण पदक की दौड़ से बाहर

काकामिगाहारा। भारतीय अंडर-18 महिला हॉकी टीम एशियाई चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में चीन से पेनल्टी शूटआउट में हार गई और इस तरह से स्वर्ण पदक की दौड़ से बाहर हो गई। भारतीय टीम चार क्वार्टर तक चले रोमांचक मुकाबले के 2-2 से बराबर रहने के बाद शूटआउट में 1-3 से हार गई। भारत की तरफ से निर्धारित समय में नौशीन नाज (तीसरे मिनट) और किरण एक्का (54वें मिनट) ने गोल दागे, जबकि ली जेयान (24वें मिनट) और झांग युज़ेंग (48वें मिनट) ने चीन के लिए गोल किए।

कांस्य के लिए भिड़ेगा भारत

महिला वर्ग का दूसरा सेमीफाइनल मैच जापान और कोरिया के बीच खेला जाएगा। भारत शनिवार को कांस्य पदक के लिए इस मैच में हारने वाली टीम से भिड़ेगा। भारत ने पहले क्वार्टर में शानदार शुरुआत करते हुए तीसरे मिनट में ही गोल दाग दिया। कप्तान स्वीटी कुजुर ने मिडफील्ड से नौशीन को एक बेहतरीन पास दिया, जिन्होंने जोरदार बैक-हैंड शॉट लगाकर गेंद को नेट में पहुंचा दिया।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

रूचि की अभिव्यक्ति (Expression of Interest-EOI)

विषयः दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के अंतर्गत कोचिंग ट्रेनों में बेहतर ऑन-बोर्ड हाउसकीपिंग सेवाएं (OBHS) प्रदान करने हेतु पेशेवर एजेंसियों के चयन के लिए रुचि की अभिव्यक्ति (EOI)।

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, PCME/SECR सक्षम एवं अनुभवी एजेंसियों से ईओआई आमंत्रित करता है, ताकि उन्हें सूचीबद्ध (Empanel) किया जा सके और वे "बेहतर ऑन–बोर्ड सेवाओं हेतु सुधार" संबंधी नीति दिशा–निर्देशों तथा निर्धारित तकनीकी मूल्यांकन मानदंडों के अनुसार उच्च गुणवत्ता वाली ऑन–बोर्ड हाउसकीपिंग सेवाएं प्रदान कर सकें।

प्रस्तुति विवरणः

- ईओआई प्रस्ताव निर्धारित प्रारूप में सीलबंद लिफाफे में, तकनीकी प्रस्ताव एवं संबंधित दस्तावेजों सहित प्रस्तुत किया जाए।
- प्रस्ताव निम्नलिखित स्थान पर रखे गए बॉक्स में जमा किए जाएं:
  कार्यालय: Dy-CME/Chg. & WS/SECR
  प्रथम तल, मैकेनिकल विंग, पुराना जीएम भवन, बिलासपुर 495004 (छत्तीसगढ़)
- प्रस्ताव कार्यालय समय (सोमवार से शुक्रवार) के दौरान ही स्वीकार किए जाएंगे।

दस्तावेज उपलब्धताः ईओआई दस्तावेज रेलवे की आधिकारिक वेबसाइट से डाउनलोड किए जा सकते हैं http://secr.indianrailways.gov.in
ईओआई दस्तावेज जमा करने की अंतिम तिथि व समयः **25.06.2026,15:00 बजे तक**। ईओआई बोली (Bid) खोलने की तारीख व समयः **25.06.2026, 15:30 बजे**।

सीपीआर/10/174 *प्रधान मुख्य यांत्रिक अभियंता/बिलासपुर*

South East Central Railway @secrail

कार्यालय नगर पालिक निगम बिलासपुर (छ.ग.)

द्वितीय ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना

क्र.11/न.पा.नि./जोन क्र. 04/2026-27 दिनांक 05/06/2026

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु ऑनलाईन (Online) निविदा दिनांक 22.06.2026 समय 5:30 बजे तक आमंत्रित की जाती है :-

निविदा क्रमांक/ सिस्टम टेंडर नं.	कार्य का विवरण	अनुमानित लागत (रु. लाख में)	अमानत राशि	निविदा प्रपत्र मूल्य
191527	जोन क्र. 04 के वार्ड नं. 29 के सिद्धार्थ नगर तारबाहर बिलासपुर में सी.सी.सड़क एवं आरसीसी नाली निर्माण कार्य।	16.25	12,200	750

उपरोक्त कार्य की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in से दिनांक 05.06.26 को सायं 5.31 बजे से डाउनलोड की सकती है।

कार्यपालन अभियंता, जोन क्र.04
नगर पालिक निगम बिलासपुर (छ.ग.)

Green City, Clean City, Dream City.

पश्चिम मध्य रेल

इंजीनियरिंग निर्माण शाखा

खुली निविदा (एकल पैकेट प्रणाली) ई. निविदा

क्रमांक डिप्टीसीई.-सी-सीधी-01-2026, दिनांकः 02.06.2026

उप मुख्य अभियंता (निर्माण) पश्चिम मध्य रेल, सीधी, भारत संघ के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु **ई. निविदा नोटिस क्रमांक डिप्टीसी.ई.-सी-सीधी-01-2026, दिनांक-02.06.2026** के द्वारा आमंत्रित करते हैं। निविदाएं बंद होने की तारीख **29.06.2026** एवं समय **15:00** बजे तक है। निविदाकर्ता अपनी मूल/संशोधित निविदा बंद होने के दिनांक एवं समय तक प्रस्तुत कर सकते हैं। उपरोक्त निविदा में हस्त निविदाएं स्वीकार्य नहीं होगी तथा हस्तनिविदाओं को उपेक्षित कर दिया जायगा। निविदाएं पूर्व उल्लेखित समय एवं दिनांक पर खोली जाएगी।, **निविदा क्र.:** डिप्टी सी.ई. -सी-सीधी-01-2026 दिनांक 02.06.2026, **कार्य का नाम लोकेशन सहितः** रेलवे विनिर्देश IS/RDSO-GE /0001:2023 के अनुसार 65 मिमी मशीन क्रश्ड कठोर एवं टिकाऊ ट्रैक स्टोन बैलास्ट की आपूर्ति, ढेर लगाना (स्टैकिंग) एवं लोडिंग, जिसमें समस्त लीड, लिफ्ट, कर, रॉयल्टी, शुल्क आदि सम्मिलित है, का कार्य उप मुख्य अभियंता/ निर्माण/सीधी के अधीन चुरहट डिपो में किया जाना।, **निविदा का अनुमनित मूल्यः** रू. 54385336.42, **निविदा फार्म की (कीमत रूपये):** रू 0.00, **बयाना राशि (रूपये में):** रू. 1087700.00, **कार्य समापन अवधि (माह):** 06 महीने मानसून सहित, **ई-निविदा बंद होने की और खुलने की तिथि एवं समयः** दिनांक -29.06.2026 को 15:00 बजे बंद एवं 15:00 बजे के बाद खोली जाएगी।, बोली आरंभ तिथः 15.06.2026, निविदाकर्ता अपनी निविदाएं आई.आर.ईपी.एस के माध्यम से **http://www.ireps.gov.in** पर आनलाइन निविदा करें। निविदाकर्ताओं से अनुरोध है, कि वे समय-समय पर बदलाव व शुद्धि पत्रों हेतु आई.आर.ई.पी.एस. की वेबसाईट **http://www.ireps.gov.in** देखते रहें। न्यूनतम पात्रता मानदंड टेन्डर फार्म के अनुसार इन निविदाओं के लिए लागू होगा।

(हस्ता)
उप मुख्य अभियंता (निर्माण)
पश्चिम मध्य रेल, सीधी

स्वच्छ भारत अभियान
एक कदम स्वच्छता की ओर

सोने की नीलामी की सूचना

बजाज फाईनान्स लिमिटेड ("BFL"); पंजीकृत कार्यालयः मुंबई-पुणे रोड, अकुर्दी, पुणे- 411035

BAJAJ FINANCE

ऋणियों एवं सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नीचे उल्लिखित ऋणियों ने बार-बार सूचना दिए जाने के बावजूद लोन का भुगतान या आवश्यक मार्जिन जमा नहीं किया है। इस कारण, ऋणियों द्वारा लोन के विरुद्ध सुरक्षा के रूप में गिरवी रखे गए सोने की नीलामी "जैसा है, जहाँ है" के आधार पर निम्नलिखित शर्तों के अनुसार की जाएगी:

1. क्यूआर कोड स्कैन कर सार्वजनिक सूचना (सोने का विवरण एवं सकल वजन) की सम्पूर्ण जानकारी देखें, 2. बोलीदाताओं के लिए सभी नियम एवं शर्तें निम्न लिंक पर उपलब्ध हैं: All about our Terms and Conditions - Bajaj Finance Limited 3. सभी बोलीदाताओं को नीलामी से पूर्व ₹25,000/- की अग्रिम जमा राशि (EMD) ऑनलाइन ट्रांसफर के माध्यम से जमा करना अनिवार्य है; 4. नीलामी स्थल पर प्रातः 10 बजे वैध पहचान एवं पते के प्रमाण के साथ व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होना अनिवार्य है।

नीलामी की तिथि में किसी भी प्रकार का परिवर्तन नीलामी केंद्र पर प्रदर्शित किया जाएगा। बोली प्रस्तुत करना उपरोक्त नियमों एवं शर्तों की स्वीकृति माना जाएगा। अधिक जानकारी के लिए wecare@bajajfinserv.in पर संपर्क करें।

(10-07-26) **अंबिकापुर - अंबेडकर चौक:** PLI4GOL16937471, 20342987, 22953428. **भिलाई - जीई रोड**; PBX2GOL18464025, 18468967, 20124113, 21892944. **महासमुंद - बीजीएल**; PNU8GOL20900940. [13-07-26] **भिलाई - सिरसा गेट चौक**; PMM9GOL16828720, 18632388, 18629974, 21149743. **भिलाई - स्मृति नगर**; PLL2GOL19628555. **मनेंद्रगढ़ - बीजीएल**; PNU9GOL18658596, 20375636, 20548021, 20698044, 21130122, 22949662. (14-07-26) **बिलासपुर - अग्रसेन चौक**; PGJ8GOL16948158, 18620083, 19610405, 19631897, 19823386, 20369357, 20534505, 21410078, 21394860, 21781241. (15-07-26): **बिलासपुर - मुंगेली नाका**; PCZ5GOL20980626. **बिलासपुर - सरकंडा**; P42HGOL16810786, 20082487, 20356143, 20912339. **दुर्ग - महाराजा चौक**; PMW4GOL18984398, 21075476. (16-07-26): **दुर्ग - स्टेशन रोड**; PO8IGOL21608992. **कटघोरा - बीजीएल**; PNY8GOL18654340, 20306203, 20347614, 20932378, 20865791, 21625515, 22407502, 22937570. [17-07-26] **कोरबा - सीएसईबी चौक**; PEQ2GOL18460664, 18637507, 18652019, 19669715, 20465796, 21612040, 22215690, 23560322. **कोरबा - कोसाबाड़ी**; PLI5GOL17014831. (20-07-26): **मुंगेली - मेन रोड**; POY9GOL18553636. **रायपुर - जीई रोड**; PCZ6GOL23142606. **रायपुर - प्रियांक टॉवर**; PEN5GOL19262688, 19620185, 21431523. **रायपुर - तेलीबांधा रोड**; PF45GOL18386674, 19438807, 19767584, 20754480. (21-07-26) **राजनंदगांव - जी ई रोड**; PEN6GOL19641752, 20317313, 20477137, 22202854, 22422968, 23191635, 23194752, 23196969, 23188931, 23182330.

बजाज फाईनान्स लिमिटेड

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

विविध कार्य के प्रावधान हेतु निविदा सूचना

क्र. संख्या (1) निविदा संख्याः– एस.ई.सी.आर. –मुख्यालय–इंजी.–बी.एल.–26–27–04.
कार्य : दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर में विभिन्न ओपन वेब गर्डर्स एवं प्लेट गर्डर्स में मौजूदा साईड पाथवे का मेटालाइजिंग के कार्य का प्रावधान।
अनुमानित लागत : ₹ 4,69,73,858.58/-। प्रतिभूति राशि : ₹ 9,39,500/-। बोली प्रक्रिया की प्रारंभ तिथिः– 09.06.2026। निविदा की अंतिम तिथि व समय : दिनांक **23.06.2026** को **16:30** बजे।

क्र. संख्या (2) निविदा संख्याः– एस.ई.सी.आर. –मुख्यालय–इंजी.–बी.एल.–26–27–05.
कार्य : बिलासपुर मंडल में वरिष्ठ अनुभाग अभियंता (पुल)/षहडोल एवं बिलासपुर के अधिकार क्षेत्र में विभिन्न स्टील गर्डर्स पुलो में साईड पाथवे का प्रावधान एवं जंग लगे एवं छिद्रित चेकर्ड प्लेट का न्यू एस.एस. चेकर्ड प्लेट से बदलने के कार्य का प्रावधान।
अनुमानित लागत : ₹ 4,24,87,016.17/-। प्रतिभूति राशि : ₹ 8,49,800/-। बोली प्रक्रिया की प्रारंभ तिथिः– 09.06.2026। निविदा की अंतिम तिथि व समय : दिनांक **23.06.2026** को **16:30** बजे।

क्र. संख्या (3) निविदा संख्याः– एस.ई.सी.आर. –मुख्यालय–इंजी.–बी.एल.–26–27–06.
कार्य : नागपुर मंडल में वरिष्ठ अनुभाग अभियंता (पुल)/गोंदिया के अधिकार क्षेत्र में पुल संख्या 348 अप एंड मिड, 116 अप एंड डाउन, 34 अप एवं डाउन, 68, 159 एवं 270 में कोरोजन गार्ड एवं जंग लगे एवं छिद्रित चेकर्ड प्लेट का न्यू एस.एस. चेकर्ड प्लेट से बदलने के कार्य का प्रावधान।
अनुमानित लागत : ₹ 3,37,44,824.31/-। प्रतिभूति राशि : ₹ 6,74,900/-। बोली प्रक्रिया की प्रारंभ तिथिः– 09.06.2026। निविदा की अंतिम तिथि व समय : दिनांक **23.06.2026** को **16:30** बजे।

क्र. संख्या (4) निविदा संख्याः– एस.ई.सी.आर. –मुख्यालय–इंजी.–बी.एल.–26–27–07.
कार्य : दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर के अधिकार क्षेत्र में ड्रोन के माध्यम से 10 पुलों का 3डी एवं 25 पुलों का 4डी लेडार टेक्नोलॉजी के साथ निरीक्षण के कार्य का प्रावधान।
अनुमानित लागत : ₹ 70,45,662.00/-। प्रतिभूति राशि : ₹ 1,40,900/-। बोली प्रक्रिया की प्रारंभ तिथिः– 09.06.2026। निविदा की अंतिम तिथि व समय : दिनांक **23.06.2026** को **16:30** बजे।

क्र. संख्या (5) निविदा संख्याः– एस.ई.सी.आर. –मुख्यालय–इंजी.–बी.एल.–26–27–08.
कार्य : रायपुर मंडल में वरिष्ठ अनुभाग अभियंता (पुल)/रायपुर के अधिकार क्षेत्र में पुलों के विविध रखरखाव का कार्य जैसे थ्रु/पेंच पेंटिंग, ग्रिसिंग, इपॉक्सी ग्राउटिंग क्षतिग्रस्त मेम्बर का प्रतिस्थापन के कार्य का प्रावधान।
अनुमानित लागत : ₹ 84,10,922.25/-। प्रतिभूति राशि : ₹ 1,68,200/-। बोली प्रक्रिया की प्रारंभ तिथिः– 09.06.2026। निविदा की अंतिम तिथि व समय : दिनांक **23.06.2026** को **16:30** बजे।

क्र. संख्या (6) निविदा संख्याः– एस.ई.सी.आर. –मुख्यालय–इंजी.–बी.एल.–26–27–09.
कार्य : नागपुर मंडल में वरिष्ठ अनुभाग अभियंता (पुल)/गोंदिया के अधिकार क्षेत्र में पुलो के विविध रखरखाव का कार्य जैसे थ्रु/पेंच पेंटिंग एवं ग्रिसिंग के कार्य का प्रावधान।
अनुमानित लागत : ₹ 1,09,65,622.14/-। प्रतिभूति राशि : ₹ 2,19,300/-। बोली प्रक्रिया की प्रारंभ तिथिः– 09.06.2026। निविदा की अंतिम तिथि व समय : दिनांक **23.06.2026** को **16:30** बजे।

क्र. संख्या (7) निविदा संख्याः– एस.ई.सी.आर. –मुख्यालय–इंजी.–बी.एल.–26–27–10.
कार्य : नागपुर मंडल में वरिष्ठ अनुभाग अभियंता (पुल)/नैनपुर के अधिकार क्षेत्र में पुलों के विविध रखरखाव का कार्य जैसे थ्रु/पेंच पेंटिंग, ग्रिसिंग, इपॉक्सी ग्राउटिंग एवं इलास्टोमेरिक बियरिंग्स के प्रतिस्थापन के कार्य का प्रावधान।
अनुमानित लागत : ₹ 1,05,77,407.75/-। प्रतिभूति राशि : ₹ 2,11,600/-। बोली प्रक्रिया की प्रारंभ तिथिः– 09.06.2026। निविदा की अंतिम तिथि व समय : दिनांक **23.06.2026** को **16:30** बजे।

उपरोक्त कार्य की आवश्यक एवं पूर्ण जानकारी उप मुख्य अभियंता पुल & मुख्यालय कार्यालय या **www.ireps.gov.in** वेबसाईट से प्राप्त किया जा सकता है।

उप मुख्य अभियंता पुल/मुख्यालय
सीपीआर/10/167 द.पू.म. रेलवे, बिलासपुर

South East Central Railway @secrail

दुनिया की सबसे खतरनाक दवाई गर्भ में खा जाता था बच्चों का अंग

बर्लिन। दुनिया के चिकित्सा इतिहास में कुछ ऐसी घटनाएं हुई हैं, जो आज भी रोंगटे खड़े कर देती है। इन्हीं में से एक है थैलिडोमाइड दवा की कहानी। 1950 के दशक में मॉर्निंग सिकनेस यानी गर्भावस्था में उल्टी-मितली से राहत दिलाने के लिए यह दवा दी जा रही थी। डॉक्टर इसे पूरी तरह सुरक्षित बता रहे थे, लेकिन इसने गर्भ में पल रहे बच्चों को भयानक नुकसान पहुंचाया।

थैलिडोमाइड दवा सबसे पहले जर्मनी में विकसित की गई थी। इसे 1957 में बाजार में लाया गया और जल्द ही 40 से ज्यादा देशों में बेचा जाने लगा। महिलाएं इसे नींद की दवा, चिंता कम करने और मॉर्निंग सिकनेस के इलाज के रूप में इस्तेमाल कर रही थीं। शुरुआती दिनों में सब कुछ ठीक लग रहा था। लेकिन, 1960 के आसपास डॉक्टरों को एक अजीब पैटर्न नजर आने लगा। कई महिलाएं ऐसे बच्चों को जन्म दे रही थीं ,जिनके हाथ या पैर बिल्कुल नहीं थे, या बहुत छोटे और विकृत थे। जांच की गई तो खौफनाक खुलासा हुआ।

बच्चों को हो रहा था नुकसान

डॉक्टर्स ने पाया कि जो महिलाएं गर्भावस्था में इस दवा का सेवन कर रही थीं, उनके कुछ बच्चों के कान नहीं थे, आंखें प्रभावित थीं या आंतरिक अंग क्षतिग्रस्त थे। कई बच्चे जन्म के कुछ समय बाद ही मर जाते थे। जर्मनी के बाल रोग विशेषज्ञ डॉक्टर विडुकिंड लेंज ने इसकी जांच की और पाया कि समस्या थैलिडोमाइड दवा से जुड़ी है। यह दवा गर्भावस्था के शुरुआती 20-36 दिनों में भ्रूण के विकास को बुरी तरह प्रभावित कर रही थी– ठीक उसी समय जब कई महिलाओं को पता भी नहीं होता कि वे गर्भवती हैं। जब दवा को बाजार से हटाया गया (1961), तब तक नुकसान हो चुका था। दुनिया भर में 10,000 से ज्यादा बच्चे विकलांग पैदा हुए थे। हजारों गर्भपात और मृत जन्म भी हुए थे। सबसे ज्यादा प्रभावित देशों में यूरोप, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और एशिया के कई देश शामिल थे।

अद्भुत

यहां होता है दो दुनिया का मिलन! एक कदम पर बदल जाता है माहौल

जंगल से रेगिस्तान पहुंच जाते हैं लोग

ब्रासीलिया। पृथ्वी पर कई ऐसी जगहें हैं जो देखकर लगता है कि प्रकृति ने अपना जादू दिखा दिया हो। ब्राजील के मरान्हाओ राज्य में स्थित लेनसोइस मारान्हेंस ऐसी ही एक अनोखी जगह है जहां जंगल और रेगिस्तान का मिलन होता है। यहां एक कदम आगे बढ़ते ही पूरा माहौल बदल जाता है। सफेद रेत के विशाल टीले एक तरफ और हरे-भरे वनस्पति वाले क्षेत्र दूसरी तरफ. यह देखकर पर्यटक दंग रह जाते है। यह जगह इन दिनों सोशल मीडिया पर खूब चर्चा में है। पर्यटक यहां आकर वीडियो और फोटो शेयर कर रहे है। इस जगह को देखकर ऐसा लगता है कि दो दुनिया का मिलन हो रहा है।

रेत और जंगल का मिलन

इस जगह एक तरफ लंबे-लंबे सफेद रेतीले टीले जो रेगिस्तान की याद दिलाते हैं, वहीं कुछ कदम दूर हरे पेड़, झाड़ियां और हरी-भरी वनस्पति नजर आते है। ऐसा लगता है मानो दो अलग-अलग दुनिया एक ही जगह पर बसी हुई हों। वैज्ञानिकों के अनुसार यह अद्भुत दृश्य महासागर की लहरों, लगातार चलने वाली हवाओं और मौसमी बारिश के कारण बनता है। समुद्र से आने वाली रेत हवाओं के साथ उड़कर टीले बनाती है। बारिश के मौसम में इन टीलों के बीच मीठे पानी के आकर्षक लैगून (तालाब) बन जाते हैं, जो नीले रंग के आकाश की तरह चमकते है। लेकिन, सूखे मौसम में रेत फिर से हावी हो जाती है। यह जगह सूखे रेगिस्तान जैसी नहीं है। यहां की रेत समुद्री है और पूरी तरह सूखी नहीं रहती। यही वजह है कि हरी वनस्पति भी आसानी से बढ़ पाती है। रेस्टिंगा वन, मैंग्रोव और हिलते हुए टीले एक साथ इस इलाके को अनोखा बनाते है।

दूर-दूर से आते हैं पर्यटक

भारतीय पर्यटक भी अब यहां पहुंच रहे है। एक तरफ रेगिस्तान जैसा नजारा, दूसरी तरफ जंगल। लगता है जैसे फोटोशॉप किया हो, लेकिन यह पूरी तरह रियल है। लेनसोइस मारान्हेंस राष्ट्रीय उद्यान का हिस्सा है। यहां साल भर पर्यटक आते रहते हैं, लेकिन बारिश के बाद का समय सबसे खूबसूरत माना जाता है। उस समय टीलों के बीच नीले पानी के तालाब बन जाते हैं, जो फोटोग्राफर्स के लिए स्वर्ग साबित होते है। लोग इन तालाबों में तैरते भी है।

इकोसिस्टम बेहद संवेदनशील

यह जगह सिर्फ देखने लायक नहीं, बल्कि पर्यावरणीय रूप से भी बहुत महत्वपूर्ण है। यहां का इकोसिस्टम बेहद संवेदनशील है। रेत के टीले लगातार अपनी जगह बदलते रहते है। हवा और पानी की गति पर निर्भर यह पूरा सिस्टम दिखाता है कि प्रकृति कितनी गतिशील है। पर्यटकों की बढ़ती संख्या के साथ संरक्षण की चुनौतियां भी बढ़ रही है। स्थानीय प्रशासन पर्यटकों को निर्देश देता है कि वे प्लास्टिक ना फेंकें और निर्दिष्ट रास्तों पर ही चलें ताकि नाजुक इकोसिस्टम को नुकसान ना पहुंचे।

प्रकृति का सुपरहीरो, न दर्द होता है, न बुढ़ापा आता है

नई दिल्ली। आज हम आपको एक ऐसे अनोखे जीव 'नेकेड मोल रैट' के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसे न तो दर्द का अहसास होता है और न ही कैंसर जैसी घातक बीमारी उसका कुछ बिगाड़ सकती है। इस जीव के कारनामे भी किसी सुपरहीरो से कम नहीं है। जब बात अजीबोगरीब जीवों की आती है, तो प्रकृति हमें हमेशा हैरान कर देती है। ऐसा ही एक जीव है 'नेकेड मोल रैट'। पहली नजर में देखने पर यह किसी झुर्रीदार, बिना बालों वाले छोटे से चूहे जैसा दिखता है, लेकिन इसके कारनामे किसी सुपरहीरो से कम नहीं है।

बिना ऑक्सीजन 18 मिनट तक जिंदा : आम चूहे या इंसान बिना ऑक्सीजन के कुछ ही मिनटों में दम तोड़ देते हैं, लेकिन नेकेड मोल रैट बिना ऑक्सीजन के भी करीब 18 मिनट तक बड़े आराम से रह सकता है। जब ऑक्सीजन खत्म होती है, तो यह जीव इंसानों की तरह ग्लूकोज का इस्तेमाल करना बंद कर देता है और फ्रुक्टोज से एनर्जी बनाना शुरू कर देता है। यह खूबी आमतौर पर केवल पौधों में पाई जाती है, लेकिन यह स्तनधारी जीव भी ऐसा करने में सक्षम है।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक: प्रवीण शुक्ला। RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail : bilaspur@haribhoomi.com